Public Disclosure Authorized

Public Disclosure Authorized

41188

विश्व बैंक वार्षिक रिपोर्ट 2007

विश्व बैंक

प्रचालन सारांश । वित्तीय वर्ष 2007

आईबीआरडी मिलियन डॉलर में	2007	2006	2005	2004	2003
वचनबद्धताएं	12,829	14,135	13,611	11,045	11,231
जिसमें विकास नीति ऋणदान	3,635	4,906	4,264	4,453	4,187
परियोजनाओं की संख्या	112	113	118	87	99
जिसमें विकास नीति ऋणदान	22	21	23	18	21
सकल संवितरण	11,055	11,833	9,722	10,109	11,921
जिसमें विकास नीति ऋणदान	4,096	5,406	3,605	4,348	5,484
मूलधन वापसी (पूर्व भुगतान सहित)	17,231	13,600	14,809	18,479	19,877
निवल संवितरण	(6,176)	(1,767)	(5,087)	(8,370)	(7,956)
बकाया ऋण	97,805	103,004	104,401	109,610	116,240
असंवितरित ऋण	35,440	34,938	33,744	32,128	33,031
परिचालन आय[क]	1,659	1,740	1,320	1,696	3,021
प्रयोज्य पूंजी और आरक्षित निधियां	33,754	33,339	32,072	31,332	30,027
अंशपूंजी-से-ऋण का अनुपात	35%	33%	31%	29%	27%

क. संशोधित वित्तीय लेखा मानक नं 133 के अनुकूल, आईबीआरडी के वित्तीय विवरण में बोर्ड ऑफ़ गवर्नर्स द्वारा अनुमोदित हस्तांतरण पूर्व शुद्ध आय और उचित मूल्य पर मापे गए गैरवाणिज्यिक व्युत्पन्न उपकरणों तथा उधारों पर शुद्ध अप्राप्त (घाटा) लाभ के रूप में रिपोर्ट किया गया।

आईडीए मिलियन डॉलर में	2007	2006	2005	2004	2003
वचनबद्धताएं	11,867	9,506	8,696	9,035	7,283
जिसमें विकास नीति ऋणदान	2,645	2,425	2,331	1,698	1,831
परियोजनाओं की संख्या	189	173	165	158	141
जिसमें विकास नीति ऋणदान	35	30	33	23	24
सकल संवितरण	8,579	8,910	8,950	6,936	7,019
जिसमें विकास नीति ऋणदान	2,399	2,425	2,666	1,685	2,795
मूलधन वापसी	1,753	1,680	1,620	1,398	1,369
निवल संवितरण	6,826	7,230	7,330	5,538	5,651
बकाया ऋण	102,457	127,028	120,907	115,743	106,877
असंवितरित ऋण	24,517	22,026	22,330	23,998	22,429
असंवितरित अनुदान	4,642	3,630	3,021	2,358	1,316
विकास अनुदान व्यय	2,195	1,939	2,035	1,697	1,016

टिप्पणी: प्रचालनों की कुल संख्या में अतिरिक्त वित्तपोषण द्वारा प्रवर्धित परियोजनाएं शामिल हैं।

अंतरण पत्र

यह *वार्षिक रिपोर्ट*, जो कि 1 जुलाई, 2006 से 30 जून, 2007 की अवधि के बारे में है, अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (आईबीआरडी) और अंतर्राष्ट्रीय विकास संगठन (आईडीए)–जिन्हें सामूहिक रूप से विश्व बैंक कहा जाता है–दोनों के कार्यकारी निदेशकों द्वारा क्रमशः दोनों संस्थाओं की नियमावलियों के अनुसार तैयार की गई है। आईबीआरडी तथा आईडीए के अध्यक्ष, तथा कार्यकारी निदेशक मंडल के अध्यक्ष, रॉबर्ट ज़ेलिक ने संलग्न प्रशासकीय बजटों और लेखा-परीक्षित वित्तीय विवरणों के साथ, यह रिपोर्ट बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के समक्ष प्रस्तुत की है।

अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी), बहुपक्षीय निवेश गारंटी एजेंसी (एमआईजीए), और अंतर्राष्ट्रीय निवेश विवाद निर्धारण केंद्र (आईसीएसआईडी) की वार्षिक रिपोर्टें अलग से प्रकाशित हैं।

विश्व बैंक वार्षिक रिपोर्ट 2007

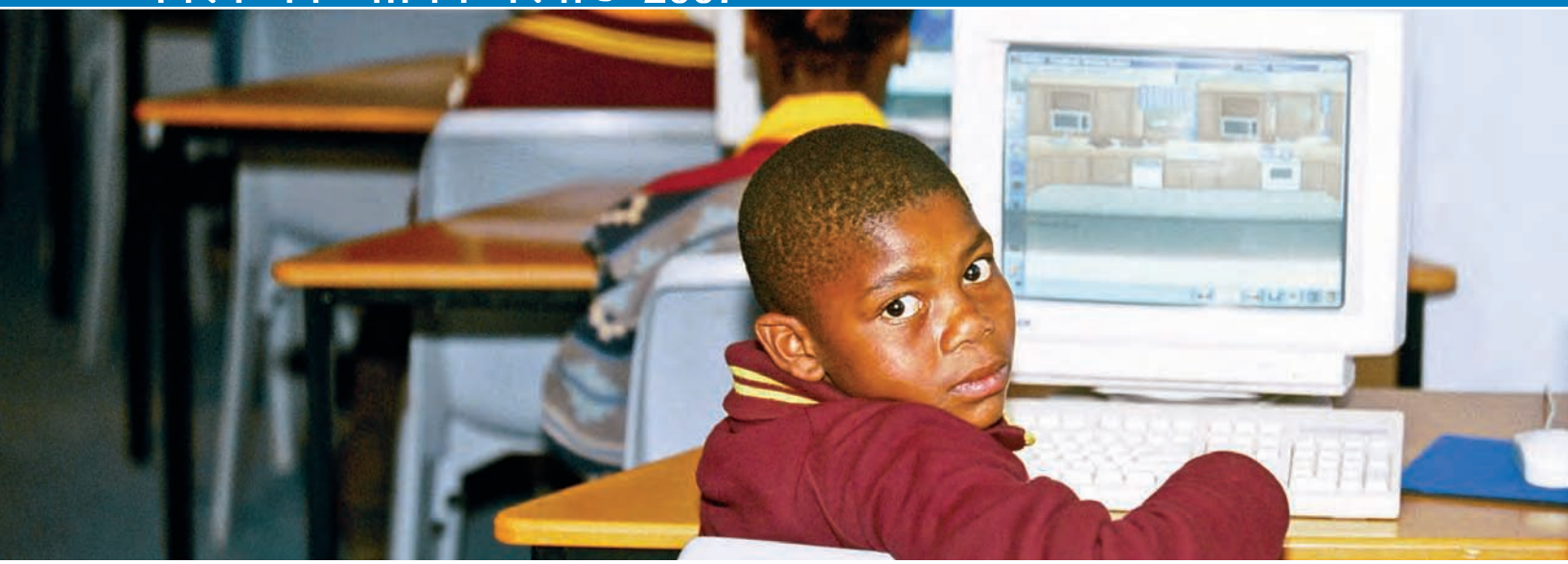

विषयवस्तु

विश्व बैंक क्षेत्रों, देशीय, कार्यालयों और ऋणकर्ता अर्हता का मानचित्र 2

विश्व बैंक के बारे में 4

विश्व बैंक और कार्यकारी निदेशक मंडल के अध्यक्ष की ओर से संदेश 5

कार्यकारी निदेशक मंडल (बोर्ड) 6

कार्यकारी प्रबंधन, कार्यकारी निदेशकों, और स्टाफ का पारिश्रमिक 9

वित्तीय वर्ष 2007 पर एक नज़र 10

1 विश्वव्यापी निर्धनता पर ध्यान 11

2 क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य 27
- अफ्रीका 28
- पूर्वी एशिया और प्रशांत 32
- दक्षिण एशिया 36
- यूरोप और मध्य एशिया 40
- लातिनी अमेरिका और कैरिब्बियन 44
- मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका 48

3 वित्तीय वर्ष की गतिविधियों का सार-संक्षेप 52

विश्व बैंक समूह 63

सीडी रॉम विषयवस्तु

वित्तीय विवरण

नए प्रचालन

ऋणदान संबंधी आंकड़े

क्षेत्र के अनुसार आय

संगठनात्मक जानकारियां

इस सीडी रॉम में इस पुस्तक की संपूर्ण विषयवस्तु अंग्रेजी, अरबी, चीनी, फ्रांसीसी, हिन्दी, जापानी, पुर्तगाली, रूसी तथा स्पैनिश भाषाओं में उपलब्ध है।

टिप्पणी: प्रबंधक वर्ग का विचार-विमर्श और विश्लेषण, अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक के लेखा-परीक्षित वित्तीय विवरण, और अंतर्राष्ट्रीय विकास संगठन के लेखा-परीक्षित वित्तीय विवरण सहित संपूर्ण वित्तीय विवरण इस रिपोर्ट के साथ संलग्न सीडी-रॉम पर प्रकाशित हैं। यह *वार्षिक रिपोर्ट* इंटरनेट पर **www.worldbank.org** पर भी उपलब्ध है।

जब तक कि कोई दूसरी जानकारी न दी गई हो, इस *वार्षिक रिपोर्ट* में प्रयोग की गई सभी डॉलर राशियां वर्तमान अमेरिकी डॉलर हैं। पूर्णांकन की वजह से, तालिकाओं की संख्याएं कुल योग से अलग हो सकती हैं और चित्रों में दिए गए प्रतिशतों का जोड़ 100 से अलग हो सकता है। समूची रिपोर्ट में "विश्व बैंक" तथा "बैंक" शब्दों से आईबीआरडी और आईडीए को इंगित किया गया है। "विश्व बैंक समूह" से आईबीआरडी, आईडीए, आईएफसी, एमआईजीए तथा आईसीएसआईडी को इंगित किया गया है।

विश्व बैंक के क्षेत्र, देशीय कार्यालय, और ऋणकर्ता अर्हता

विश्व बैंक आज 100 से अधिक देशीय कार्यालयों से अपना काम संभाल रहा है। ग्राहक देशों में अपनी बढ़ती उपस्थिति के फलस्वरूप, बैंक अपने ग्राहकों को बेहतर समझ सकता है, उनके साथ और घनिष्ठता से काम कर सकता है और उन्हें शीघ्र सेवा प्रदान कर सकता है। बकाया ऋणों का तीन चौथाई हिस्सा अब देशीय निदेशकों द्वारा संचालित है। देशीय निदेशक बैंक के वॉशिंगटन डी.सी मुख्यालय से दूर स्थित होते हैं। बैंक के 33 प्रतिशत कर्मी देश-स्थित कार्यालयों में ही नियुक्त हैं।

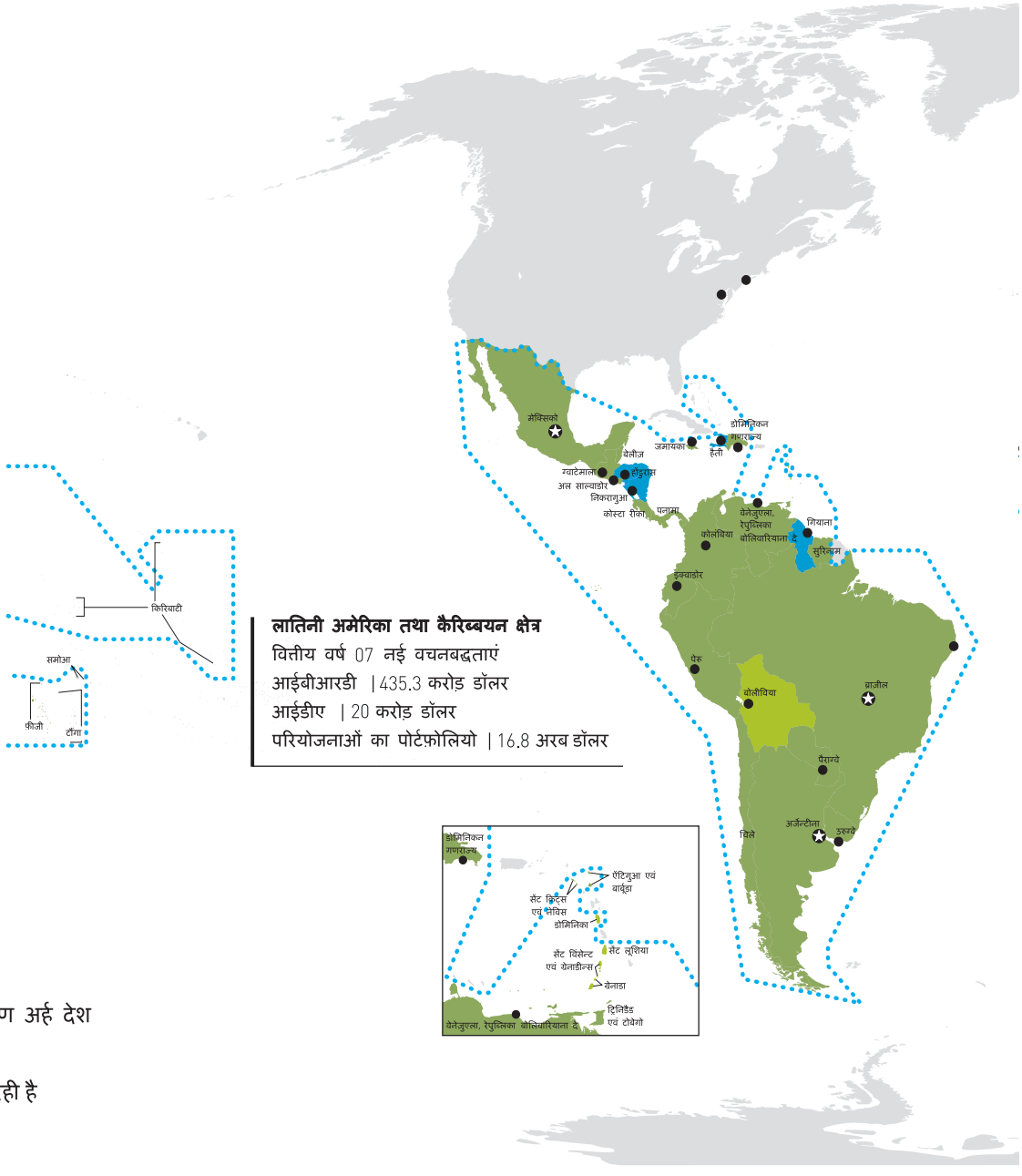

लातिनी अमेरिका तथा कैरिब्बयन क्षेत्र
वित्तीय वर्ष 07 नई वचनबद्धताएं
आईबीआरडी | 435.3 करोड़ डॉलर
आईडीए | 20 करोड़ डॉलर
परियोजनाओं का पोर्टफ़ोलियो | 16.8 अरब डॉलर

केवल आईबीआरडी ऋण अर्ह देश
आईबीआरडी तथा आईडीए मिश्रित ऋण अर्ह देश
केवल आईडीए ऋण अर्ह देश
निष्क्रिय आईडीए ऋण अर्ह देश
वे देश जिन्हें बैंक से धनराशि नहीं मिल रही है
● विश्व बैंक कार्यालय
✪ देशीय निदेशक सहित कार्यालय
बैंक क्षेत्रों की सीमाएं

मध्य पूर्व तथा उत्तरी अफ़्रीका
वित्तीय वर्ष 07 नई वचनबद्धताएं
आईबीआरडी | 69.2 करोड़ डॉलर
आईडीए | 21.6 करोड़ डॉलर
परियोजनाओं का पोर्टफ़ोलियो | 6.1 अरब डॉलर

यूरोप तथा मध्य एशिया
वित्तीय वर्ष 07 नई वचनबद्धताएं
आईबीआरडी | 334 करोड़ डॉलर
आईडीए | 42.2 करोड़ डॉलर
परियोजनाओं का पोर्टफ़ोलियो | 16.7 अरब डॉलर

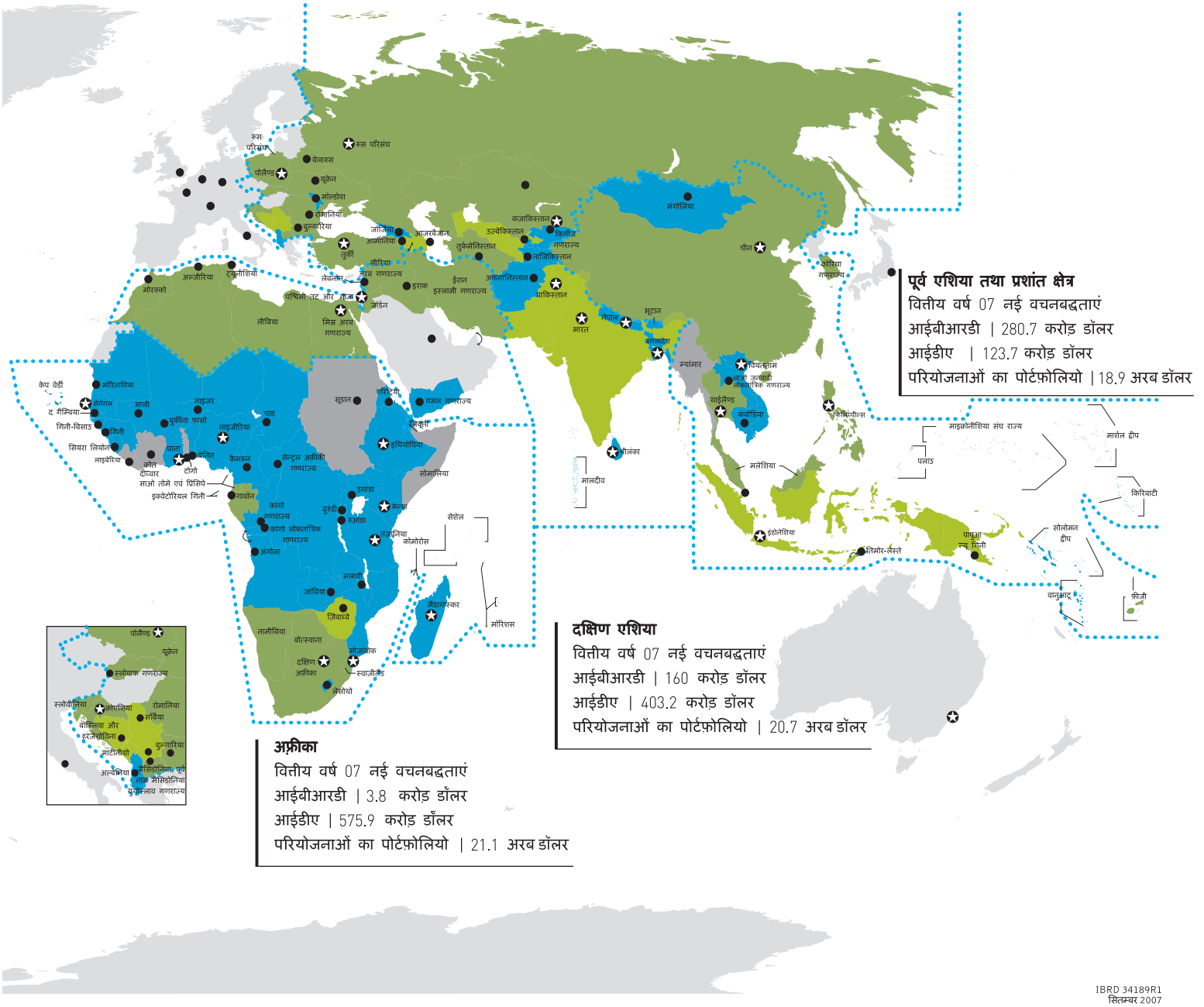

पूर्व एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र
वित्तीय वर्ष 07 नई वचनबद्धताएं
आईबीआरडी | 280.7 करोड़ डॉलर
आईडीए | 123.7 करोड़ डॉलर
परियोजनाओं का पोर्टफ़ोलियो | 18.9 अरब डॉलर

दक्षिण एशिया
वित्तीय वर्ष 07 नई वचनबद्धताएं
आईबीआरडी | 160 करोड़ डॉलर
आईडीए | 403.2 करोड़ डॉलर
परियोजनाओं का पोर्टफ़ोलियो | 20.7 अरब डॉलर

अफ़्रीका
वित्तीय वर्ष 07 नई वचनबद्धताएं
आईबीआरडी | 3.8 करोड़ डॉलर
आईडीए | 575.9 करोड़ डॉलर
परियोजनाओं का पोर्टफ़ोलियो | 21.1 अरब डॉलर

IBRD 34189R1
सितम्बर 2007

विश्व बैंक के बारे में

विश्व बैंक में दो संस्थान निहित हैं: अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (आईबीआरडी) और अंतर्राष्ट्रीय विकास संगठन (आईडीए)। ये संस्थान–अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी), बहुपक्षीय निवेश गारंटी एजेंसी (एमआईजीए), और अंतर्राष्ट्रीय निवेश विवाद निर्धारण केंद्र (आईसीएसआईडी) के साथ मिलकर–विश्व बैंक समूह की रचना करते हैं। प्रत्येक संस्थान विकास के भिन्न-भिन्न पहलू में विशेषज्ञता रखता है, लेकिन इन सभी का लक्ष्य एक है: निर्धनता मुक्त विश्व बनाना।

विश्व बैंक अलग-अलग देशों के साथ इस बारे में विचारों का आदान-प्रदान करता है कि उनके विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कौन-सी नीतियां सबसे अधिक उपयुक्त हैं और उन्हें प्रौद्योगिकीय एवं वित्तीय सहायता प्रदान करता है। आईबीआरडी के ग्राहक मध्य-आय वाले और साख-पात्र निर्धन देश हैं, जबकि आईडीए अनन्य रूप से निर्धनतम देशों पर अपना ध्यान केंद्रित करता है।

विश्व बैंक एक सहकारी संस्था के रूप में कार्य करता है, जिसमें विकासशील और विकसित देश सदस्य अंशधारकों के रूप में काम करते हैं। इनके प्रतिनिधि, कार्यकारी निदेशक, बैंक की नीतियां तय करते हैं और इसके प्रचालनों की निगरानी करते हैं।

आईबीआरडी में 185 सदस्य देश हैं। वर्ष 1944 में इसके आरंभ के बाद से, इसने 433 अरब डॉलर की धनराशि के ऋण दिए हैं। आईडीए में 166 सदस्य देश हैं। वर्ष 1960 में इसके आरंभ के बाद से, इसने 181 अरब डॉलर की धनराशि की वचनबद्धताएं दी हैं।

विश्व बैंक के कार्यक्रमों में वहनीय मानव और सामाजिक विकास तथा सुदृढ़िकृत वित्तीय प्रबंधन के पहलुओं को उच्च प्राथमिकता दी जाती है, जिसके अंतर्गत समावेशन, सुशासन और संगठन निर्माण को रेखांकित किया जाता है। सह-वित्तपोषकों तथा साझेदारियों से मिले अनुदानों और ऋणों को सरकारी निधियों और विश्व बैंक ऋणदानों का संपूरक बनाकर, देश के लिए सहायता का एक संपूर्ण पैकेज तैयार किया जाता है।

अतिरिक्त जानकारी के लिए, कृपया **www.worldbank.org** देखें, और साथ ही **www.worldbank.org/reference** पर *Guide to the World Bank* (*विश्व बैंक की निर्देशिका*) देखें।

विश्व बैंक और कार्यकारी निदेशक मंडल के अध्यक्ष का संदेश

इस पूरी रिपोर्ट में आप देखेंगे कि सभी क्षेत्रों, खासकर अफ्रीका, में निर्धनता से उबरने के लिए प्रयासरत देशों और लोगों के लिए विश्व बैंक समूह के कार्य का क्या अर्थ है। विश्व बैंक समूह साझेदारों के साथ मिलकर 620 से अधिक परियोजनाओं पर काम कर रहा है: लड़कों और लड़कियों दोनों को शिक्षा का अवसर देने के लिए; देखभाल के जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए; निजी क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए ताकि स्थानीय बचतों का उपयोग निर्धनों हेतु रोजगार और संपत्ति के सृजन के लिए किया जा सके; और आधारभूत ढांचे एवं सुरक्षित, वहनीय ऊर्जा स्रोतों का निर्माण करने के लिए जो कि विकास की पूर्वशर्ते हैं। हम सुशासन, संस्थाओं, और विधि शासन को मज़बूत बनाने के लिए भी प्रयास करते हैं ताकि लोगों को अपने परिवारों और अपने देशों के लिए भविष्य गढ़ने का उचित और समान अवसर मिल सके।

विश्व बैंक का चेहरा वह ग्रामीण विद्युतीकरण परियोजना है जिसे मैं वियतनाम में देखने गया था। इसके कारण एक लड़की को स्कूल जाने का समय मिल पाता है क्योंकि अब वह मशीन से चावल और मक्का पीस सकती है–और उसे पढ़ने के लिए रोशनी मिलती है। सेनेगल में हमने जिस सार्वजनिक-निजी जल साझेदारी को वित्तपोषित करने में मदद की थी, जो सुरक्षित जल आपूर्ति करती है और कचरा हटाती है, वह पानी से फैलने वाली बीमारियों और मलेरिया में कमी लाने के साथ ही एक ऐसे मूल्यवान संसाधन की बचत कर रही है जो अब करीब दस लाख लोगों की ज़रूरत पूरी करता है। और हमने आर्मेनिया में जिस सिंचाई परियोजना को समर्थन दिया था उसके कारण एक किसान अपने सेब के बागानों का विस्तार कर सकता है और साथ ही सरकारी सेवाओं के लिए भुगतान में पारदर्शिता को भी बढ़ावा मिलता है।

वित्तीय वर्ष 2007 के दौरान, विश्व बैंक समूह ने अपने सदस्यों को और सदस्य देशों में निजी व्यवसायों को ऋणों, अनुदानों, इक्विटी निवेशों, और गारंटियों के रूप में 34.3 अरब डॉलर की वचनबद्धताएं कीं–यह वित्तीय वर्ष 2006 से 2.7 अरब डॉलर (7.8 प्रतिशत) अधिक है।

इस वित्तीय परिणाम में योगदान करने वाले विश्व बैंक समूह के संस्थान हैं: अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (आईबीआरडी), जो सदस्यों को वित्तपोषण, जोखिम प्रबंधन उत्पाद, और अन्य वित्तीय सेवाएं प्रदान करता है; अंतर्राष्ट्रीय विकास संगठन (आईडीए), जो निर्धनतम देशों को ब्याजमुक्त ऋण और अनुदान प्रदान करता है; अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी), जो अंशपूंजी निवेश करता है, और विकासशील देशों में निजी व्यवसायों को ऋण, गारंटियां और परामर्शदात्री सेवाएं प्रदान करता है; तथा बैंक समूह की राजनीतिक जोखिम बीमा एजेंसी, बहुपक्षीय निवेश गारंटी एजेंसी (एमआईजीए)।

आईडीए की वचनबद्धताएं 11.9 अरब डॉलर थीं, जोकि पिछले वर्ष से 25 प्रतिशत अधिक और आईडीए के इतिहास में अधिकतम राशि है। वित्तीय वर्ष 2007 में आईबीआरडी की वचनबद्धताएं कुल मिलाकर 12.8 अरब डॉलर थीं। आईएफसी ने विकासशील देशों में निजी क्षेत्र के विकास के लिए, अब तक की सर्वाधिक, 8.2 अरब डॉलर की वचनबद्धताएं दीं, जो पिछले वर्ष की कुल राशि से 1.5 अरब डॉलर अधिक थीं–और कुल राशि का 3 अरब डॉलर आईडीए देशों को गया। गारंटियों के रूप में एमआईजीए के 1.4 अरब डॉलर में से, 38.7 करोड़ डॉलर आईडीए देशों में परियोजनाओं को मिले। आईडीए देशों में एमआईजीए का कुल निवेश अब इसके पोर्टफोलियो के 41 प्रतिशत के बराबर है।

इसके अतिरिक्त, आईबीआरडी ने अपने सदस्यों की ओर से ब्याज दर और मुद्रा जोखिम प्रबंधन के रूप में 5.4 अरब डॉलर का लेनदेन किया। यह पिछले कई वर्षों की राशियों की तीन गुना वृद्धि है और हमारी वित्तीय सेवाओं के बढ़ते पोर्टफोलियो को रेखांकित करती है। इतना ही नहीं, आईएफसी ने ऋण भागीदारियों, संरचनागत वित्त, और समानांतर ऋणों के जरिए 3.9 अरब डॉलर अतिरिक्त जुटाए।

विश्व बैंक समूह इससे अधिक कर सकता है और उसे करना भी चाहिए। विविध विकासशील देशों की विशाल आवश्यकताओं को देखते हुए, विश्व बैंक समूह सभी के लिए अनुकूलित विकास समाधान सृजित करने के द्वारा अपनी पूंजी, ज्ञान और विशेषज्ञता का उपयोग लोगों के लिए कर सकता है। हम निर्धनता से संपन्नता की ओर बढ़ने के लिए व्यावहारिक योजनाओं में निवेश करेंगे। विश्व भर से साझेदारों और समर्थकों के साथ काम करते हुए, परिणामों के प्रति वचनबद्धता से निर्देशित होकर, हम 2015 तक सहस्राब्दि विकास लक्ष्यों को पाने का प्रयास करेंगे। इस ढंग से हम एक समावेशी और वहनीय वैश्विकरण को आगे बढ़ा सकते हैं।

करीब 60 वर्ष पहले विश्व बैंक के गठन के समय से विश्व बहुत अधिक बदल चुका है। विकास, पुनर्निर्माण, और वित्त के इस विशिष्ट और पारंगत संस्थान को केवल परिवर्तनों के अनुसार बदलने की ही आवश्यकता नहीं है: इसे जोखिमों का बेहतर ढंग से प्रबंधन करने के साथ ही सभी देशों, खासकर निर्धनतम देशों, द्वारा विश्व अर्थव्यवस्था में परिवर्तनों का लाभ उठाने के रास्ते तलाशने होंगे।

विश्व बैंक समूह को ग्राहकों, दाताओं और ऐसे देशों जोकि दोनों ही हैं, के साथ दीर्घकालिक साझेदारी करनी होगी। इसे भंगुर राज्यों और संघर्षों से निकलने की कोशिश कर रहे राज्यों में विकास का नवप्रवर्तक होना चाहिए। यह पर्यावरण और बीमारी की वैश्विक चुनौतियों के स्थानीय समाधानों का निर्माता और क्रियान्वयनकर्ता हो सकता है, और साथ ही हमारे प्राकृतिक पर्यावरण के संरक्षक और जलवायु परिवर्तन पर सबसे पहले प्रतिक्रिया करने वाले की भूमिका भी निभा सकता है। इसे ऐसे नियमों, संस्थाओं, और बाजारों को सुगम बनाना चाहिए जो विकासशील देशों में आशा, अवसर एवं निजी उद्यम की गरिमा की खोज कर रहे लोगों के लिए व्यापार और वित्त सुलभ बना सकें।

यह वर्ष आसान नहीं रहा है। फिर भी हम दोबारा संवेग प्राप्त कर रहे हैं और इस संस्थान के अंदर ऊर्जा निर्मित कर रहे हैं। मैंने देखा है कि विश्व बैंक समूह के सबसे मूल्यावान संसाधन–वे प्रतिभावान और समर्पित लोग जो इसके कार्य को साकार करते हैं–बैंक के आधारभूत मिशन, निर्धनता समाप्त करने से अत्यंत प्रेरित हैं। वे आगे बढ़ रहे हैं। उन्हें जानना और उनके साथ काम करना एक खुशकिस्मती है।

रॉबर्ट बी. ज़ेलिक

कार्यकारी निदेशक मंडल (बोर्ड)

कार्यकारी निदेशक विश्व बैंक की सामान्य कार्रवाइयों के संचालन के लिए उत्तरदायी होते हैं, और वे बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा सौंपी गई शक्तियों के तहत अपना कर्तव्य पालन करते हैं। समझौते के अनुच्छेदों में किए गए प्रावधान के अनुसार, 24 में से 5 कार्यकारी निदेशक अधिकतम संख्या में शेयर रखने वाले एकल सदस्य देशों द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। और शेष अन्य सदस्य देशों द्वारा निर्वाचित होते हैं, जो हर दो वर्ष पर संचालित निर्वाचन प्रक्रिया में निर्वाचक मंडल बनते हैं। आवासी कार्यकारी निदेशक मंडल (बोर्ड) विश्व बैंक और इसके परिचालनक अनुभव पर सदस्य देशों के विकासमान दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व करता है।

बोर्ड बैंक के अध्यक्ष द्वारा रखे गए आईबीआरडी ऋण एवं गारंटी प्रस्तावों और आईडीए ऋण एवं गारंटी प्रस्तावों पर विचार करके निर्णय लेते हैं। निदेशक बैंक की सामान्य नीतियां और इसके विकास का स्वरूप निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यकारी निदेशक बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के समक्ष परीक्षित लेखे, प्रशासकीय बजट, और बैंक की कार्रवाइयों तथा नीतियों पर वार्षिक रिपोर्ट (यह रिपोर्ट) प्रस्तुत करने, और साथ ही ऐसे कोई भी अन्य मामले, जो उनकी राय में बोर्ड आफ गवर्नर्स के समक्ष रखे जाने चाहिए, प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी होते हैं। स्वतंत्र आकलन समूह (आईईजी) प्रचालनों की प्रासंगिकता, वहनीयता, कार्यकुशलता और प्रभावकारिता के बारे में स्वतंत्र परामर्श के साथ सीधे बोर्ड को रिपोर्ट करता है।

कार्यकारी निदेशक एक या अधिक स्थायी समितियों में काम करते हैं, ये हैं: लेखा-परीक्षण; बजट; विकास प्रभावकारिता की समिति (कोड); सुशासन तथा प्रशासकीय मामलों की समिति (सीओजीएएम); और कार्मिक। समितियों की सहायता से, बोर्ड नीतियों और व्यवहारों के गहन परीक्षण के जरिए अपने पर्यवेक्षण संबंधी दायित्वों का निर्वाह करता है। कार्यकारी निदेशकों की संचालक समिति, जो एक अनौपचारिक परामर्शदात्री निकाय है, की भी नियमित तौर पर बैठकें होती हैं।

बोर्ड का कार्य बैंक के रणनीतिक फ्रेमवर्क के दोनों स्तंभों–निवेश के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देना और निर्धन लोगों को अधिकार संपन्न बनाना–के साथ घनिष्ठता से जुड़ा रहा। मार्च 2007 में, बैंक के अध्यक्ष ने बैंक की दीर्घकालिक रणनीति पर एक व्यापक दृष्टि डालने की शुरूआत की। इस समीक्षा, जो जनवरी 2001 में अपनाई गई दो स्तंभों की वर्तमान रणनीति के बाद से पहली लंबी समीक्षा होगी, का नेतृत्व मुख्य अर्थशास्त्री करेंगे।

बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2007 में जिन कागजात और रिपोर्टों पर विचार किया था उनमें आधिकारिक विकास सहायता के रूझान; बैंक की अफ्रीका कार्ययोजना में हुई प्रगति; विकास निवेश फ्रेमवर्क के लिए स्वच्छ ऊर्जा के विषय में हुई प्रगति; दीर्घकालिक बकायों के मामलों के निपटारे हेतु एक समग्र फ्रेमवर्क विकसित करने सहित, ऋण राहत से जुड़े कार्यान्वयन संबंधी मुद्दे; वैश्विक व्यापार, खासकर दोहा विकास एजेंडा और व्यापार हेतु सहायता, में हुई प्रगति जैसे विषय शामिल थे। बोर्ड ने संकटों तथा आपात स्थितियों में शीघ्र प्रत्युत्तर देने के विषय पर बैंक की नीति के बारे में भी चर्चा की और भंगुर राज्यों में बैंक की संलग्नता बढ़ाने के लिए एक नए फ्रेमवर्क को भी अनुमोदित किया। सुशासन और भ्रष्टाचार निवारण (जीएसी) के एजेंडा पर, कार्यकारी निदेशकों ने सदस्य देशों के प्रति पारदर्शिता, पूर्वानुमेयता, निरंतरता और समान व्यवहार के सिद्धांतों को अपनाए जाने का समर्थन किया। उन्होंने इस बात की भी पुष्टि की कि जीएसी एजेंडा के क्रियान्वयन के दौरान वे इसमें शामिल रहेंगे और इसका पर्यवेक्षण करेंगे। बैंक-कोष सहयोग पर बाह्य समीक्षा समिति के संदर्भ में, निदेशकों ने बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के बीच प्रभावी सहयोग के महत्व को दर्ज किया।

पर्यवेक्षण और न्यासी दायित्व

बोर्ड पर्यवेक्षण तथा न्यासी दायित्व का निर्वाह करता है, आंशिक रूप से लेखा-परीक्षण समिति के माध्यम से। लेखा-परीक्षण समिति को यह अधिकार प्राप्त है कि वह विश्व बैंक समूह की वित्तीय स्थिति, इसके जोखिम प्रबंधन और आकलन प्रक्रियाओं, इसके सुशासन एवं नियंत्रणों की उपयुक्ता, और इसकी रिपोर्टिंग एवं अकाउंटिंग नीतियों एवं प्रक्रियाओं का पर्यवेक्षण करने तथा उनके बारे में निर्णय लेने में बोर्ड को सहायता प्रदान करे।

बाएं से दाएं: (खड़े) सैमी वाट्सन, स्वेन आस, अलेक्से क्वासॉव, टेरी ओ ब्रायन, ईलाइ विटनी डेबवौएस, टॉम स्कॉलर (जून 27, 2007 को कार्यभार समाप्त), पियेर दुक्वेन, हेर्मान वाईफ़ल्स, मिशेल मोर्दासीनी, एकहार्ड डॉएचर, जीनो आल्जेत्ता, माकोटो होसोमी, खॉर्खे फ़ामिलियार, मेर्ज़ा हसन, धनेन्द्र कुमार, फ़ेलिक्स आल्बेर्तो कामारासा, खॉर्खे बोतेरो; (बैठे) सिद अहमद दिब, जोवान्नी माज्नोनी, अब्दुलरेहमान अल्मोफ़हदी, मुलु केल्सेला, मैट एरॉन डेरेमन, लुई फ़िलीप ऑन्ग सेंग, जियायी झू।

प्रशासकीय बजट

बजट समिति द्वारा समीक्षित और कार्यकारी निदेशकों द्वारा स्वीकृत वित्तीय वर्ष 2007 का कुल प्रशासकीय बजट, प्रतिपूर्ति के पश्चात, 211.9 करोड़ डॉलर था, विकास अनुदान सुविधा और सांगठनिक अनुदान कार्यक्रमों के लिए 17.18 करोड़ डॉलर सहित। 159.13 करोड़ डॉलर का शुद्ध प्रशासकीय बजट वित्तीय वर्ष 2006 के बजट से 3.1 प्रतिशत अधिक था। जून 2007 में कार्यकारी निदेशकों ने वित्तीय वर्ष 2008 के लिए, प्रतिपूर्ति के पश्चात, कुल 214.83 करोड़ डॉलर के प्रशासकीय बजट को मंजूरी दी।

जांच पैनल

वित्तीय 2007 में, जांच पैनल को पांच देशों में बैंक परियोजनाओं के संबंध में जांच के छह अनुरोध प्राप्त हुए। पैनल स्थापित होने के बाद से जांच के 46 अनुरोध पाए जा चुके हैं: 14 अफ्रीका से, 15 लातिनी अमेरिका और कैरिबियन से, 11 दक्षिण एशिया से, 4 पूर्वी एशिया एव प्रशांत क्षेत्र से, और 2 पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया से। इन 46 अनुरोधों में से, 41 मामले पंजीकृत किए गए, और पैनल ने 22 मामलों में जांच की संस्तुति की है, 6 उन नियमों के अंतर्गत जो पैनल की स्थापना करने वाले प्रस्ताव में अप्रैल 1999 के स्पष्टीकरणों के पहले लागू थे, और 16 उन स्पष्टीकरणों को स्वीकार किए जाने के बाद से। जून 2007 तक, पैनल तीन मामलों की जांच कर रहा था।

जांच पैनल निजी नागरिकों, खासकर निर्धन लोगों, को विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशकों के बोर्ड के समक्ष दावे प्रस्तुत करने का एक माध्यम प्रदान करता है, जो फिर पैनल की सिफारिश पर, यह तय करते हैं कि जांच कराने की आवश्यकता है या नहीं। दावे भेजने की प्रक्रिया ने उन लोगों को अधिकारसंपन्न बनाया है और स्वर दिया है जिन पर विश्व बैंक द्वारा वितपोषित परियोजनाओं का बुरा प्रभाव पड़ा हो सकता है।

जांच के अनुरोध, प्रबंधन के प्रत्युत्तर, पैनल की संस्तुतियां, पैनल की जांच रिपोर्टें, और इस वित्तीय वर्ष में समीक्षित परियोजनाओं के लिए प्रबंधन की संस्तुतियां **www.worldbank.org/inspectionpanel** पर देखी जा सकती हैं।

अध्यक्ष का इस्तीफा और नए अध्यक्ष का चयन

अप्रैल 2007 में, बोर्ड के सामने नेतृत्व का संकट उपस्थित हो गया जिसके परिणामस्वरूप विश्व बैंक समूह के अध्यक्ष, पॉल डी. वुल्फोवित्ज़ ने इस्तीफा दे दिया। उसके बाद से बोर्ड ने 1 जुलाई, 2007 को रॉबर्ट बी. ज़ेलिक को सर्वसम्मति से पांच वर्ष की अवधि के लिए बैंक का 11वां अध्यक्ष चुना है।

स्वतंत्र आकलन समूह

स्वतंत्र आकलन समूह (आईईजी) विश्व बैंक समूह के भीतर स्थित एक स्वतंत्र इकाई है जो वहनीय ढंग से निर्धनता कम करने और लोगों का जीवनस्तर सुधारने के बैंक समूह के कार्य की प्रासंगिकता और प्रभाव का आकलन करती है। यह सीधे कार्यकारी निदेशकों को रिपोर्ट करती है। परिणामों का आकलन करने के लिए वस्तुनिष्ठ आधार प्रदान करना, विकासपरक उद्देश्यों को प्राप्त करने में जवाबदेही लाना, और अनुभवों से मिले सबकों को साझा करना आईईजी के लक्ष्य हैं। आईईजी अपनी जानकारियों को एक अधिक बड़े विकास समुदाय और आम जनता को उपलब्ध कराती है।

वित्तीय वर्ष 2007 में आईईजी की गतिविधियों–आधारभूत संरचना, स्वच्छ ऊर्जा, कमजोर राज्यों, त्वरित प्रत्युत्तर, शिक्षा, सुशासन, और भ्रष्टाचार का विरोध जैसे क्षेत्रों में–की संक्षिप्त झलकियां इस रिपोर्ट में जगह-जगह पर दी गई हैं। (देखें **www.worldbank.org/ieg**.)

कार्यकारी निदेशक, स्थानापन्न, और समिति के सदस्य। 30 जून, 2007

कार्यकारी निदेशक	स्थानापन्न	इन देशों का मत
नियुक्त		
ईलाइ विटनी डेबवौएस[a, e]	(रिक्त)	यूनाइटेड स्टेट्स
माकोटो होसोमी[b, c (VC)]	**मासाटो कांडा**	जापान
एकहार्ड डॉएचर	**रूडिगर फ़ॉन क्लाइस्ट**	जर्मनी
ऐलेक्स गिब्ज़[b]	**कैरोलाइन सार्जेन्ट**	यूनाइटेड किंगडम
पियेर दुक्वेन[a (C)]	**अलेक्सिस कोलर**[h]	फ्रांस
निर्वाचित		
जीनो आल्ज़ेत्ता[d (VC), e] (बेल्जियम)	**मेलीह नेम्ली** (तुर्की)	ऑस्ट्रिया, बेलारुस, बेल्जियम, चेक गणराज्य, हंगरी, कज़ाकिस्तान, लक्समबर्ग, स्लोवाक गणराज्य, स्लोवीनिया, तुर्की
खॉर्खे फ़ामिलियार[c, e, i] (मेक्सिको)	**होज़े आलेखांद्रो रोखास रामीरेज़**[h] (रेपुब्लिका बोलिवारियाना दे वेनेज़ुएला)	कोस्ता रीका, अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला, होंडुरास, मेक्सिको, निकारागुआ, स्पेन, (वेनेज़ुएला, रेपुब्लिका बोलिवारियाना दे)
हेर्मान वाइफ़ल्स[a, c, i] (नीदरलैंड)	**क्लाउडियू डोल्टू**[h] (रोमानिया)	आर्मीनिया, बॉस्निया और हरज़ेगोविना, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, जॉर्जिया, इजरायल, मैसिडोनिया (पूर्व नाम मैसिडोनिया युगोस्लाव गणराज्य), मॉल्डोवा, नीदरलैंड, रोमानिया, यूक्रेन
सैमी वाट्सन[b, c] (कनाडा)	**इश्मायल लाइटबोर्न** (द बहामाज़)	ऐंटिहुआ एवं बार्बूडा, द बहामाज़, बार्बेडोस, बेलीज़, कनाडा, डोमिनिका, ग्रेनाडा, गियाना, आयरलैंड, जमायका, सेंट किट्स एवं नेविस, सेंट लूशिया, सेंट विंसेन्ट एवं ग्रेनाडीन्स
रोखेरियो स्टूडार्ट[b] (ब्राज़ील)	**खॉर्खे उंबर्तो बोतेरा**[h] (कोलंबिया)	ब्राज़ील, कोलंबिया, डोमिनिकन गणराज्य, इक्वाडोर, हैती, पनामा, फ़िलिपीन्स, ट्रिनिडैड एवं टोबेगो
जोवान्नी माज्नोनी[a, c] (इटली)	**नूनो मोता पिंटो**[h] (पुर्तगाल)	अल्बानिया, यूनान, इटली, मॉल्टा, पुर्तगाल, सान मरीनो, तिमोर-लेस्ते
जून-क्युंग चोइ[a (VC), c] (कोरिया गणराज्य)	**टेरी ओ ब्रायन**[h] (ऑस्ट्रेलिया)	ऑस्ट्रेलिया, कंबोडिया, किरिबाटी, कोरिया (गणराज्य), मार्शल द्वीप, माइक्रोनीशिया (संघ राज्य), मंगोलिया, न्यूज़ीलैंड, पलाउ, पापुआ न्यू गिनी, समोआ, सोलोमन द्वीप, वानुआटू
धनेन्द्र कुमार[d, e (VC)] (भारत)	**ज़ाकिर अहमद खां**[h] (बंगलादेश)	बंगलादेश, भूटान, भारत, श्रीलंका
मुलु केत्सेला[a, c, i (C)] (इथियोपिया)	**माथीयास सिनामेन्ये** (बुरुंडी)	अंगोला, बोत्स्वाना, बुरुंडी, इथियोपिया, द गैम्बिया, केन्या, लेसोथो, लाइबीरिया, मलावी, मोज़ांबीक, नामीबिया, नाइजीरिया, सेशेल, सियरा लियोन, दक्षिण अफ़्रीका, सूदान, स्वाज़ीलैंड, तंज़ानिया, उगांडा, ज़ाम्बिया, ज़िंबाब्वे
स्वेन आस[e (C)] (नॉरवे)	**पौली कारिनियेमी**[h] (फ़िनलैंड)	डेनमार्क, एस्टोनिया, फ़िनलैंड, आइसलैंड, लात्विया, लिथुआनिया, नॉरवे, स्वीडन
शूजा शाह[b, d] (पाकिस्तान)	**सिद अहमद दिब** (अल्जीरिया)	अफ़ग़ानिस्तान, अल्जीरिया, घाना, ईरान (इस्लामी गणराज्य), मोरक्को, पाकिस्तान, ट्यूनीशिया
मिशेल मोर्दासीनी[b, d, f] (स्विट्ज़रलैंड)	**याकूब कार्नोस्की**[h] (पोलैंड)	आज़रबैजान, किर्गीज़ गणराज्य, पोलैंड, सर्बिया, स्विट्ज़रलैंड, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, उज़्बेकिस्तान
मेज़ार्ा हसन[a, e] (कुवैत)	**मोहम्मद कामेल अम्र** (मिस्र अरब गणराज्य)	बाहरैन, मिस्र (अरब गणराज्य), इराक, जॉर्डन, कुवैत, लेबनॉन, लीबिया, मालदीव, ओमन, कतार, सीरिया अरब गणराज्य, संयुक्त अरब अमीरात, यमन (गणराज्य)
झू जियायी[c (C)] (चीन)	**यांग जिनलिन** (चीन)	चीन
अब्दुलरेहमान म. अल्मोफ़हदी[a, d] (सऊदी अरब)	**अब्दुलहमीद अलखलीफ़ा** (सऊदी अरब)	सऊदी अरब
अलेक्से क्वासॉव[d (C)] (रूस परिसंघ)	**यूजीन मियाग्कॉव** (रूस परिसंघ)	रूस परिसंघ
मैट एरॉन डेरेमन[b, d] (मलेशिया)	**चुलारात सतीतहॉर्न**[h] (थाईलैण्ड)	ब्रूनाई दारुस्सलाम, फ़ीजी, इंडोनेशिया, लाओ लोकतांत्रिक गणराज्य, मलेशिया, म्यांमार, नेपाल, सिंगापुर, थाईलैण्ड, टौंगा, वियतनाम
फ़ेलिक्स आल्बेर्तो कामारासा[d, e] (अर्जेन्टीना)	**फ्रांसिस्को बेर्नास्कोनी**[h] (चिले)	अर्जेन्टीना, बोलीविया, चिले, पैराग्वे, पेरू, उरुग्वे
लुई फ़िलीप, ऑन्ग सेंग[b, e, f] (मॉरिशस)	**आगापीतो मेंडेस दियास**[h] (साओ तोमे एवं प्रिंसिपे)	बेनिन, बुर्कीना फ़ासो, कैमरून, केप वेर्डी, सेन्ट्रल अफ़्रीकी गणराज्य, चाड, कोमोरोस, कांगो (लोकतांत्रिक गणराज्य), कांगो (गणराज्य), कोत दीव्वार, जिबूती, इक्वेटोरियल गिनी, गाबॉन, गिनी, गिनी-बिसाउ, मैडागास्कर, माली, मॉरिटेनिया, मॉरिशस, नाइजर, रवांडा, साओ तोमे एवं प्रिंसिपे, सेनेगाल, टोगो

*केवल आईबीआरडी के सदस्य।

समितियां

a. लेखा-परीक्षण समिति
b. बजट समिति
c. विकास प्रभावकारिता समिति
d. कर्मी समिति
e. सुशासन और कार्यकारी निदेशकों के प्रशासकीय मामलों की समिति
f. पेंशन लाभ और प्रशासन समिति
g. पेंशन वित्त
h. सीओडीई उपसमिति (31/1/07 को गठित)
i. निष्ठा समिति (29/03/07 को गठित)

C = अध्यक्ष
VC = उपाध्यक्ष

कार्यकारी प्रबंधन, कार्यकारी निदेशकों, और स्टाफ का पारिश्रमिक

बेहद शिक्षित और योग्यताप्राप्त स्टाफ को भर्ती करने और बनाए रखने के लिए, अच्छे प्रदर्शन हेतु पुरस्कृत करने के लिए, और एक बहुराष्ट्रीय और अधिकांशतः विदेशी स्टाफ की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, विश्व बैंक समूह ने वेतन एवं लाभों की अंतर्राष्ट्रीय रूप से प्रतिस्पर्द्धी प्रणाली विकसित की है। कार्यकारी निदेशकों द्वारा वार्षिक रूप से बैंक समूह के स्टाफ के वेतन ढांचे की समीक्षा की जाती है और, यदि उपयुक्त हो, तो निजी वित्तीय एवं औद्योगिक फर्मों द्वारा और यू.एस. बाजार में सार्वजनिक क्षेत्र की प्रातिनिधिक एजेंसियों द्वारा दिए जाने वाले वेतन के साथ तुलना के आधार पर इसे समायोजित किया जाता है। नवीनतम तुलनात्मक वेतनों का विश्लेषण करने के बाद, बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2007 के लिए वेतन ढांचे में 3.5 प्रतिशत की औसत बढ़ोत्तरी को स्वीकृति दी, जो वाशिंगटन स्थित स्टाफ के लिए 1 जुलाई, 2006 से प्रभावी हुई।

कार्यकारी प्रबंधन

दिनांक 25 जून, 2007 को कार्यकारी निदेशकों ने रॉबर्ट बी. ज़ेलिक को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुन लिया, और वे 1 जुलाई, 2007 से कार्यभार संभालेंगे। उनका वार्षिक वेतन (कर रहित शुद्ध) 420,930* डॉलर है। दिनांक 30 जून, 2007 तक, विश्व बैंक समूह के कार्यकारी प्रबंधन के वार्षिक (कर रहित शुद्ध) वेतन इस प्रकार थे:

नाम एवं पद	वेतन ($)
पॉल, वुल्फ़ोवित्ज़, अध्यक्ष	407,880[a]
ग्रेएम व्हीलर, प्रबंध निदेशक	324,610
विन्सेंज़ो ला विया, मुख्य वित्त अधिकारी	324,610
लार्स थुनेल, कार्यकारी उपाध्यक्ष, आईएफसी	324,610
हुआन होज़े दाबूब, प्रबंध निदेशक	311,000
मरवान मुआशर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, बाह्य मामले	295,000
विनोद थॉमस, महानिदेशक, आईईजी	293,720
ऐना पैलासियो, वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा विश्व बैंक समूह की महाधिवक्ता	293,700
यूकीको ओमुरा, कार्यकारी उपाध्यक्ष, एमआईजीए	261,910

a. इसके अतिरिक्त, खर्चों को पूरा करने के लिए 73,010 डॉलर के अनुपूरक भत्ते का भुगतान किया जाता था। दिनांक 1 जुलाई, 2006 से प्रभावी, इस पारिश्रमिक को मई-मई उपभोक्ता मूल्य सूचकांक द्वारा वाशिंगटन मेट्रोपोलिटन क्षेत्र (4.2 प्रतिशत) के लिए समायोजित किया गया।

कार्यकारी निदेशक

कार्यकारी निदेशकों के पारिश्रमिक पर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की समिति की सिफारिश पर, गर्वनरों ने 1 जुलाई, 2006 से प्रभावी हुए कार्यकारी निदेशकों और उनके वैकल्पिकों के पारिश्रमिक को इस प्रकार करने की स्वीकृति प्रदान की: कार्यकारी निदेशकों का पारिश्रमिक 212,980 डॉलर (कर रहित शुद्ध); वैकल्पिक कार्यकारी निदेशकों का पारिश्रमिक 184,240 डॉलर (कर रहित शुद्ध)।**

स्टाफ का वेतन ढांचा (वाशिंगटन, डीसी)

दिनांक 1 जुलाई, 2006 से 30 जून, 2007 तक की अवधि के दौरान, विश्व बैंक समूह के स्टाफ के लिए वेतन ढांचा (कर रहित शुद्ध) इस प्रकार था:

ग्रेड	न्यूनतम ($)	बाजार संदर्भ ($)	अधिकतम ($)	प्रतिनिधि पद	ग्रेड लेवल पर स्टाफ (%)
A	23,290	30,270	39,340	कार्यालय सहायक	0.1
B	28,330	36,830	51,560	टीम सहायक, सूचना तकनीशियन	1.1
C	34,830	45,280	63,400	कार्यक्रम सहायक, सूचना सहायक	12.0
D	40,290	52,370	73,320	वरिष्ठ कार्यक्रम सहायक, सूचना विशेषज्ञ, बजट सहायक	9.4
E	53,920	70,090	98,120	विश्लेषक	10.1
F	71,910	93,480	130,870	पेशेवर	18.2
G	95,210	123,780	173,290	वरिष्ठ पेशेवर	29.2
H	132,390	172,120	232,360	प्रबंधक, प्रमुख पेशेवर	16.5
I	182,000	236,800	275,400	निदेशक, वरिष्ठ सलाहकार	2.8
J	236,040	264,360	304,020	उपाध्यक्ष	0.4
K	260,260	295,140	324,610	प्रबंध निदेशक, कार्यकारी उपाध्यक्ष	0.1

टिप्पणी: चूंकि, यू.एस. के नागरिकों के अलावा, विश्व बैंक समूह (डब्ल्यूबीजी) के स्टाफ को सामान्यतः अपने डब्ल्यूबीजी वेतन पर आयकर का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होती, इसलिए वेतनों को कर-रहित शुद्ध आय के आधार पर तय किया जाता है, जो सामान्यतः उन तुलनीय संगठनों और फर्मों के कर्मचारियों के कर-पश्चात वास्तविक वेतन के समकक्ष है जिनके आधार पर डब्ल्यूबीजी के वेतन तय किए जाते हैं। बहुत कम कर्मी ही ग्रेड लेवल पर वेतन के दायरे के ऊपरी तिहाई भाग तक पहुंचेंगे।

*खर्चों को पूरा करने के लिए 75,350 डॉलर के अनुपूरक भत्ते का भुगतान किया जाता है।

**ये आंकड़े यू.एस. कार्यकारी निदेशक और वैकल्पिक कार्यकारी निदेशक पर लागू नहीं होते, जो कि यू.एस. कांग्रेस वेतन मानदंडों के अधीन हैं।

वित्तीय वर्ष 2007 पर एक नज़र

वर्ष 1990 में विश्व बैंक द्वारा निर्धनता का मापन शुरू करने के बाद से पहली बार, अत्यधिक निर्धनता में जीवन-यापन करने वाले लोगों की संख्या अनुमानतः एक अरब से कम हो गई।

वित्तीय वर्ष 2007 में विश्व बैंक का कुल ऋणदान 24.7 अरब डॉलर था। इस राशि में ऋण, कर्ज, प्रत्याभूतियां, और अनुदान शामिल हैं, और यह वित्तीय वर्ष 2006 के कुल ऋणदान से 4 प्रतिशत ज्यादा था। अधिक विवरण के लिए, अध्याय 3 और संलग्न सीडी-रोम देखें।

- आईबीआरडी ने वित्तीय वर्ष 2007 में 112 परियोजनाओं के लिए 12.8 अरब डॉलर की वचनबद्धताएं दीं। ऋणदान की यह राशि वित्तीय वर्ष 2006 से 9 प्रतिशत कम है। अधिक विवरण के लिए, अध्याय 2 तथा 3 और संलग्न सीडी-रोम देखें।
- आईडीए ने वित्तीय वर्ष 2007 में 189 प्रचालनों के लिए 11.9 अरब डॉलर की वचनबद्धताएं दीं। ऋणदान की यह राशि वित्तीय वर्ष 2006 से 25 प्रतिशत अधिक है और आईडीए के लिए यह सर्वाधिक ऋणदान का एक रिकॉर्ड है। अधिक विवरण के लिए, अध्याय 2 तथा 3, और संलग्न सीडी-रोम देखें।
- अफ्रीका ने 5.8 अरब डॉलर का सर्वाधिक वित्तपोषण प्राप्त किया, जो इस क्षेत्र के लिए एक रिकॉर्ड है। अधिक विवरण के लिए, अध्याय 2 और संलग्न सीडी-रोम देखें।
- भारत 3.8 अरब डॉलर की वचनबद्धताओं के साथ, सबसे अधिक उधार लेने वाला देश था। कुल मिलाकर दक्षिण एशिया के लिए की गई वचनबद्धताएं वित्तीय वर्ष 2006 की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक थीं। अधिक विवरण के लिए, अध्याय 2 और संलग्न सीडी-रोम देखें।

बैंक ने वित्तीय वर्ष 2007 में 531 आर्थिक तथा सेक्टर कार्य और 430 तकनीकी सहायता (गैर-ऋणदान) उत्पाद प्रदान किए। अधिक विवरण के लिए, अध्याय 3 देखें।

गुणवत्ता आश्वासन समूह ने अपनी "पोर्टफोलियो प्रदर्शन पर वार्षिक रिपोर्ट" में यह पाया कि पूर्ण होने पर अच्छा प्रदर्शन करने वाली बैंक परियोजनाओं का हिस्सा वित्तीय वर्ष 2006 में 81 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो पिछले 25 वर्षों में कभी नहीं रहा। अधिक विवरण के लिए, अध्याय 3 देखें।

स्वतंत्र आकलन समूह ने 13 प्रमुख मूल्यांकन प्रस्तुत किए जिनमें परिवहन, अफ्रीका के उप-सहारा क्षेत्र में कृषि सहित विविध प्रकार की गतिविधियों में बैंक के प्रदर्शन की समीक्षा, *Annual Review of Development Effectiveness* (*विकास की प्रभावकारिता की वार्षिक समीक्षा*), और माली एवं यूक्रेन में देशीय सहायता कार्यक्रमों की समीक्षाएं शामिल हैं। अधिक विवरण के लिए, **www.worldbank.org/ieg** देखें।

दाता देशों एवं कर्ज लेने वाले देशों के प्रतिनिधियों, और अन्य बहुपक्षीय बैंकों के प्रेक्षकों ने आईडीए के पंद्रहवें पुनर्भरण पर चर्चा करने के लिए मार्च 2007 में पेरिस में, और फिर जून 2007 में मापूतो में बैठक की। अधिक विवरण के लिए, अध्याय 3 देखें।

कार्यकारी निदेशकों ने वित्तीय और निजी सेक्टरों के विकास; स्वास्थ्य, पोषण, और जनसंख्या; और सुशासन एवं भ्रष्टाचार निवारण के लिए नई रणनीतियां स्वीकृत कीं। अधिक विवरण के लिए, अध्याय 1 देखें।

नेतृत्व संबंधी एक संकट के कारण विश्व बैंक के अध्यक्ष पॉल डी. वुल्फोवित्ज़ ने इस्तीफा दे दिया, जो 30 जून 2007 से प्रभावी हुआ।

दिनांक 25 जून, 2007 को, कार्यकारी निदेशक मंडल ने सर्वसम्मति से रॉबर्ट बी. ज़ेलिक को अध्यक्ष चुन लिया, जिन्होंने 1 जुलाई, 2007 से अपना कार्यभार संभाला।

1 विश्वव्यापी निर्धनता पर ध्यान

बदलता परिवेश

विश्व बैंक के ग्राहक देशों के लिए यह एक उल्लेखनीय वर्ष रहा, और औसत प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 2006 में अनुमानित 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है, कि निरंतर वृद्धि की प्रवृत्तियां उभर रही हैं: विकासशील देशों में वार्षिक प्रति व्यक्ति जीडीपी वृद्धि 2000 से औसत 3.9 प्रतिशत रही है, और 16 अफ्रीकी देशों में—जहां क्षेत्र की एक तिहाई आबादी रहती है—पिछले दशक में 4.5 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि जारी है। इस वृद्धि से निर्धन लोगों को लाभ हुआ है, और 1990 से, जब बैंक ने निर्धनता का मापन शुरू किया, अत्यंत निर्धनता में जी रहे लोगों की संख्या पहली बार 1 अरब से कम हो गई है।

स्पष्ट हैं, विकासशील अर्थव्यवस्थाएं बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। यही समय है जबकि इस प्रदर्शन का साथ देते हुए सहायता बढ़ाई जाए। दाता देशों ने ऋण राहत के तौर पर अरबों डालर की वचनबद्धता दी है और आपात स्थितियों में उचित समय पर सहायता दी है, और इस तरह निर्धन देशों द्वारा विकास के अपने लक्ष्य अर्जित करने की क्षमता में महत्वपूर्ण योगदान किया है। और अधिक सहायता, ऋण तथा आपदा के बोझ को कम करने से आगे बढ़कर बेहतर प्रदर्शन करने वालों को आधारभूत संरचना, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अधिक निवेश करने में सक्षम बना सकती है।

बहुत-से निम्न आय वाले देशों में, विकास वित्त का परिदृश्य निजी पूंजी की अभूतपूर्व उपलब्धता से रूपांतरित हो गया है—हालांकि यह उपलब्धता अब भी असमान है, और निर्धनतम 51 देशों को 2006 में कुल निजी पूंजी का मात्र 8 प्रतिशत ही प्राप्त हुआ। इस बीच, पारंपरिक सहायता अब बहुत से दाताओं से प्राप्त होती है, जिनमें कुछ ऐसे देश शामिल हैं जो नए-नए ऋणदाता बने हैं, और कुछ अन्य, जैसे कि प्रतिष्ठान या यहां तक कि व्यक्ति, अत्यंत विशिष्ट लक्ष्यों के लिए सहायता देते हैं। कुल मिलाकर, ये उत्साहवर्द्धक चिह्न हैं, खासकर तब जबकि यह समर्थन राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से सीधे मेल खाता है।

यह रूपांतरण अंतर्राष्ट्रीय विकास संगठन (आईडीए) की महत्वपूर्ण संयोजनकारी भूमिका को रेखांकित करता है, जो अनेक निर्धन देशों में अंतर्राष्ट्रीय सहायता प्रणाली की नींव का काम करती है। आईडीए ऐसे देशों को भरोसेमंद सहायता समर्थन प्रदान करता है और अन्य दाताओं की सहायता को और लाभदायक बनाकर, सुसंगत तथा देशों के स्वामित्व वाले कार्यक्रमों तथा परियोजनाओं को बढ़ावा देता है। आईडीए के प्रयास सहायता प्रदाताओं और प्राप्तकर्ता देशों के बीच अधिक मजबूत साझेदारियां निर्मित करते हैं, जिसके परिणाम निर्धन लोगों के लिए बेहतर होते हैं।

आगामी वर्ष आईडीए के ग्राहकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा, क्योंकि दातागण आईडीए के पंद्रहवें पुनर्भरण के लिए अपनी वचनबद्धताओं की पुष्टि करेंगे। आईडीए15 जुलाई 2008 से जून 2011 तक विश्व के निर्धनतम देशों की सहायता के लिए संसाधन प्रदान करेगा—जो कि सहस्राब्दि विकास लक्ष्य (एमडीजी) प्राप्त करने के लिए प्रयासरत विकासशील देशों के लिए अत्यंत ही महत्वपूर्ण वर्ष हैं। विकास परियोजनाओं के मापने योग्य परिणाम सामने आने में जो लंबा समय लगता है, उसे देखते हुए आईडीए15 2015 तक एमडीजी प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति करने के विकासशील देशों के प्रयासों को समर्थन देने हेतु दाताओं के लिए अंतिम बड़ा अवसर हो सकता है।

मध्य आय वाले देशों के लिए, बाजार-आधारित वित्तपोषण और जोखिम—प्रबंधन उपकरणों की उपलब्धता में वित्तीय वर्ष 2007 में निरंतर सुधार होता रहा, क्योंकि ऋण लेने की उनकी लागतें कम होकर लगभग सार्वकालिक निम्न बिंदुओं तक पहुंच गईं। इन देशों को विकास के ऐसे साझेदारों की आवश्यकता हैं जो लचीले और प्रतिक्रियाशील हैं तथा जो वित्तपोषण, जोखिम-प्रबंधन और ऋण-संबर्द्धन उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं, जो कि जल्दी और लेन-देन की निम्नतर लागतों पर दिए जाते हैं। विश्व बैंक सहित अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों को ग्राहकों के रूप-रंग और दृष्टिकोण में ऐसे बदलावों और वैश्विक आर्थिक परिवेश में होने वाले सतत परिवर्तनों के अनुरूप स्वयं को ढालना होगा।

विश्व बैंक के साथ यह विशिष्ट स्थिति है कि उसे अपने लक्ष्य, यानि निर्धनता से मुक्त विश्व, के प्रति निष्ठावान रहते हुए इन परिवर्तनों के अनुसार स्वयं को ढालना होगा। बैंक तुलनात्मक लाभ के अपने क्षेत्रों, यानि सतत एवं समानतापूर्ण आर्थिक वृद्धि की दिशा में ग्राहक देशों के प्रयासों का समर्थन, पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रयास करता है। बैंक के समर्थन में ज्ञान-आधारित सेवाएं, वित्तीय सेवाएं और रणनीति तथा समन्वय सेवाएं

शामिल हैं। इसके अलावा, बैंक विश्व भर में, विकास समर्थक नीतियों को अपनाने की हिमायत करता है, खासकर व्यापार के संदर्भ में।

यह रिपोर्ट पिछले वित्तीय वर्ष में निर्धनता के विरुद्ध लड़ाई में की गई गतिविधियों पर दृष्टि डालती है। रिपोर्ट अफ्रीका पर विशेष ध्यान देती है और पांच अति महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती है जहां बैंक का स्पष्ट प्रभाव हो सकता है: स्वास्थ्य, शिक्षा एवं लैंगिकता; आधारभूत संरचना एवं स्वच्छ ऊर्जा; वित्तीय एवं निजी क्षेत्र का विकास; सुशासन और भ्रष्टाचार निवारण; और मध्य आय वाले देशों के लिए उसकी रणनीति में विकास।

स्वास्थ्य, शिक्षा और लैंगिकता

स्वास्थ्य, शिक्षा और लैंगिकता के क्षेत्रों में सुधार, बैंक के मिशन को पूरा करने के लिए मूलभूत रूप से महत्वपूर्ण हैं: आठ एमडीजी में से छह उन्हें संबोधित करते हैं, और इन तीनों के बीच जटिल अंतर्संबंध मौजूद हैं। इन क्षेत्रों में प्रगति के लिए सतर्कता आवश्यक है, खासकर अफ्रीका में, जहां ग्राहक देश की प्राथमिकताओं के अनुसार इनमें से प्रत्येक को बैंक समर्थन के लिए एक अग्रणी क्षेत्र के रूप में रेखांकित किया गया है।

स्वास्थ्य, पोषण और जनसंख्या

विश्व भर में, निर्धन लोगों को उच्च मृत्यु दरों, कुपोषण और प्रजनन संबंधी तथा अन्य बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं की सीमित उपलब्धता का सामना करना पड़ता है। साथ ही, बीमारी के कारण हर वर्ष दसियों लाख लोग निर्धनता में डूब जाते हैं। स्वास्थ्य की दशाएं अफ्रीका में विशेष रूप से बुरी हैं, जहां कोई भी देश बाल मृत्यु के सहस्राब्दि विकास लक्ष्य को पूरा करने की राह पर नहीं है।

हाल के वर्षों में स्वास्थ्य के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहायता में भारी वृद्धि हुई है, जिसमें से अधिकांश एचआईवी/एड्स (ह्यूमन इम्म्यूनोडिफ़िशेन्सी वायरस/अक्वायर्ड इम्म्यून डिफ़िशेन्सी सिंड्रोम), क्षय रोग (टी बी) और मलेरिया जैसे विशिष्ट रोगों पर लक्षित है। लेकिन, स्वास्थ्य प्रणालियों को समर्थन देने के लिए अपेक्षाकृत कम संसाधन प्रदान किए गए हैं, और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के लिए देशों की मदद करने हेतु दाताओं, एक-लक्षीय निधियों और अन्य स्रोतों को एक साथ लाने की स्थिति में कुछ ही संस्थान हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसके लिए विश्व बैंक दृढ़तापूर्वक वचनबद्ध है और जहां यह तुलनात्मक रूप से लाभ की स्थिति में है। स्वास्थ्य, पोषण और जनसंख्या (एचएनपी) के क्षेत्र में बैंक की अद्यतन की गई रणनीति, जिसपर अप्रैल 2007 में बोर्ड ने चर्चा की, स्वास्थ्य वित्तपोषण, स्वास्थ्य प्रणालियों और सेक्टर व्यापी निवेशों में बैंक के दीर्घकालिक अनुभव पर आधारित है (बॉक्स 1.1)। नई रणनीति के तहत, एचएनपी में ऋणदान अतीत की तुलना में परिणामों से और भी अधिक निकटता से जुड़ा होगा। बैंक स्वास्थ्य प्रणालियों और हस्तक्षेपों को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न सेक्टरों में काम करेगा और कर्ताओं के एक विविध समूह को शामिल करेगा, जो कि किसी

सहस्राब्दि विकास लक्ष्य

1. अत्यधिक निर्धनता और भूख का उन्मूलन
वर्ष 2015 तक अत्यधिक निर्धन लोगों की संख्या, और भूख से पीड़ित लोगों की संख्या को आधा करना।

2. सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा अर्जित करना
वर्ष 2015 तक यह सुनिश्चित करना कि सभी बच्चे प्राथमिक शिक्षा का पूर्ण पाठ्यक्रम पूरा कर सकेंगे।

3. लैंगिक समानता को प्रोत्साहन और महिलाओं का सशक्तिकरण
वर्ष 2005 तक प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में, और 2015 तक शिक्षा में सभी स्तरों पर लैंगिक असमानता समाप्त करना।

4. बाल मृत्यु कम करना
वर्ष 2015 तक पांच वर्ष से कम आयु की मृत्यु दर में दो-तिहाई कमी लाना।

5. माताओं के स्वास्थ्य में सुधार लाना
वर्ष 2015 तक माताओं की मृत्यु दर में तीन-चौथाई की कमी लाना।

6. एचआईवी/एड्स, मलेरिया और अन्य रोगों का मुकाबला
वर्ष 2015 तक एचआईवी/एड्स, मलेरिया और अन्य प्रमुख रोगों का फैलाव रोकना, और फैलाव में कमी लाने की शुरुआत करना।

7. पर्यावरणीय वहनीयता सुनिश्चित करना
वर्ष 2015 तक सुरक्षित पेय जल तक वहनीय पहुंच से वंचित लोगों का अनुपात आधा करना।

8. विकास की वैश्विक साझेदारी विकसित करना
एक खुली, नियम-आधारित, पूर्वानुमेय, भेदभाव-मुक्त व्यापारिक और वित्तीय प्रणाली को और विकसित करना।
(देखें **www.developmentgoals.org** और **www.un.org/millenniumgoals**.)

भी रोग के उपचार में सुधार और उसकी रोकथाम के लिए एक आवश्यक कदम है। बैंक बीमारी के कारण होने वाली निर्धनता को रोकने और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुशासन, जवाबदेही और पारदर्शिता में सुधार लाने के लिए भी काम करेगा।

स्वास्थ्य के लिए वित्तपोषण को लेकर, एचएनपी के लिए ऋणदान वित्तीय वर्ष 2007 में 1.83 अरब डॉलर तक पहुंच गया। वित्तीय वर्ष 2007 में स्वास्थ्य प्रणालियों का प्रदर्शन सबसे अहम विषय बन गया, और उसे 73.9 करोड़ डॉलर का ऋणदान प्राप्त हुआ। जनसंख्या और प्रजनन स्वास्थ्य परियोजनाओं को कुल 30.3 करोड़ डॉलर का समर्थन मिला, और एचआईवी/एड्स के उपचार और रोकथाम को 30 करोड़ डॉलर का।

बैंक अर्जेंटीना, घाना, मोज़ांबीक और तंज़ानिया जैसे देशों में स्वास्थ्य-संबंधी परियोजनाओं को लंबे समय से समर्थन देता आ रहा है, और इन देशों में अनेक प्रकार के ऋणदान दृष्टिकोण अपनाए गए हैं। संघर्ष-पश्चात देशों में भी बैंक की सहायता का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है (बॉक्स 1.2)। उदाहरण के लिए, अफगानिस्तान और तिमोर-लेस्ते में, सशस्त्र संघर्ष के परिणामस्वरूप स्वास्थ्य कर्मियों, आधारभूत संरचना और प्रबंधन क्षमता का भारी नुकसान हुआ है। इसके फलस्वरूप, इन देशों ने बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए नागरिक समाज संगठनों की सहायता ली। संघर्ष समाप्त होने के साथ ही, दोनों सरकारों ने निगरानी और अनुबंध के ठोस तरीकों का इस्तेमाल करते हुए सार्वजनिक और गैर-राजकीय स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को एकीकृत करने के लिए नई रणनीतियां विकसित कीं। एचएनपी और अन्य सेक्टरों के लिए बैंक का वित्तपोषण, तथा सार्वजनिक वित्तपोषण सुधारों के लिए उसके समर्थन ने सरकारों की ये रणनीतियां लागू करने में मदद की। अफगानिस्तान में, इसका तात्कालिक परिणाम यह हुआ कि लक्षित प्रांतों में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रयोग में चार गुना वृद्धि हुई है। तिमोर-लेस्ते में, स्वास्थ्य सेवाओं का औसत उपयोग प्रति व्यक्ति एक वार्षिक मुलाकात से बढ़कर कम से कम ढाई मुलाकात हो गया। खसरे का टीकाकरण 26 प्रतिशत बच्चों से बढ़कर 73 प्रतिशत हो गया, और जन्म के समय कुशल व्यक्ति की देखरेख 26 प्रतिशत से बढ़कर 41 प्रतिशत हो गई।

वित्तीय वर्ष 2007 में बैंक ने जो विश्लेषण कार्य और तकनीकी सहायता प्रदान की उसका अधिकांश स्वास्थ्य प्रणालियों से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित था। दो रिपोर्टें, *Health Financing Revisited (स्वास्थ्य वित्तपोषण पर एक और नजर)* और *Beyond Survival (केवल जीवित रहने से आगे भी कुछ)*, स्वास्थ्य के वित्तपोषण के संबंध में वैश्विक सबकों का सारांश प्रस्तुत करती हैं और देशों के सामने मौजूद विशिष्टि आर्थिक, राजनीतिक और संस्थागत स्थितियों पर आधारित नीतिगत सिफारिशें प्रस्तुत करती हैं।

बॉक्स 1.1 स्वस्थ विकासः स्वास्थ्य, पोषण और जनसंख्या के परिणाम अर्जित करने के लिए विश्व बैंक की रणनीति

स्वास्थ्य, पोषण और जनसंख्या के लिए विश्व बैंक की नई रणनीति विकासशील देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने और उन प्रणालियों तथा प्राथमिकता कार्यक्रमों (उदाहरण के लिए, एचआईवी/एड्स, मलेरिया, क्षय रोग, पोषण और प्रजनन संबंधी स्वास्थ्य पर केंद्रित कार्यक्रमों) के बीच साहचर्य को सुनिश्चित करने के लिए इन देशों की मदद करने पर सीधे लक्षित है। स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत बनाकर यह रणनीति, आर्थिक वृद्धि तेज करने, विपत्ति पैदा करने वाली बीमारी के कारण हुई निर्धनता कम करने, और ग्राहक देशों के भीतर अनेक स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों के बीच सुसंगति लाने पर लक्षित है।

यह रणनीति 9 ग्राहक देशों और 65 वैश्विक साझेदारों, जिनमें नागरिक समाज संगठन और द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय संगठन शामिल हैं, के साथ परामर्श की एक विस्तृत प्रक्रिया से होकर गुजरी है। इस प्रक्रिया से निम्नलिखित रणनीतिक उद्देश्य उभरकर सामने आए हैं:

- स्वास्थ्य–संबंधी एमडीजी के मापन और परिणामों में सुधार
- वित्तीय सुरक्षा में सुधार लाकर बीमारी के कारण होने वाली निर्धनता को रोकना
- अच्छे स्वास्थ्य और सुदृढ़ स्वास्थ्य प्रणाली नीति द्वारा आर्थिक वृद्धि में किए जा सकने वाले योगदान को समर्थन देना
- स्वास्थ्य क्षेत्र में सुशासन, जवाबदेही और पारदर्शिता में सुधार लाना

यह नई रणनीति धरातल पर परिणाम अर्जित करने और ग्राहक देशों में लोगों, खासकर निर्धन और आरक्षित लोगों के स्वास्थ्य की दशाओं में सुधार लाने के लिए बैंक की अटल वचनबद्धता को कायम रखती है। (देखें **www.worldbank.org/hnp**.)

शिक्षा

विश्व बैंक मध्य और निम्न आय वाले देशों में शिक्षा के सुधार के लिए बाह्य निवेश समर्थन का विश्व का सबसे बड़ा स्रोत है, और 1963 में इस क्षेत्र में ऋणदान आरंभ करने से लेकर अब तक शिक्षा के लिए लगभग 40 अरब डालर का ऋण और उधार दे चुका है। यह इस 44 वर्षीय अवधि के दौरान कुल ऋणदान का लगभग 7 प्रतिशत हैं। स्वास्थ्य के ही समान, बैंक के पास यह विशिष्ट क्षमता है कि वह राष्ट्रीय सरकारों, संयुक्त राष्ट्र (यूएन) एजेंसियों, द्विपक्षीय एजेंसियों, दाताओं, नागरिक समाज संगठनों, और अन्य हितधारकों से परामर्श कर सकता है और विकासशील देशों को उनके प्रयासों में समर्थन दे सकता है ताकि वे अपने सभी नागरिकों को शिक्षा प्रदान करके उन्हें अधिकार संपन्न बना सकें और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा दे सकें।

बॉक्स 1.2 त्वरित प्रत्युत्तर

बैंक ने हाल के वर्षों में आपात स्थितियों की बढ़ती संख्या पर प्रत्युत्तर दिया है। इसने देशों को प्राकृतिक आपदाओं से उबरने में मदद की है, जैसे 2004 में हिंद महासागर में सुनामी का प्रकोप और 2005 में पाकिस्तान में आया भूकंप; इसने संघर्ष-पश्चात स्थितियों में पुनर्निर्माण को समर्थन दिया है; इसने बर्ड फ्लू जैसी सार्वदेशिक बीमारियों का फैलाव रोकने में मदद की है; और इसने तेल के रिसाव जैसी मानव-निर्मित आपदाओं पर प्रत्युत्तर दिया है। स्वतंत्र मूल्यांकन समूह की 2006 की रिपोर्ट, *Hazards of Nature, Risks to Development (प्रकृति के खतरे, विकास के लिए जोखिम)* में कहा गया कि हालांकि अनेक सफलताएं मिली हैं, फिर भी बैंक का प्रत्युत्तर कई बार उतनी तेजी से और उतने प्रभावी ढंग से नहीं रहा है जितना आपात स्थितियों में आवश्यक होता है।

इन मुद्दों पर ध्यान देने के लिए, बोर्ड ने फरवरी 2007 में एक नए नीतिगत फ्रेमवर्क को स्वीकृति दी ताकि आपात और संकटपूर्ण स्थितियों में त्वरित प्रत्युत्तर दिया जा सके। नया फ्रेमवर्क *संकट* और *आपात स्थिति* शब्दों के दायरे में लाने वाली स्थितियों की व्यापक श्रृंखला को स्वीकार करने तथा आपात प्रचालनों में प्रक्रियाओं और आवश्यकताओं को सरल बनाने के द्वारा बैंक को अधिक तेजी के साथ काम करने में सक्षम बनाता है। नया फ्रेमवर्क बहाली की आरंभिक (और अक्सर अतिमहत्वपूर्ण) अवस्थाओं में सामने आने वाली सीमाओं पर ध्यान देता है और एक ऐसा आधार निर्मित करता है जिस पर बैंक संकट और आपदा के जोखिम की इन स्थितियों को ही कम करने के लिए इन देशों के साथ काम कर सकता है।

नई नीति के क्रियान्वयन को समर्थन देने के लिए, बैंक ने पूरे संस्थान से आपातकालीन काम का अनुभव रखने वाले कर्मचारियों को लिया। जैसे ही नया नीतिगत फ्रेमवर्क प्रभाव में आया, कार्य दलों ने इसे क्रियान्वित करना शुरू कर दिया। नई नीति को पहले आसन्न संकटों पर लागू किया गया। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में आपातकालीन सामाजिक एवं नगरीय पुनर्वास परियोजना नई नीति के तहत स्वीकृत पहली परियोजना थी। परियोजना उस देश में संकट के बढ़ते जोखिम को संबोधित करती है। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2007 में नई नीति के अंतर्गत चार अन्य परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई।

वैश्विक स्तर पर, बैंक संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर संकटों और आपात स्थितियों के दौरान विश्व बैंक-संयुक्त राष्ट्र सहयोग को सुगम बनाने के लिए एक ढांचागत न्यासी समझौते पर काम कर रहा है। इसके अतिरिक्त, उच्च जोखिम वाले देशों में आपदा के जोखिम को कम करने के प्रयास के भाग के तौर पर, बैंक ने अन्य दाताओं और संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर Global Facility for Disaster Reduction and Recovery (आपदा न्यूनीकरण और बहाली हेतु वैश्विक सुविधा) की रचना की है, जो आपदा का जोखिम कम करने वाली रणनीतियां विकसित तथा क्रियान्वित करने में देशों की मदद करेगी और पुनर्निर्माण के लिए धन उपलब्ध कराएगी। (देखें **www.worldbank.org/hazards**.)

वित्तीय वर्ष 2007 में शिक्षा के लिए ऋणदान 2 अरब डॉलर तक पहुंच गया। बैंक ने लगभग 1.6 अरब डॉलर आईडीए द्वारा वित्तपोषण के रूप में दिया, जो अब तक का सर्वाधिक है। अफ्रीका को सहायता—जो पिछले पांच वर्षों के दौरान लगातार कम होते हुए वित्तीय वर्ष 2006 में 33.9 करोड़ डॉलर के न्यूनतम बिंदु तक पहुंच गई थी—वित्तीय वर्ष 2007 में 70.7 करोड़ डॉलर तक पहुंच गई, जो कि लगभग पूरी तरह आईडीए द्वारा दी गई।

बैंक ने वित्तीय वर्ष 2007 में 28 शिक्षा परियोजनाओं को स्वीकृति दी। इनमें भारत में व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा के लिए 28 करोड़ डॉलर; नाइजीरिया में प्राथमिक स्कूलों की उपलब्धता और शिक्षा बढ़ाने तथा उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने पर लक्षित दो परियोजनाओं के लिए लगभग 25 करोड़ डॉलर; कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में शिक्षा के लिए संकट-पश्चात समर्थन हेतु 15 करोड़ डॉलर; और केन्या में शिक्षा के विकेंद्रीकरण कें लिए 8 करोड़ डॉलर।

चूंकि व्यापक रूप से साझा वृद्धि में शिक्षा की भूमिका जटिल और सर्वव्यापी होती है, इसलिए वित्तीय वर्ष 2007 में स्वीकृत 79 निवेश परियोजनाओं या विकास नीति परिचालनों में शिक्षा के समर्थन हेतु वित्तपोषण शामिल है। इसी कारण से, शिक्षा के प्रति बैंक के रवैये में अक्सर शिक्षा के बाहर की ऐसी समस्याओं पर ध्यान देना शामिल रहा है हो उस क्षेत्र के विकास को बाधित करती हैं। स्कूल के शुल्कों को कम या समाप्त करना, स्कूलों में एचआईवी/एड्स पर ध्यान देना और निर्णय लेने तथा वित्तपोषण में स्कूलों और अभिभावकों को शमिल करना सुधार की ऐसी प्राथमिकताओं के उदाहरण हैं जिनके लिए एक अंतर-व्यापी दृष्टिकोण आवश्यक होता है।

सात निम्न आय वाले देशों—बेनिन, कंबोडिया, माली, मोरितानिया, मंगोलिया, मोजांबीक और सियारा लिओन—को वित्तीय वर्ष 2007 में Education for All Fast-Track Initiative (सबके लिए शिक्षा फास्ट-ट्रैक इनीशिएटिव यानि एफटीआई) के अंर्तगत कुल 26.5 करोड़ डॉलर का अनुदान समर्थन प्राप्त हुआ। एफटीआई दाता और विकासशील देशों के बीच एक वैश्विक साझेदारी है जो ठोस शिक्षा योजनाओं वाले देशों को बढ़ी हुई, बेहतर समन्वित और अधिक प्रभावी सहायता प्रदान करने में मदद करती है।

बॉक्स 1.3 बुर्किना फासो में 550,000 अधिक बच्चों को प्राथमिक स्कूल में दाखिल कराना

बुर्किना फासो में प्राथमिक स्कूलों में दाखिले की दर 1990 के दशक में विश्व में सबसे कम में से एक थी। ग्रामीण क्षेत्रों में दाखिला बहुत ही कम था जहां स्कूल की दूरी, स्कूली शिक्षा की ऊंचीं लागत, और पारिवारिक आय में उल्लेखनीय योगदान करने वाले बच्चों वाले निर्धन परिवारों के लिए ऊंची अवसर लागतों के कारण बच्चों, खासकर लड़कियों, को घर पर रखा जाता था।

इस समस्या पर ध्यान देने के लिए, आईडीए ने सरकार के 10 वर्षीय बुनियादी शिक्षा कार्यक्रम के समर्थन हेतु 11 करोड़ डॉलर के कार्यक्रम में 3.26 करोड़ डॉलर का अंशदान किया। इतने ही महत्वपूर्ण रूप से, उसने एक फ्रेमवर्क प्रदान किया जिसने सभी साझेदारों—बेल्जियम, कनाडा, डेनमार्क, यूरोपीय कमीशन, फ्रांस, नीदरलेंड, स्वीडन यूनिसेफ और गैर-सरकारी संगठनों—से मिलने वाले समर्थन को एक साझा निधि के जरिए एकीकृत किया जिससे परियोजना के संसाधनों का कारगर आवंटन संभव हो सका।

वित्तीय वर्ष 2007 में कार्यक्रम के पूरे हुए पहले चरण कें अंतर्गत, स्कूलों के निर्माण और बहाली तथा उपकरणों और सुविधाओं के लिए वित्तपोषण के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा की उपलब्धता में सुधार लाया गया। इस चरण ने पाठयक्रम विकास, शिक्षक प्रशिक्षण और बुनियादी शिक्षा मंत्रालय के भीतर क्षमता निर्माण को भी समर्थन दिया, जिसमें वित्तीय प्रबंधन, बजट निर्माण, सरकारी वसूली, निगरानी, मूल्यांकन और दाताओं के साथ समन्वय पर विशेष ध्यान दिया गया।

कार्यक्रम के परिणामस्वरूप, तब से 550,000 अतिरिक्त बच्चे प्राथमिक स्कूलों में दाखिल किए गए हैं। देश भर में सकल दाखिला दर बढ़कर 2006 में 62 प्रतिशत (लड़कियों के लिए 55 प्रतिशत) हो गई, जो 2000 में 42 प्रतिशत (लड़कियों के लिए 36 प्रतिशत) से अधिक है। सबसे अधिक वंचित 20 प्रांतों में दाखिला इसी अवधि के दौरान 30 प्रतिशत (लड़कियों के लिए 24 प्रतिशत) से बढ़कर 47 प्रतिशत (लड़कियों के लिए 41 प्रतिशत) हो गया।

आईडीए सरकार के 10 वर्षीय कार्यक्रम को समर्थन देता रहेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सुधार के लिए तैयार की गई बुनियाद समय के साथ और मजबूत हो। माध्यमिक शिक्षा में उपलब्धता और समानता पर ध्यान देने के लिए एक प्राथमिकोत्तर शिक्षा परियोजना, जो वर्तमान प्रचालन के आधार पर निर्मित है, क्रियान्वित की जा रही है। (देखें **www.worldbank.org/burkinafaso**.)

ये अनुदान एफटीआई उत्प्रेरक निधि के अंतर्गत दिए गए, जो कि बैंक द्वारा प्रबंधित एक बहुदाता न्यासी निधि है जो ऐसे देशों को संक्रमणशील वित्तीय सहायता प्रदान करती है जिनकी शिक्षा क्षेत्र की योजनाओं को एफटीआई प्रक्रिया के तहत अनुमोदित किया गया है, लेकिन जिन्हें पर्याप्त बाह्य वित्तपोषण जुटाने में कठिनाई हो रही है। अब तक इकतीस देशों को एफटीआई द्वारा अनुमोदित किया गया है।

वित्तीय वर्ष 2007 में अन्य उत्साहवर्द्धक परिणाम भी देखने को मिले। विश्व भर में, स्कूल से बाहर रह गए प्राथमिक स्कूल की उम्र वाले बच्चों की संख्या 2000 में लगभग 10 करोड़ से कम होकर 2006 में अनुमानित 7.7 करोड़ हो गई, और प्राथमिक स्कूलों में लड़कों के मुकाबले लड़कियों का अनुपात कई देशों में तेजी से बढ़ रहा है (बॉक्स 1.3)। दाखिलों में सबसे अधिक बढ़ोत्तरी दक्षिण एशिया में हुई है। बंगलादेश में प्राथमिक स्कूलों में दाखिले की सकल दर बढ़कर लगभग 100 प्रतिशत हो गई है और यह स्कूली दाखिले में लैंगिक समानता के एमडीजी को पूरा कर चुका है। ये आशाजनक चिह्न बताते हैं कि भूमंडलीकरण उन देशों में साझा वृद्धि के समर्थन के लिए कारगर हो सकता है जो शिक्षा में निवेश करना जारी रखते हैं।

निवेश समर्थन के अलावा, बैंक क्षेत्रवार विश्लेषणों और अंतर-व्यापी विश्लेषणात्मक रिपोर्टें तैयार करना जारी रखे हुए हैं जो स्थानीय जागरूकता को बढ़ाती है और वैश्विक ज्ञान में इजाफा करती हैं। वित्तीय वर्ष 2007 में शिक्षा क्षेत्र के 30 से अधिक आलेख या रणनीतिक दस्तावेज तैयार किए गए, और अनेक निर्धनता न्यूनीकरण रणनीति आलेखों में शिक्षा के प्रश्न को संबोधित किया गया। सरकारी समकक्षों और गैर-सरकारी कर्ताओं से मिला फीडबैक बताता है कि बैंक का नीतिगत सलाह और वैश्विक ज्ञान आधार कम से कम उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि उसका वित्तीय समर्थन।

वित्तीय वर्ष 2008 और उसके बाद शिक्षा में प्रयासों को दोगुना करने की आवश्यकता होगी। स्वतंत्र मूल्यांकन समूह (आईईजी) के वित्तीय वर्ष 2007 के एक विश्लेषण के अनुसार, आईडीए-अर्हता प्राप्त 81 देशों में से केवल 25 ने 2015 तक सभी बच्चों को प्राथमिक स्कूल में दाखिल करने (दूसरा एमडीजी) का लक्ष्य प्राप्त किया है या इसकी ओर अग्रसर हैं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बैंक का समर्थन, जिसमें अंतर-एजेंसी एफटीआई के जरिए सर्मथन शामिल हैं, ने मुख्य रूप से उपलब्धता बढ़ाने पर बल दिया है। हालांकि बैंक दाखिले और उपलब्धता बढ़ाने में व्यापक रूप से सफल रहा, लेकिन विद्यार्थियों के पढ़ाई छोड़ देने और शैक्षिक परिणाम संबंधी समस्याएं बनी रही हैं। आईईजी ने सिफारिश की है कि भविष्य में बैंक के समर्थन में शैक्षिक परिणामों और प्रणाली प्रबंधन तथा सुशासन में सुधार पर जोर बढ़ाया जाए तथा इस पहलकदमी को नई दिशा देने के लिए बैंक एफटीआई साझेदारों के साथ मिलकर काम करे। उस मूल्यांकन के बाद से, शैक्षिक परिणामों पर ध्यान देने के लिए सभी नई प्राथमिक शिक्षा परियोजनाओं की समीक्षा की गई है; विश्लेषण, प्रशिक्षण और नीतिगत संवाद के कार्यक्रमों को शैक्षिक परिणामों तथा आकलन की विषयवस्तु के ईद-गिर्द संगठित किया गया है; और बैंक ने शैक्षिक परिणामों को योजना का अंग बनाने मे अपने एफटीआई साझेदारों को शामिल किया है। शैक्षिक परिणामों को मापने तथा उन्हें स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों की कसौटी पर परखने से देशों को वैश्विक अर्थव्यवस्था से जोड़ने में सहायता मिलेगी। (देखें **www.worldbank.org/education**.)

लैंगिक समानता

लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने में बैंक तुलनात्मक रूप से अत्यंत लाभकारी स्थिति में हैं। अपनी विश्लेषणात्मक क्षमता के कारण लैंगिक समानता को व्यावसायिक दृष्टि से लाभकारी सिद्ध करने और लैंगिक समानता किस प्रकार साझा वृद्धि को तेज कर सकती है, इसके दस्तावेजीकरण के लिए बैंक एक अच्छी स्थिति में है। प्रचालन की दृष्टि से बैंक के ऋणदान के व्यापक क्षेत्रवार दायरे के कारण यह लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा से लेकर वित्तीय बाजारों और आधारभूत संरचना तक अनेक रास्तों का लाभ उठा सकता है।

वित्तीय वर्ष 2007 के दौरान, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए बैंक ने एक कार्य योजना अपनाई। सभी विकसशील क्षेत्रों में "Gender Equality as Smart Economics" (लैंगिक समानता में आर्थिक चतुराई है) नामक इस योजना के प्रचालन आरंभ किए गए। इन प्रचालनों में महिला उत्पादकों की उत्पादकता और आय को बढ़ाने में सहायता देने के लिए कृषि, निजी क्षेत्र का विकास, वित्तीय सेवाएं, और आधारभूत संरचना निर्मित करने पर लक्षित नई गतिविधियां शामिल थीं।

तंजानिया में, जहां महिलाओं को वित्तीय सेवाओं तक बहुत कम पहुंच हासिल है, इस योजना ने एक स्थानीय बैंक के जरिए महिलाओं के लिए व्यावसायिक ऋण की एक व्यवस्था स्थापित की है। यह कार्यक्रम महिलाओं को उनकी "बैंकयोग्यता" बढ़ाने के लिए प्रशिक्षित कर रहा है, और यह महिलाओं के लिए ऋण की उपलब्धता बेहतर बनाने में नियामक सुधारों का समर्थन कर रहा है। यह परियोजना, और लैंगिक कार्य योजना के अंतर्गत अन्य योजनाएं, अच्छी गुणवत्ता के रोजगार तक महिलाओं के संक्रमण को सुगम बना सकती है; कृषि व्यवसाय शुरू करने और उच्च मूल्य वाली कृषि में लगने वाली महिलाओं की संख्या बढ़ा सकती है; और महिलाओं के लिए आवश्यक आधारभूत सेवाओं, खासकर यातायात, पानी और उर्जा की उपलब्धता को बढ़ा सकती हैं।

अफ्रीका के लिए बहुदेशीय एड्स परियोजना ने इस सार्वदेशिक महामारी के अपने प्रत्युत्तर में लैंगिक गतिकी को संबोधित करने पर विशेष ध्यान दिया है। चाड में, आईडीए महिलाओं के लिए शिक्षा और आय पैदा करने वाली गतिविधियों को समर्थन देने के जरिए एचआईवी/एड्स के संचरण और उनके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को कम करने के लिए एक परियोजना हेतु धन प्रदान करता है। रवांडा में, आईडीए ने 5,000 निर्धन ग्रामीण लोगों, जिनमें अधिकतर महिलाएं हैं, के लिए एंटीरेट्रोवायरल देखरेख उपलब्ध कराने हेतु वित्तपोषण दिया है। आम तौर पर अफ्रीका में, आईडीए ने 15 लाख से अधिक महिलाओं के लिए मां से बच्चे को होने वाले एचआईवी के संचरण की रोकथाम सेवाओं हेतु वित्तपोषण दिया है और 1.3 अरब पुरुष तथा 40 लाख महिला कंडोम के वितरण में मदद की है।

बैंक की *Global Monitoring Report 2007* (*वैश्विक निगरानी रिपोर्ट 2007*) लैंगिक समानता पर, तथा संबंधित आधिकारिक एमडीजी प्राप्त करने में सदस्य देशों की प्रगति पर केंद्रित थी। रिपोर्ट ने कमियों को चिह्नित किया और लैंगिक समानता की निगरानी सुदृढ़ करने के लिए संपूरक संकेतकों को एक सेट विकसित किया।

कनाडा, डेनमार्क, जर्मनी, नार्वे, स्वीडन, और यूनाइटेड किंगडम की सरकारों से मिलने वाला वित्तीय समर्थन बैंक के सामान्य कामकाज में लैंगिक मुद्दों को शामिल करने में नवोन्मेष को प्रोत्साहित कर रहा है। (देखें **www.worldbank.org/genderequality**.)

आधारभूत संरचना और स्वच्छ ऊर्जा

आधारभूत संरचना

विकासशील देशों में आधारभूत संरचना में सुधार निर्धनता कम करने, वृद्धि और एमडीजी को पूरा करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। विकासशील देशों के नेता अक्सर कहते हैं कि उन्हें न केवल अधिक तथा बेहतर आधारभूत संरचनाओं की आवश्यकता है बल्कि ऐसी आधारभूत संरचना की आवश्यकता है जो पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित, सामाजिक दृष्टि से स्वीकार्य और वित्तीय दृष्टि से वहनीय हो।

आधारभूत संरचना कार्य योजना के अंतर्गत उपलब्ध निवेश के बढ़े हुए अवसरों के आधार पर, और विश्व भर में आधारभूत संरचना कार्यों से अपने दीर्घकालिक जुड़ाव के दौरान सीखे गए सबकों को शामिल करते हुए, विश्व बैंक इस क्षेत्र में विकासशील देशों के साथ काम करने में अग्रणी बना हुआ

है। यह उन्हें बुनियादी वहनीय आधारभूत संरचना क्षमता और स्थायी निर्धनता न्यूनीकरण की ओर ले जाने वाली आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में मदद करता है।

वित्तीय वर्ष 2007 में बैंक ने आधारभूत संरचना से संबंधित वचनबद्धताएं बढ़ाकर 9.9 अरब डॉलर कर दीं, जो पिछले वर्ष से 24 प्रतिशत अधिक है। यातायात का हिस्सा अब भी सबसे बड़ा था, जिसमें 4.9 अरब डॉलर का ऋणदान (कुल का 50 प्रतिशत) किया गया, जिसके बाद पानी और साफ-सफाई के लिए 3.1 अरब डॉलर (कुल का 31 प्रतिशत) की नई वचनबद्धताओं का स्थान है।

बैंक आधारभूत संरचना सेवाओं की एक व्यापक श्रृंखला से जुड़ी गतिविधियों को समर्थन देता है जिनमें ऊर्जा, यातायात, जल आपूर्ति और साफ-सफाई, नगरीय सेवाएं, भू-उपयोग प्रबंधन और सूचना व संचार प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। पिछले वर्ष में इसकी भागीदारी का एक प्रमुख क्षेत्र स्वच्छ ऊर्जा में निवेश को बढ़ावा देना रहा है ताकि पृथ्वी का तापमान बढ़ने और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरों से निपटने में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की सहायता की जा सके (देखें "स्वच्छ ऊर्जा", नीचे, और बॉक्स 1.4)।

बैंक निवेश परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता देता है; दाताओं और निजी क्षेत्र से वित्तपोषण को और प्रभावी बनाता है; और नीतिगत संवाद में शामिल होता है तथा सेक्टर संबंधी सुधारों पर परामर्श देता है। ऐसा करते हुए वह संस्थाएं निर्मित करने और उन्हें मजबूत बनाने के लिए देशीय साझेदारों के साथ मिलकर काम करता है। बैंक का आधारभूत संरचना एजेंडा अफ्रीका के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है, जहां 30 करोड़ लोग बेहतर जल स्रोतों तक पहुंच से वंचित हैं, 45 करोड़ लोग पर्याप्त साफ-सफाई सेवाओं से वंचित हैं और यातायात के खर्चे विश्व में सबसे अधिक में गिने जाते हैं।

ऋणदान में निरंतर वृद्धि के साथ ही एक सांगठनिक पुनर्गठन भी किया गया जिसके बाद बैंक के भीतर आधारभूत संरचना इकाइयों को पर्यावरण,

बॉक्स 1.4 केन्या में जलवायु परिवर्तन के जोखिम पर ध्यान

केन्या में सूखा और बाढ़ से प्रभावित होने वाले लोगों की संख्या हर दशक में दोगुनी हो जाती है। ऐसे जलवायु आघातों के असर से निपटने में निर्धन लोगों की सहायता करने के लिए, आईडीए ने बंजर भूमि संसाधन प्रबंधन कार्यक्रम के दो चरणों को वित्तपोषित किया। यह कार्यक्रम जलवायु परिवर्तनशीलता के अल्पकालिक प्रभावों को संबोधित करने में सफल रहा है और अब जलवायु परिवर्तन के दीर्घकालिक प्रभावों को संबोधित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

जलवायु के मॉडल इस शताब्दी के अंत तक केन्या में औसत वार्षिक तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक की उल्लेखनीय वृद्धि प्रक्षेपित करते हैं। हालांकि औसत वर्षा में बदलावों को लेकर अनिश्चितताएं बनी हुई हैं, पर प्रक्षेपण स्पष्टतः सूखे और भारी वर्षा की घटनाओं दोनों के बढ़ते हुए जोखिम को इंगित करते हैं। इस जोखिम को देखते हुए, आईडीए ने वित्तीय वर्ष 2007 में 6 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त वित्तपोषण प्रदान किया ताकि जलवायु परिवर्तनशीलता को संबोधित करने के सरकार के प्रयासों को और गहरा तथा व्यापक बनाया जा सके, तथा वैश्विक पर्यावरण सुविधा इन जोखिमों से निपटने के लिए वित्तीय वर्ष 2008 में 50 लाख डॉलर का अतिरिक्त अंशदान कर रही है। अगले चरण का लक्ष्य है सूचना प्रवाहों और विश्लेषण क्षमता में सुधार लाकर जलवायु परिवर्तन के लिए योजना बनाने की संस्थागत क्षमता बढ़ाना; उपयुक्त निवेश के लिए प्रोत्साहनों के जरिए सार्वजनिक और निजी निवेश को बढ़ावा देना; और समुदाय-आधारित सूक्ष्म परियोजनाओं के जरिए वैकल्पिक आजीविका विकल्पों का आरंभ तथा प्रदर्शन करने के द्वारा स्थितियों से निपटने की समुदाय की क्षमता को बढ़ाना। (देखें **www.worldbank.org/kenya.**)

कृषि एवं ग्रामीण विकास, और सामाजिक विकास पर काम करने वाली इकाइयों के साथ एकीकृत किया गया। इसके परिणामस्वरूप एक सुदृढ़ वहनीय विकास उपाध्यक्ष कार्यालय का गठन हुआ जिसे यह सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा गया कि बैंक के आधारभूत संरचना कार्यक्रम ऐसे पर्यावरणीय और सामाजिक रूप से वहनीय कार्यक्रम तैयार करें जिनकी देशों को आवश्यकता है और जिसके लिए वे अनुरोध करते हैं।

भूतपूर्व आधारभूत संरचना इकाई द्वारा तैयार की गई एक रिपोर्ट–*Infrastructure at the Crossroads: Lessons from 20 Years of World Bank Experience (चौराहे पर आधारभूत संरचना: विश्व बैंक के 20 वर्ष के अनुभव के सबक)*–में विकास के किन्हीं विपरीत प्रभावों को कम करने के लिए परियोजना चिह्नित करने, तैयारी करने, आकलन और पर्यवेक्षण, तथा पर्याप्त संसाधन आवंटित करने के साथ, पर्यावरणीय और सामाजिक आयामों को एकीकृत करने के महत्व पर विचार करते हुए इस एकीकरण की पूर्वपीठिका प्रस्तुत की गई।

आईईजी वित्तीय वर्ष 2007 में आधारभूत संरचना के क्षेत्र में बैंक के कार्य की सक्रियतापूर्वक समीक्षा करता रहा है। यातायात क्षेत्र को बैंक की सहायता के हाल में आईईजी द्वारा किए गए एक मूल्यांकन का निष्कर्ष था कि अतीत का प्रदर्शन आम तौर पर कारगर रहा है लेकिन शहरीकरण और भूमंडलीकरण के बढ़ते प्रभाव के कारण ग्रामीण और अंतर-नगरीय सड़कों पर दिया गया ध्यान अपर्याप्त है। नगरीय यातायात की भीड़-भाड़, वाहनों से होने वाले उत्सर्जन और दुर्घटनाओं में कमी लाने पर और अधिक बल दिया जाना चाहिए। आईईजी ने कृषि हेतु जल के प्रबंधन पर भी विचार किया। बढ़ती आबादियों को खाद्यान्न मुहैया करने और सीमित जल संसाधनों के लिए नगरीय क्षेत्रों से प्रतिस्पर्द्धा के प्रबंधन के लिए प्रभावी प्रबंधन आवश्यक है। आईईजी ने जल की क्षेत्रीय कमी के संकट को कम करने में कृषि नीति और व्यापार की भूमिका पर अधिक ध्यान देने का आह्वान किया, और बैंक को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया कि वह निर्धनता न्यूनीकरण, रोजगार तथा स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर कृषि जल के ठोस प्रबंधन के प्रभाव को दर्शाए। (देखें **www.worldbank.org/infrastructure.**)

स्वच्छ ऊर्जा

विकासशील देशों में सुरक्षित, आधुनिक और कम खर्चीली ऊर्जा की उपलब्धता बढ़ाना और यह सुनिश्चित करना कि यह ऊर्जा अधिकतम संभव स्वच्छ हो, बैंक के लिए सक्रियता का एक प्रमुख और बढ़ता हुआ क्षेत्र है। पूरे विकासशील विश्व में काम करने की वित्तीय, तकनीकी और मानवीय क्षमता से युक्त एक अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय संगठन के रूप में बैंक वहनीय विकास के लिए स्वच्छ ऊर्जा के प्रयोग को तेज करने में देशों की सहायता करने की दृष्टि से विशिष्टि स्थिति में है। बैंक ने 2004 में अपने लिए यह लक्ष्य निर्धारित किया था कि वित्तीय वर्ष 2005 और 2009 के बीच ऊर्जा कुशलता और नई अक्षय ऊर्जा के लिए अपने वार्षिक निवेश में औसतन 20 प्रतिशत की वृद्धि करेगा, और यह इस लक्ष्य को निरंतर पार करता रहा है। नई अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा कुशलता के लिए की गई वचनबद्धताओं के पहले दो वर्षों के दौरान, कुल मिलाकर 1.13 अरब डॉलर का निवेश किया गया, जो कि 55.2 करोड़ डॉलर के दो-वर्षीय लक्ष्य का दोगुना था।

इसके अलावा, बैंक एक स्वच्छ ऊर्जा निवेश फ्रेमवर्क विकसित कर रहा है, जो तीन अंतर्संबंधित मुद्दों को संबोधित करता है: ऐसे निवेशों को तेज करना जो विकास के लिए स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति बढ़ाने में मदद करे, तथा निर्धन लोगों, खासकर अफ्रीका में, के लिए कम खर्चीली ऊर्जा की उपलब्धता सुधारने में मदद करे; निम्न-कार्बन अर्थव्यवस्था में संक्रमण को बढ़ावा देना; और जलवायु परिवर्तनशीलता तथा परिर्वतन के अपरिहार्य प्रभाव के अनुसार बदलने में विकासशील देशों की सहायता करना।

सभी स्रोतों–बैंक समूह, द कार्बन फाइनेंस यूनिट और वैश्विक पर्यावरण सुविधा सहित–से मिलने वाला कुल ऊर्जा समर्थन वित्तीय वर्ष 2006 में शुरू हो रही तीन वर्ष की अवधि में 10 अरब डॉलर पार कर जाने का अनुमान है, जो पिछले तीन वर्षों के दौरान मिले 7 अरब डॉलर से अधिक है। इसके अलावा, स्वच्छ ऊर्जा निवेश फ्रेमवर्क के समर्थन में एक कार्य योजना अफ्रीकी योजनाओं के विस्तार को प्रोत्साहन देगी जिनका लक्ष्य आधुनिक ऊर्जा की उपलब्धता वाले परिवारों की संख्या को आज के 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 2015 तक 35 प्रतिशत और 2030 तक 47 प्रतिशत करना है। योजना का लक्ष्य विश्लेषणात्मक, ज्ञान आधारित और निवेश समर्थन बढ़ाकर निम्न-कार्बन अर्थव्यवस्था में संक्रमण को भी समर्थन देना है–खासकर ब्राजील, चीन, भारत, मेक्सिको और दक्षिण अफ्रीका में। योजना चाहती है कि वह विश्लेषणात्मक कार्य तथा जोखिम प्रबंधन उपकरणों और अन्य उपकरणों एवं पद्धतियों के विकास में मदद कर, जलवायु परिवर्तनशीलता और परिवर्तन के अनुसार बदलने में देशों की सहायता भी करे। लक्ष्य मात्र निवेश बढ़ाना ही नहीं है बल्कि उन्हें "जलवायु के लिए सुरक्षित" करना भी है।

आईईजी ने वित्तीय वर्ष 2007 में बैंक के स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो के एक उपसमुच्चय–यानि नई और अक्षय ऊर्जा–का आकलन किया और पाया कि इसका कार्य विकासशील देशों की आवश्यकताओं का प्रत्युत्तर देता है और बैंक की समग्र ऊर्जा रणनीति से मेल खाता है। अपनी समीक्षा में, आईईजी ने यह सिफारिश की थी कि बैंक नई और अक्षय ऊर्जा के वाणिज्यीकरण के लिए अनुकूल निवेश के माहौल को समर्थन देना जारी रखे तथा ऐसी दीर्घ अवधियों के लिए छूट दे जो प्रायः अक्षय ऊर्जा स्रोतों

को अपनाने के लिए आवश्यक होती हैं। आईईजी ने आगे यह भी सिफारिश की कि बैंक अपनी अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं की निगरानी की मूल्यांकन को सुदृढ़ करे। इस समीक्षा ने बैंक को देशीय तथा ऊर्जा क्षेत्र की रणनीतियों में नई तथा अक्षय ऊर्जा को समर्थन देने के लिए प्रोत्साहित किया। (देखें **www.worldbank.org/infrastructureandcleanenergy.**)

वित्तीय और निजी क्षेत्र का विकास

विश्व बैंक समूह के विकास के मिशन को पूरा करने में वित्तीय और निजी क्षेत्र केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। गहरे, कुशल और अच्छी तरह नियंत्रित वित्तीय बाजार तथा निजी क्षेत्र के लिए अच्छा कानूनी और नियामक परिवेश, फर्मों—सूक्ष्म उद्यमों से लेकर बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक—को उत्पादक ढंग से निवेश करने, रोजगार सृजित करने और बढ़ने का अवसर देता है। अच्छी तरह काम करने वाले बाजार संभावित उद्यमियों और नियोक्ताओं के लिए समान अवसर प्रदान करने तथा निर्धन परिवारों को आय अर्जित करने, बचत करने, ऋण प्राप्त करने और कठिन समयों के लिए बचाव के उपाय करने के बेहतर अवसर प्रदान करने के द्वारा निर्धन लोगों को निर्धनता से बाहर निकालने में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं। अफ्रीका में कुशल बाजारों की विशेष आवश्यकता है, जहां वित्तीय और निजी क्षेत्र का विकास असमान है; व्यवसाय पर नियंत्रणों का अति-भारी बोझ है; वित्त की उपलब्धता, खास कर ग्रामीण क्षेत्रों में, सीमित है; और वित्तीय अंतर-मध्यस्थता का प्रसार विश्व के किसी भी अन्य क्षेत्र के मुकाबले कम है।

इस वर्ष तक, बैंक निजी क्षेत्र और वित्तीय क्षेत्र के विकास के लिए पृथक नेटवर्क संचालित करता था। दोनों के बीच के घनिष्ठ संबंधों को देखते हुए, वित्तीय वर्ष 2007 में इन नेटवर्कों के विलय से वित्तीय एवं निजी क्षेत्र के विकास (एफपीडी) हेतु एक केंद्रीय उपाध्यक्ष कार्यालय का गठन किया गया। एफपीडी एक संयुक्त बैंक-आईएफसी-एमआईजीए उपाध्यक्ष कार्यालय है, और यह उपाध्यक्ष कार्यालय वित्तीय एवं निजी क्षेत्र के विकास को समर्थन देने के लिए सरकारों को बैंक तथा आईएफसी की तकनीकी सहायता के समन्वय का नेतृत्व करता है। नया उपाध्यक्ष कार्यालय कारगर बाजारों के लिए संस्थागत आधार निर्मित करने, खुले और प्रतिस्पर्द्धी बाजारों को बढ़ावा देने और बाजार-आधारित दृष्टिकोणों को प्रयोग करते हुए सामाजिक सुरक्षा जालों का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

अप्रैल 2007 में बैंक ने एक नई वित्तीय रणनीति पर चर्चा की। यह रणनीति बैंक समूह के व्यावसायिक परिवेश में महत्वपूर्ण परिवर्तनों को चिह्नित करती है जिनके कारण इसके रणनीतिक फोकस में, इसकी परामर्शदात्री सेवाओं के मॉडल में, और बैंक तथा आईएफसी समर्थन के आवंटन में बदलाव आवश्यक हो जाते हैं। बैंक समूह के पास कारगर

वित्तीय बाजारों और संस्थाओं के सूक्ष्म आधारों की विस्तृत देशीय एवं वैश्विक जानकारी है। इसका निवेश एवं परामर्शदात्री कार्य कृषि से लेकर स्वास्थ्य सेवा तक के क्षेत्रों में वित्तीय मुद्दों के प्रभाव के बारे में विशिष्ट अंतर्दृष्टियां प्रदान करता है। इसलिए बैंक समूह वित्तीय सुधार के सभी पहलुओं को व्यापक आर्थिक विकास के एजेंडा के भीतर देखने के लिए अच्छी स्थिति में है। ये विशेषज्ञता इसे देशों को व्यावहारिक स्तर पर सुधार में शामिल करने, और अंतर्राष्ट्रीय मानक-निर्धारक संस्थाओं में विकास का स्वर प्रदान करने में सक्षम बनाती है। इस तुलनीय लाभ से कदम मिलाते हुए, विशेष ध्यान वाले जो क्षेत्र आगे बढ़ रहे हैं, वे हैं बाजार की आधारभूत संरचना (जैसे अनुबंध अधिकार और प्रवर्तन, भुगतान प्रणालियां, ऋण सूचना प्रणालियां, तथा प्रकटीकरण मानदंड) का विकास; विवेकपूर्ण पर्यवेक्षण (बेहतर जोखिम प्रबंधन और वित्तीय सेवाओं की अधिक व्यापक उपलब्धता के साथ संगत); और वंचित लोगों के लिए वित्त की उपलब्धता सुधारने तथा घरेलू पूंजी बाजारों को विकसित करने के लिए लक्षित पहलकदमियां।

वार्षिक रूप से प्रकाशित होने वाले बैंक-आईएफसी के एक संयुक्त प्रकाशन, *Doing Business (व्यवसाय करना)* रिपोर्ट बदलाव को बढ़ावा देने के लिए ऋणों या शर्तों के बजाय, सूचना का प्रयोग करते हुए 175 अर्थव्यवस्थाओं में सरकारों को यह बताती है कि किस प्रकार उनके देश में नियम विधान व्यवसायों की सहायता करते हैं या उन्हें बाधित करते हैं। वर्ष 2003 में यह परियोजना शुरू होने से अब तक, 70 से अधिक नियामक सुधार *Doing Business* द्वारा प्रेरित या सूचित हुए हैं, जिनसे विश्व भर में

व्यवसायों को आरंभ करना, चलाना या बंद करना पहले से आसान हुआ है। *Doing Business* रिपोर्ट के अलावा, वित्तीय वर्ष 2007 में प्रकाशित उपराष्ट्रीय रिपोर्टों की एक श्रृंखला में बंगलादेश, ब्राजील, भारत, मेक्सिको और पाकिस्तान के राज्यों और शहरों को ब्योरा दिया गया।

Doing Business के विश्लेषण के संपूरक के तौर पर उद्यम सर्वेक्षण होते हैं, जिनके जरिए उद्यम विश्लेषण इकाई व्यवसाय करने के अवरोधों के बारे में फर्म स्तर के विचार प्राप्त करने का प्रयास करती है। वित्तीय वर्ष 2007 के अंत तक इकाई ने 90 से अधिक देशों में 65,000 फर्मों का सर्वेक्षण कर लिया था। इसके अलावा, इकाई ने भारत में खुदरा, सूक्ष्म उद्यम और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में व्यवसाइयों के सर्वेक्षण के लिए एक नए उपकरण का आरंभ किया।

बैंक ने कॉर्पोरेट सुशासन का आकलन करने, और देशों को अपने कॉर्पोरेट सुशासन के तौर-तरीकों में सुधार के लिए सहायता देने का काम जारी रखा है। वित्तीय वर्ष 2007 में, इसमें नौ कॉर्पोरेट सुशासन समीक्षाएं पूरी कीं, जिनमें मानकों और संहिताओं के पालन पर चार कॉर्पोरेट सुशाासन रिपोर्टें, राजकीय स्वामित्व वाले उद्यमों में सुशासन की चार समीक्षाएं, और बैंकिंग क्षेत्र में कॉर्पोरेट सुशासन की एक समीक्षा शामिल है।

वित्तीय वर्ष 2007 में विश्व बैंक-अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के संयुक्त वित्तीय क्षेत्र आकलन कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तीय क्षेत्र के चौदह आकलन पूरे किए गए, जिनमें छह द्वितीय चक्र आकलन (अपडेट) थे। आकलन करने के लिए, बैंक और कोष के कर्मचारी–सहयोगी आधिकारिक एजेंसियों के विशेषज्ञों की सहायता से–किसी देश की वित्तीय प्रणाली की संपूर्ण समकक्ष समीक्षा करते हैं। यह समीक्षा देशों को प्रकाश में आई कमजोरियों के लिए उपयुक्त नीतिगत प्रत्युत्तरों की प्राथमिकताएं निर्धारित करने में मदद करती हैं। आकलन टीमें ठोस आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की क्षेत्र की क्षमता सुधारने के अवसरों को भी रेखांकित करती है। वित्तीय वर्ष 2008 की पाइपलाइन बताती है कि इस कार्यक्रम की मांग पूर्ववत बनी हुई है।

वित्तीय वर्ष 2007 के दौरान, एफपीडी ने वित्तीय बाजारों के विकास के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया जो जोखिम से निपटने में परिवारों की मदद करेगा। यह कार्यक्रम–Financial Markets for Social Safety Nets (सामाजिक सुरक्षा जाल के लिए वित्तीय बाजार)–आवासीय वित्त, वित्तपोषित पेंशनों और बीमा पर ध्यान देता है। आवासीय वित्त इकाई ने निम्न आय वाले परिवारों के लिए आवासीय वित्त की उपलब्धता बढ़ाने में मदद की और ऋणों, अनुदानों और परामर्शदात्री सेवाओं के जरिए सभी क्षेत्रों में आवासीय बंधक-ऋण बाजारों का विस्तार किया। पेंशन इकाई ने ब्राजील और चेक पेंशन व्यवस्थाओं पर रिपोर्टें तैयार कीं जिनका प्रयोग करके संबंधित सरकारें सुधार की आवश्यकता पर बल दे सकती हैं। बीमा इकाई निर्धनों के लिए स्वास्थ्य, जीवन, पशुधन और फसल बीमा उपलब्ध कराने का समर्थन करती है। ऐसे कार्यक्रम अफ्रीका, पूर्वी एशिया और दक्षिण एशिया में पहले ही लागू हैं। सामाजिक सुरक्षा जाल के लिए वित्तीय बाजार कार्यक्रम फिलहाल बैंक ऋणों के रूप में 2.5 अरब डॉलर का पर्यवेक्षण कर रहा है और 1.5 अरब डॉलर के नए ऋणों की तैयारी को समर्थन दे रहा है।

एफपीडी ज्ञान की साझेदारी के लिए वेबसाइटों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, केस अध्ययनों और सरल दिशा-निर्देशिकाओं में निवेश जारी रखे हुए है। वित्तीय वर्ष 2007 में लाइसेंसिंग, वैकल्पिक विवाद समाधान, सार्वजनिक-निजी संवाद, निरीक्षणों, और व्यावसायिक पंजीकरण पर पांच प्रैक्टिशनर टूलकिट प्रकाशित किए गए।

एफपीडी अपने मिशन को आगे बढ़ाने के लिए विश्व बैंक के बाहर के संस्थानों से भी साझेदारी करता है। विदेशीय निवेश परामर्शदात्री सेवा (एफआईएएस)–जिसे बैंक, आईएफसी, एमआईजीए तथा कई अन्य दाताओं से वित्तपोषण मिलता है–विकासशील देशों को उनके व्यापार के माहौल को सुधारने में मदद अदा करती है ताकि वे ऐसे निवेशों और निजी क्षेत्र की गतिविधियों में वृद्धि ला सकें जिससे विकास पर सकारात्मक असर पड़ता है (पृष्ठ 62 को भी देखें)। विश्व बैंक में स्थित 33 सदस्यीय, स्वतंत्र संस्थान–निर्धनतम की सहायता के लिए परामर्शदाता समूह–सूक्ष्म वित्त को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय संस्थानों, रेटिंग एजेंसियों, सरकारों, वित्तदाताओं और अन्य के साथ मिलकर काम करता है। एफपीडी वैश्विक कॉर्पोरेट सुशासन फोरम के माध्यम से निजी क्षेत्र की कंपनियों में बेहतर कॉर्पोरेट सुशासन को भी बढ़ावा देता है। इस बहुदाता न्यासी निधि की स्थापना विश्व बैंक समूह और आर्थिक सहकार एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने

ऐसी स्थानीय, क्षेत्रीय और वैश्विक पहलकदमियों को बढ़ावा देने के लिए की थी जिनसे कॉर्पोरेट सुशासन के संस्थागत ढांचे और तौर-तरीकों में सुधार हो। एफपीडी वित्तीय क्षेत्र में सुधार और सुदृढ़ीकरण पहलकदमी (FIRST) का प्रबंधन करता है, जिसे दाताओं ने 2012 तक समर्थन जारी रखने का वचन दिया है। FIRST अनुदान देने के द्वारा स्थिर, गहरे और विविध वित्तीय क्षेत्रों को बढ़ावा देता है। 2002 में अपनी स्थापना के समय से इस पहलकदमी ने वित्तीय क्षेत्र में करीब 220 तकनीकी सहायता परियोजनाओं को समर्थन दिया है।

इस वित्तीय वर्ष में बैंक ने अफ्रीका में काले धन को सफेद करने और आतंकवाद के वित्तपोषण से लड़ने पर और तीक्ष्णता से ध्यान केंद्रित किया। भ्रष्टाचार के विरुद्ध सांसदों के वैश्विक संगठन के साथ मिलकर आयोजित एक संसदीय फोरम में सांसदों—जिनमें अधिकांश अफ्रीका के थे—को एक ऐसा मंच प्रदान किया गया जहां भ्रष्टाचार, काले धन को सफेद करने और आतंकवाद के वित्तपोषण से लड़ने की चुनौतियों पर चर्चा की गई। बैंक ने अफ्रीका में अनेक बहुवर्षीय व्यापक तकनीकी सहायता कार्यक्रमों को भी वित्तपोषित किया, जो वित्त की उपलब्धता बाधित किए बिना बाजार की सत्यनिष्ठा की रक्षा करने वाली प्रणालियां विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं। (देखें **www.worldbank.org/finance**.)

सुशासन को सुदृढ़ करना और भ्रष्टाचार कम करना

सुशासन में सुधार करने तथा भ्रष्टाचार से लड़ने से देशों को बुनियादी सेवाएं बेहतर ढंग से प्रदान करने तथा निर्धन लोगों के लाभार्थ वृद्धि और रोजगार के अवसर सृजित करने में मदद मिलती है। इसलिए यह काम बैंक के मिशन के लिए बुनियादी महत्व रखता है। मार्च 2007 में, बोर्ड ने सुशासन और भ्रष्टाचार निवारण पर बैंक के कार्य की एक नई रणनीति का अनुमोदन किया। इस रणनीति के तहत, बैंक निर्धनता से लड़ने; सेवाएं प्रदान करने में सुधार लाने; निजी निवेश का माहौल बेहतर बनाने; और परियोजना और, देश और वैश्विक स्तरों पर आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सुशासन सुधारने तथा भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए अपने समर्थन का विस्तार तथा सुदृढ़ीकरण करेगा। (बॉक्स 1.5)

बॉक्स 1.5 बैंक की नई सुशासन और भ्रष्टाचार निवारण रणनीति की विषयवस्तु

बैंक की सुशासन और भ्रष्टाचार निवारण रणनीति पर सहमति आम सहमति बनाने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया का परिणाम थी। सिंगापुर में सितंबर 2006 में विश्व बैंक-अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष विकास समिति की वार्षिक बैठकों में रणनीति पर एक मसविदा प्रस्तुत किया गया। नवंबर 2006 और जनवरी 2007 के बीच बैंक ने 35 विकासशील देशों और 12 दाता देशों में सरकारों, नागरिक समाज, निजी क्षेत्र और बहुपक्षीय और द्विपक्षीय विकास साझेदारों सहित विभिन्न हितधारकों से परामर्श किया। बैंक ने चार वैश्विक आयोजनों में भी भाग लिया और ऑनलाइन फीडबैक आमंत्रित किया, जिससे वह विश्व भर में 3,200 से अधिक हितधारकों तक पहुंचा। इन परामर्शों में सामने आए प्रमुख संदेशों में निम्नलिखित शामिल थे:

- संलग्नता बनाए रखी जाए, बुरे शासन वाली व्यवस्थाओं में भी
- न केवल सरकारों को संलग्न किया जाए बल्कि विधायिकाओं और न्यायपालिका, निजी क्षेत्र, नागरिक समाज और मीडिया सहित विभिन्न हितधारकों को संलग्न किया जाए
- भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए देशों की व्यवस्थाओं—जैसे सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन, सरकारी वसूली, नियामक, कानूनी और प्रशासकीय फ्रेमवर्कों—को मजबूत बनाया जाए
- प्रकटीकरण, भागीदारी और बैंक के प्रचालन की तृतीय पक्ष द्वारा निगरानी पर जोर बढ़ाया जाए
- बैंक की कार्रवाइयों और दाताओं तथा अन्य कर्ताओं की कार्रवाइयों के बीच ताल-मेल किया जाए
- सुशासन के पृथक-पृथक या "कार्रवाई-योग्य" संकेतकों के प्रयोग के जरिए बैंक की सुशासन तथा भ्रष्टाचार निवारण गतिविधियों की निगरानी और मूल्यांकन का अभिवर्द्धन किया जाए

इस प्रक्रिया से एक रणनीति निकलकर आई जो पारदर्शी, जवाबदेह और सक्षम राज्य निर्मित करने के तंत्रों को चिह्नित करती है; बैंक द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं की निगरानी सुधारने और उनमें भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के उपकरणों की रूपरेखा बताती है; बैंक तथा अन्य विकास साझेदारों के प्रयासों के बीच ताल-मेल करती है; और विकास के विभिन्न कर्ताओं के साथ सहयोग को प्रोत्साहन देती है। (देखें **www.worldbank.org/governance**.)

परियोजना स्तर पर गतिविधियां

सार्वजनिक क्षेत्र के सुधार, आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य, निस्सारक उद्योगों और वित्तीय क्षेत्र सहित बैंक के पूरे पोर्टफोलियो में परियोजना स्तर पर सुशासन और भ्रष्टाचार निवारण पर ध्यान दिया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2007 में, विश्व बैंक ने सुशासन को 3.8 अरब डॉलर का समर्थन दिया– 3.4 अरब डॉलर सार्वजनिक क्षेत्र सुशासन के लिए और 42.4 करोड़ डॉलर विधि शासन के लिए। यह बैंक के ऋणदान के 15 प्रतिशत के बराबर था।

सुशासन के लिए सहायता में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन में पारदर्शिता बढ़ाने, कर एवं सीमा शुल्क प्रशासन को सुदृढ़ करने, नागरिक-सेवा प्रदर्शन को बेहतर बनाने, कानूनी और न्यायिक सुधारों को समर्थन देने, तथा स्थानीय और केंद्रीय सरकारों को ज्यादा कारगर ढंग से और ज्यादा जवाबदेही के साथ स्थानीय समुदायों को सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाने के लिए समर्थन शामिल है। अफगानिस्तान में एक परियोजना सरकारी वसूली और वित्तीय प्रबंधन में सुधार का वित्तपोषण कर रही है। कंबोडिया में, बैंक अधिक पारदर्शी नागरिक सेवा वेतन ढांचों को समर्थन दे रहा है। लाइबीरिया के कठिन संघर्ष-पश्चात परिवेश में, बैंक ने बहुदाता सुशासन एवं आर्थिक प्रबंधन कार्य योजना के अंतर्गत क्षमता निर्माण के साथ-साथ बजट क्रियान्वयन प्रक्रियाओं और न्यासी नियंत्रणों को चुस्त-दुरुस्त बनाने में मदद की। संस्थागत विकास निधि (आईडीएफ) अनुदान प्रदान करने के द्वारा, बैंक ने मेक्सिको के फेडरल इंस्टीट्यूट फॉर एक्सेस टु इन्फॉर्मेशन की क्षमता सुदृढ़ करने में मदद की है। आईडीएफ अनुदानों ने स्लोवाक गणराज्य को न्यायिक व्यवस्था के पुनर्गठन तथा उसे चुस्त-दुरुस्त बनाने और न्याय तक पहुंच बढ़ाने में भी मदद की है।

संस्थागत सत्यनिष्ठा विभाग (आईएनटी) बैंक के प्रचालनों में भ्रष्टाचार के आरोपों और बैंक कर्मियों के संभावित दुराचरणों की जांच करता है। बैंक द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं में धांधली, भ्रष्टाचार और अन्य दुराचरणों के आरोपों की सूचना देने के लिए बैंक अनेक उपाय प्रदान करता है, जिनमें एक अंतर्राष्ट्रीय हॉटलाइन (+1-800-831-0463) शामिल है। वित्तीय वर्ष 2007 में, आईएनटी ने *Integrity Report of the World Bank Group, Fiscal Years 2005–2006 (विश्व बैंक समूह की सत्यनिष्ठा रिपोर्ट, वित्तीय वर्ष 2005–2006)* जारी की, जिसमें उस अवधि के दौरान बैंक द्वारा धांधली, भ्रष्टाचार और दुराचरणों की जांच के लिए की गई कार्रवाइयों का ब्योरा दिया गया है। एक नए स्वैच्छिक प्रकटीकरण कार्यक्रम संबंधी तत्वों को बोर्ड ने अगस्त 2006 में स्वीकृति दी थी ताकि ऐसी फर्मों से भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ने में स्वैच्छिक सहयोग प्राप्त किया जा सके जो पहले गलत कार्यों में संलग्न रही हैं। बैंक ने जिन कंपनियों और व्यक्तियों के विरुद्ध प्रतिबंध लागू किए हैं उनके बारे में जानकारी बैंक की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

बैंक की सुशासन एवं भ्रष्टाचार निवारण रणनीति के एक भाग के तौर पर आईएनटी की भूमिकाओं, दायित्वों और क्रियाशील संबंधों की समीक्षा के लिए एक स्वतंत्र पैनल गठित किया गया।

देश स्तर पर गतिविधियां

सुशासन में सुधार अधिकांश देशों में बैंक की देशीय सहायता रणनीतियों (सीएएस) का एक अवयव बन गया है, और अल्बेनिया, बंगलादेश, इंडोनेशिया और अफ्रीका के अनेक देशों सहित कुछ देशों में तो यह एक केंद्रीय तत्व है। सुशासन के लिए बैंक का समर्थन ऋणदान, अनुदान,

विश्लेषणात्मक और परामर्शदाता उपकरणों के एक मिश्रण के जरिए प्रदान किया जाता है।

सुशासन पर बढ़े हुए ध्यान के साथ संगति में, आईडीए अपने आवंटन काफी हद तक देश की प्रदर्शन रेटिंग के आधार पर करता है और इस रेटिंग का दो-तिहाई मान किसी देश के सुशासन पर आधारित होता है। पिछले दो दशकों के दौरान हुए शोध ने दर्शाया है कि विकास प्रदर्शन और सहायता की प्रभाविता, दोनों पर सुशासन का तगड़ा असर होता है। सहायता बढ़ाकर निर्धनता कम करने की वैश्विक वचनबद्धता—जो आईडीए द्वारा समर्थित है—पारस्परिक जवाबदेही के सिद्धांत पर आधारित है : सहायता का प्रयोग जितने प्रभावी ढंग से किया जाएगा, उतनी अधिक सहायता प्रदान की जाएगी। प्राप्तकर्ता देश के सार्वजनिक नीति-निर्माण, बजट निर्माण और सेवा प्रावधानों का प्रयोग करते हुए सहायता सबसे अच्छे ढंग से बढ़ाई जा सकती है।

विश्व बैंक की ज्ञान आवंटन व शिक्षा प्राप्ति शाखा, विश्व बैंक संस्थान, अपने वैश्विक सुशासन कार्यक्रम के जरिए बैंक के सुशासन एवं भ्रष्टाचार निवारण एजेंडा को आगे बढ़ाता है। यह कार्यक्रम कोर्स और गोष्ठियां प्रदान करता है, सुशासन परामर्शदात्री सेवाएं उपलब्ध कराता है, और सुशासन के विभिन्न पहलुओं पर प्रचालन संबंधी शोध करता है। ये गतिविधियां और नैदानिक उपकरण, देश के भीतर सुधार के लिए कार्रवाई की योजना बनाने में समर्थन देते हैं। वित्तीय वर्ष 2007 में इस कार्यक्रम में 213 देशों और भौगोलिक क्षेत्रों के लिए सुशासन संकेतकों का एक अद्यतन समुच्चय प्रकाशित किया गया। द्विपक्षीय एजेंसियों, स्थानीय अधिकारियों और नागरिक समाज के साथ साझेदारी में, यह कार्यक्रम बेनिन, बुरुंडी, अल सल्वाडोर और हैती में गहन सुशासन एवं भ्रष्टाचार निवारण नैदानिक अध्ययनों को समर्थन दे रहा है; केन्या और नाइजीरिया में अध्ययन पूरे करने की इसकी योजना है; और इसे 11 अन्य ग्राहक देशों से नैदानिक सहायता के प्रारंभिक अनुरोध मिले हैं।

आईईजी ने पाया कि सुशासन और भ्रष्टाचार निवारण में बैंक की सहायता का बड़ा भाग सार्वजनिक प्रशासन और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन में सुधार कार्यक्रमों के रूप में दिया गया है। इस सहायता ने प्रायः सार्वजनिक क्षेत्र की प्रबंधन प्रक्रियाओं की गुणवत्ता में सुधार किया है लेकिन यह सुशासन की दृष्टिगोचर गुणवत्ता में सुधार के रूप में परिलक्षित नहीं हुआ है। फिर भी पूर्वी और मध्य यूरोप में हुई हाल की प्रगति यह दर्शाती है कि यदि देशों में ऐसा करने की दृढ़ वचनबद्धता हो, तो सीमित समय में दृष्टिगोचर गुणवत्ता का स्तरोन्नयन संभव है। आईईजी का मूल्यांकन बताता है कि सार्वजनिक क्षेत्र में सुधार की पहलकदमियां हमेशा ही राजनीतिक परिस्थितियों से संगत नहीं रही हैं, वे नए कानूनों और संस्थानों पर ध्यान केंद्रित करती रही हैं जबकि प्रवर्तन के पहलू की अनदेखी की जाती रही है। सुधार की पहलकदमियों ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच के परस्पर संबंध की भी अनदेखी की है, हालांकि नियामक सुधार प्रायः भ्रष्टाचार के विरुद्ध कारगर रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर गतिविधियां

बैंक सुशासन को सुदृढ़ करने के लिए अनेक संयुक्त पहलकदमियों में साझेदारियों का विस्तार कर रहा है। यह विदेशी सार्वजनिक अधिकारियों को रिश्वत देने के विरुद्ध ओईसीडी संधि (1997), वन कानून प्रवर्तन एवं सुशासन मंत्रिस्तरीय प्रक्रियाएं (2001), निस्सारक उद्योग पारदर्शिता पहलकदमी (2002) और भ्रष्टाचार के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र संधि (2003), को बढ़ावा देने में एक सक्रिय भागीदार है। यह अनेक अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निवारण संगठनों और नेटवर्कों के साथ निकटतापूर्वक काम करता है, जिनमें वित्तीय कार्रवाई कार्य बल, पारदर्शिता हेतु साझेदारी निधि, ओईसीडी-विकास सहायता समिति (डीएसी), और ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2007 में, बैंक ने ओईसीडी-डीएसी गवनेट के सहयोग से एक इश्यू पेपर तैयार किया जो कि बुरे शासन को सुधारने, संयुक्त भ्रष्टाचार आकलन संचालित करने और भ्रष्टाचार के विरुद्ध समन्वित प्रत्युत्तर के लिए तुलनीय शक्तियों का लाभ उठाने के लिए एक वैश्विक सामूहिक कार्रवाई का एजेंडा निर्धारित करता है। (देखें **www.worldbank.org/governance** and **www.worldbank.org/integrity**.)

मध्य आय वाले देशों के लिए रणनीति

आईबीआरडी-अर्हता प्राप्त 79 देशों, जिनमें से अधिकांश मध्य आय वाले देश हैं, में प्रतिदिन 2 डॉलर से कम पर जीने वाली विश्व के 70 प्रतिशत से अधिक आबादी रहती हैं। इसलिए इन देशों के लिए सहायता में सुधार करना निर्धनता कम करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस कारण से, सितंबर 2006 की अपनी वार्षिक बैठकों में, विश्व बैंक ने—अपनी शेयरधारक सरकारों के प्रोत्साहन से—विकास के बेहतर परिणाम प्राप्त करने और क्षेत्रीय तथा वैश्विक सरोकारों को सामूहिक रूप से संबोधित करने के लिए, मध्य आय वाले देशों से साझेदारी में आईबीआरडी की प्रभाविता सुदृढ़ करने की वचनबद्धता दी।

मध्य आय वाले देशों ने हाल के वर्षों में अपने आर्थिक प्रबंधन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार किया है। बाजार-आधारित वित्तपोषण और जोखिम-प्रबंधन उपकरणों की उपलब्धता बढ़ी है, और संप्रभु वित्तपोषण लागतें कम होकर लगभग सार्वकालिक निम्न बिंदुओं तक पहुंच गई हैं। लेकिन चुनौतियां अब भी मौजूद हैं। पूंजी बाजार तक पहुंच कुछ देशों में

संकेंद्रित है, और ऋण लेने की लागत बहुपक्षीय विकास बैंकों के मुकाबले काफी अधिक है। आय में असमानता और निर्धनता के विशाल क्षेत्र मौजूद हैं, जिनकी स्थिति शिक्षा, भौतिक आधारभूत संरचना, और अन्य सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच में असमानता के कारण और भी बुरी हो जाती है। अनेक मध्य आय वाले देशों के सामने ऐसी अन्य समस्याएं भी हैं जिन्हें अल्पकालिक तौर पर हल नहीं किया जा सकता। इन समस्याओं को हल करने के लिए सार्वजनिक संस्थानों को सुदृढ़ करने और इन देशों के व्यावसायिक परिवेश तथा प्रतिस्पर्द्धात्मक क्षमता में सुधार करने की आवश्यकता होगी।

मध्य आय वाले देश विकास के मुद्दों के बारे में विस्तृत ज्ञान और अनुभव का भंडार हैं, और वे उत्तरोत्तर स्वयं को बैंक के ग्राहक के बजाय साझेदारों के रूप में देख रहे हैं। अनेक देश प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, बैंक ऋण, धनप्रेषण और यहां तक कि विकास सहायता के जरिए अन्य देशों में विकास को बढ़ावा देते हैं। कुछ देश आईडीए में अंशदान करते हैं और बकाया माफ करने तथा ऋण में कमी की कार्रवाइयों में भी साझेदार हो सकते हैं जिनसे विश्व के निर्धनतम देश लाभान्वित होते हैं।

कुछ मध्य आय वाले देश वैश्विक अर्थव्यवस्था के सुशासन में भी उत्तरोत्तर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए व्यापार और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर वैश्विक एजेंडा विकसित करने में मदद कर रहे हैं। कुछ देश संक्रामक रोगों से मुकाबला करने, ग्रीन-हाउस गैसों का उत्सर्जन कम करने, और जैव-विविधता का संरक्षण जैसे वैश्विक सार्वजनिक माल प्रदान कर रहे हैं।

मध्य आय वाले देश चाहते हैं कि बैंक अधिक लचीला और प्रत्युत्तरशील हो; वित्तपोषण, जोखिम-प्रबंधन और ऋण संवर्द्धन उत्पादों की अधिक व्यापक श्रृंखला प्रस्तुत करे; और अनुरोधों पर कार्रवाई पूरी करने का समय तथा लेन-देन की लागतें कम करे। हालांकि ऋणदान और ज्ञान आधारित उत्पाद पारंपरिक तौर पर साथ-साथ प्रस्तुत किए जाते रहे हैं, लेकिन ये देश अधिक तीक्ष्ण फोकस वाली और उच्चतर गुणवत्ता की ज्ञान आधारित सेवाएं चाहते हैं जो वित्तपोषण से जुड़ी हुई न हों। वे सामूहिक मुद्दों को संबोधित करने के लिए रणनीति बनाने तथा अनेक स्रोतों से विशेषज्ञता और वित्त के पोर्टफोलियो जुटाने में बैंक की संयोजन क्षमता और अनुभव का भी अधिक व्यापक उपयोग करना चाहते हैं।

ग्राहक देशों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, विकास समिति ने बैंक द्वारा निर्मित एक नई रणनीति का पुरजोर अनुमोदन किया जो बैंक की तीन व्यावसायिक धाराओं: ज्ञान-आधारित सेवाओं, वित्तीय सेवाओं, और रणनीति एवं समन्वय सेवाओं में से प्रत्येक में प्रदर्शन में सुधार करेगी।

ज्ञान-आधारित सेवाओं में, बैंक परियोजना चक्र कार्य, विश्लेषण कार्य, प्रशिक्षण, संस्थागत क्षमता निर्माण, तकनीकी सहायता और अन्य परामर्शदात्री गतिविधियों के जरिए क्षेत्रीय, देशीय और वैश्विक स्तरों पर अपनी शोध और विशेषज्ञ सेवाओं का लाभ उठाने का प्रयास कर रहा है। यह राष्ट्रीय थिंक टैंकों और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए और निकटतापूर्वक संलग्नता का भी प्रयास कर रहा है।

वित्तीय सेवाओं में, बैंक वित्तपोषण और ऋण संवर्द्धन तथा जोखिम प्रबंधन उपकरणों के पूर्ण मेन्यू पर विचार कर रहा है जिसे संप्रभु और गैर-संप्रभु निकायों को प्रस्तुत किया जा सकता है।

रणनीति और समन्वय सेवाओं में, बैंक नीतिगत संवाद और वृद्धि को बढ़ावा देने तथा निर्धनता कम करने हेतु विशेषज्ञता प्रदान करने सहित, देशीय रणनीति कार्य को समर्थन देने के लिए अपनी संयोजन क्षमता और वैश्विक पहुंच प्रस्तुत करता रहेगा, और प्राथमिकता वाले वैश्विक तथा क्षेत्रीय सार्वजनिक माल प्रदान करने पर ध्यान देता रहेगा।
(देखें **www.worldbank.org/middleincomecountries**.)

2 क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य

अफ्रीका

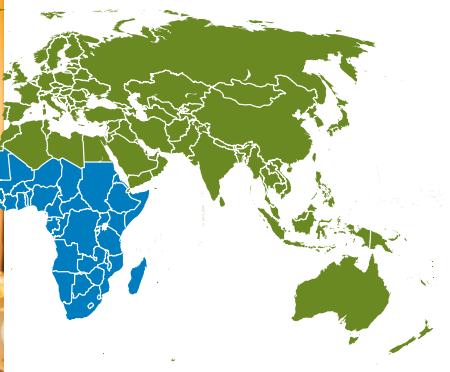

पिछला दशक अफ्रीका में आय के स्तरों और वृद्धि में बढ़ती विविधता का साक्षी रहा है। इस अवधि के दौरान सोलह देशों में 4.5 प्रतिशत वार्षिक से अधिक दर से वृद्धि हुई है, और उनमें से कईयों (इनमें घाना, मोज़ाम्बिक, सेनेगल, तंजानिया और उगांडा शामिल हैं) ने अपनी अर्थव्यवस्थाओं और निर्यात को विविधीकृत भी किया है। गैर-तेल उत्पादक अफ्रीकी देशों के सबसे तेजी से वृद्धि कर रहे समूह, जहां कुल मिलाकर पूरे अफ्रीका की 36 प्रतिशत जनसंख्या बसती है, ने 5.5 प्रतिशत की औसत दर से वृद्धि की है। इसके विपरीत, सबसे धीमी गति से वृद्धि करने वाले 13 देशों, जहां इस क्षेत्र की 20 प्रतिशत जनसंख्या बसती है, की औसत वृद्धि मात्र 1.3 प्रतिशत रही है। समग्रता में वर्ष 2006 के लिए इस क्षेत्र की वृद्धि अनुमानतः 5.3 प्रतिशत तक पहुंच गई।

ठोस वृद्धि ने मानव विकास परिणामों को सुधारने में सहायता की है, खासकर प्राथमिक शिक्षा में। इस क्षेत्र में प्राथमिक स्कूलों में नामांकन की सकल दर 1991 के 72 प्रतिशत से बढ़कर 2004 में 96 प्रतिशत तक पहुंच गई। स्वास्थ्य संबंधी परिणामों में ज्यादा भिन्नता है, लेकिन इनमें भी अनेक देशों में सुधार आ रहा है, और मलेरिया तथा एचआईवी/एड्स की रोकथाम और उपचार की प्रगति की गति त्वरित हुई है।

इन सकारात्मक चिह्नों के बावजूद, अफ्रीका इतनी पर्याप्त तेजी से वृद्धि नहीं कर रहा है कि वह आय निर्धनता में उल्लेखनीय कमी कर सके। विश्व बैंक वार्षिक वृद्धि को 7 प्रतिशत तक बढ़ाने, जो कि निर्धनता में कमी पर कोई उल्लेखनीय प्रभाव डालने के लिए न्यूनतम आवश्यकता है, के लिए निजी और सार्वजनिक विकास वित्त जुटाने की अच्छी स्थिति में है।

विश्व बैंक सहायता

बैंक अफ्रीका को विकास सहायता का सबसे बड़ा प्रदाता है, और अफ्रीका को वित्तीय वर्ष 2007 में आईडीए से 5.8 अरब डॉलर के रिकॉर्ड ऋण, अनुदान और गारंटी मिले थे। कुल मिलाकर, बैंक ने वित्तीय वर्ष 2007 में 93 परियोजनाओं को स्वीकृत किया, जो कि वित्तीय वर्ष 2006 की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। साथ ही इसने अपनी गैर-ऋणदान गतिविधियों को जारी रखते हुए, 194 विश्लेषणात्मक और परामर्शदात्री सेवाएं पूरी कीं। वित्तीय वर्ष 2007 में बहुपक्षीय ऋण राहत पहलकदमी से सोलह अफ्रीकी देश लाभान्वित हुए, और अत्यंत कर्जदार निर्धन देश पहलकदमी (देखें "ऋण राहत", अध्याय 3) के तहत अपनी पूर्णता बिंदुओं तक पहुंचने पर अन्य 17 देश भी इसके लिए योग्यता प्राप्त कर लेंगे।

अफ़्रीका—एक नज़र में

कुल जनसंख्याः	0.8 अरब
जनसंख्या की वृद्धि दरः	2.3%
जन्म पर आयु संभाविताः	47 वर्ष
प्रति 1000 जन्मों पर बाल मृत्यु संख्याः	96
लड़कियों की साक्षरताः	64%
2006 में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आयः	$842
एचआईवी/एड्स के साथ जी रहे लोगों की संख्याः	2.48 करोड़

टिप्पणी: जन्म पर आयु संभाविता, प्रति 1000 जीवित जन्मों पर बाल मृत्यु दर, तथा लड़कियों की साक्षरता 2005 के आंकड़े हैं; एचआईवी/एड्स के आंकड़े मई 2006 में यूएनएआईडीएस द्वारा प्रकाशित *वैश्विक एड्स महामारी की रिपोर्ट* पर आधारित हैं; अन्य संकेतकों को 2006 के विश्व विकास संकेतकों के डाटाबेस से लिया गया है।

कुल वित्तीय 2007	**कुल वित्तीय 2007**
नई वचनबद्धताएं	**संवितरण**
आईबीआरडी 3.8 करोड़ डॉलर	आईबीआरडी 3.2 करोड़ डॉलर
आईडीए 575.9 करोड़ डॉलर	आईडीए 385.2 करोड़ डॉलर

30 जून 2007 तक अमल में लाई जा रही परियोजनाओं का पोर्टफ़ोलियोः $21.1 अरब

विश्व बैंक के ऋण अर्ह देशों की सूची

अंगोला	चाड	गाबॉन	मलावी	साओ तोमे एवं प्रिंसिपे	टोगो
बेनिन	कोमोरोस	द गैम्बिया	माली	सेनेगाल	उगांडा
बोत्स्वाना	कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य	घाना	मॉरिटेनिया	सेशेल	ज़ाम्बिया
बुर्कीना फ़ासो	कांगो गणराज्य	गिनी	मॉरिशस	सियरा लियोन	ज़िंबाब्वे
बुरुंडी	कोत दीव्वार	गिनी-बिसाउ	मोज़ांबीक	सोमालिया	
कैमरून	इक्वेटोरियल गिनी	केन्या	नामीबिया	दक्षिणी अफ़्रीका	
केप वेर्डी	एरिट्रिया	लेसोथो	नाइजर	सूदान	
सेन्ट्रल अफ़्रीकी गणराज्य	इथियोपिया	लाइबीरिया	नाइजीरिया	स्वाज़ीलैंड	
		मैडागास्कर	रवांडा	तंज़ानिया	

पिछले दो वर्ष के दौरान, अफ्रीका को सहायता देने की बैंक की रणनीति को अफ्रीकी कार्ययोजना के तहत क्रियान्वित किया गया है (बॉक्स 2.1)। साझा वृद्धि को त्वरित करने, सक्षम राज्य निर्मित करने, परिणामों पर और अधिक ध्यान केंद्रित करने और विकास साझेदारी का सुदृढ़ीकरण करने पर आधारित इस योजना के सकारात्मक प्रभाव शुरू भी हो गए हैं। उदाहरण के लिए, वित्तीय वर्ष 2007 में, घाना और तंजानिया को व्यवसाय करने के लिए माहौल में सुधार लाने वाले शीर्ष के 10 देशों में स्थान मिला; बैंक समूह के समर्थन से, मैडागास्कर व्यवसाय आरंभ करने में आसानी प्रदान करने के लिए वैश्विक रैंकिंग में आठ स्थान ऊपर आ गया। ऐसी सफलताएं मुख्यतः अफ्रीकी देशों द्वारा सुधारों के प्रति अधिक दृढ़ वचनबद्धता, और साथ ही निजी क्षेत्र के विकास, आधारभूत संरचना और कौशलों के विकास में आईडीए, आईएफसी और एमआईजीए के बीच अधिक सुदृढ़ सहभागिता का परिणाम हैं।

अफ्रीका की लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या चारों ओर से जमीन से घिरे देशों में रहती है, और इनमें से अनेक संसाधन संपन्न हैं। यह महाद्वीप भौगोलिक रूप से अनेक हिस्सों में कटा हुआ है, और इसमें किसी भी विकासशील क्षेत्र की तुलना में देशों का सर्वाधिक घनत्व है। इसलिए आधारभूत संरचना की कमियों को दूर करने और संसाधनों से होने वाली आय के बेहतर प्रबंधन तथा उपयोग के लिए क्षेत्रीय परियोजनाओं की आवश्यकता है। पश्चिम अफ्रीकी गैस पाइपलाइन और पूर्वी अफ्रीकी अंतःसागरीय केबल प्रणाली—ये दोनों ही बैंक समूह द्वारा समर्थित सार्वजनिक-निजी साझेदारियां हैं—आधारभूत संरचना के राह की बाधाओं को दूर करने के क्षेत्रीय दृष्टिकोणों में प्रमुख सीमाचिह्न हैं। बैंक समर्थित एक और क्षेत्रीय कार्यक्रम में अफ्रीका के लिए बहुदेशीय एड्स परियोजना शामिल है। यह परियोजना 31 अफ्रीकी देशों में काम करती है। इसने 17.3 करोड़ लोगों तक रोकथाम के संदेश पहुंचाए हैं और 15 लाख महिलाओं के बीच मां से बच्चे को होने वाले एचआईवी/एड्स रोग संक्रमण से बचाव में मदद की है।

विश्व बैंक द्वारा मार्च 2006 में स्थापित अफ्रीका उत्प्रेरक वृद्धि निधि (एसीजीएफ) वृद्धि तेज करने, निर्धनता कम करने, और सहस्राब्दि विकास लक्ष्य (एमडीजी) प्राप्त करने के लिए विश्वसनीय कार्यक्रमों वाले देशों को त्वरित, लक्षित समर्थन प्रदान करता है। यह निधि अत्यंत चुनिंदा प्रकार की है, जो एक बार में ऐसे कुछ देशों पर ही केंद्रित होती है जहां पूंजी के प्रवेश से परिणाम सामने लाने में आईडीए सहायता के असर को बढ़ाया जा सकता है। एसीजीएफ के लिए न्यास निधि समझौते पर अगस्त 2006 में हस्ताक्षर किए गए। वित्तीय वर्ष 2007 में शुरू करने के लिए तीन परियोजनाएं चुनी गई थीं। प्रत्येक परियोजना एसीजीएफ द्वारा समर्थित तीन कार्यक्षेत्रों में से एक में आती है—उच्च प्रदर्शन करने वाले देश, रूपांतरित होने वाले देश, और क्षेत्रीय एकीकरण—और प्रत्येक किसी एक कठिन एमडीजी को संबोधित करती है—मोज़ाम्बिक में जल आपूर्ति और स्वच्छता, सिएरा लिओन में बाल मृत्यु, और हॉर्न ऑफ अफ्रीका में एचआईवी/एड्स की रोकथाम तथा उपचार।

बॉक्स 2.1 अफ्रीका कार्ययोजना

मार्च 2007 में, विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशकों ने अफ्रीका कार्ययोजना को लागू किए जाने के पहले 18 महीनों के एक आकलन पर चर्चा की। प्रगति को व्यापक रूप से संतोषप्रद आंका गया क्योंकि निजी क्षेत्र के विकास, आधारभूत संरचना की कमियों को दूर करने और एचआईवी/एड्स एवं मलेरिया पर ध्यान देने जैसे क्षेत्रों में उम्मीद से अधिक तेजी से परिणाम सामने आए। ये ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें बैंक समूह ने अपने समर्थन में भी वृद्धि की है।

योजना की सामान्य सफलता के बावजूद, अगर इसे थोड़े कम उद्देश्य अर्जित करने पर लक्षित किया गया होता और यह परिणामों पर और अधिक केंद्रित होती, तो इसका कहीं अधिक प्रभाव पड़ा होता। इसलिए आगे बढ़ते हुए, बैंक आठ प्रमुख "ध्वजपोत" व्यावसायिक दिशाओं पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा, ये हैं: निजी क्षेत्र का सुदृढ़ीकरण करना, महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ाना, प्रतिस्पर्द्धी क्षमता बढ़ाने के लिए कौशल निर्मित करना, कृषि में उत्पादकता बढ़ाना, स्वच्छ ऊर्जा की उपलब्धता और विश्वसनीयता को सुधारना, सड़कों के नेटवर्क और पारगमन गलियारे का विस्तार और स्तरोन्नयन करना, सुरक्षित जल और साफ-सफाई की उपलब्धता बढ़ाना और मलेरिया और एचआईवी/एड्स की रोकथाम और उपचार के लिए स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ बनाना। आईडीए के साझेदारी प्रयासों और देश की रणनीतियों का मार्गदर्शन करने वाले देश-आधारित मॉडल को सुदृढ़ीकृत किया जाएगा। तीन अंतर-व्यापी क्षेत्र इस प्रयास को समर्थन देंगे: ज्यादा सक्षम और उत्तरदायी सरकारें निर्मित करना, पर्यावरणीय प्रबंधन को सुधारना और विकास साझेदारी को सुदृढ़ीकृत करना।

चित्र 2.1

अफ्रीका

आईबीआरडी और आईडीए द्वारा ऋणदान, विषय के अनुसार। वित्तीय 2007

5.8 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

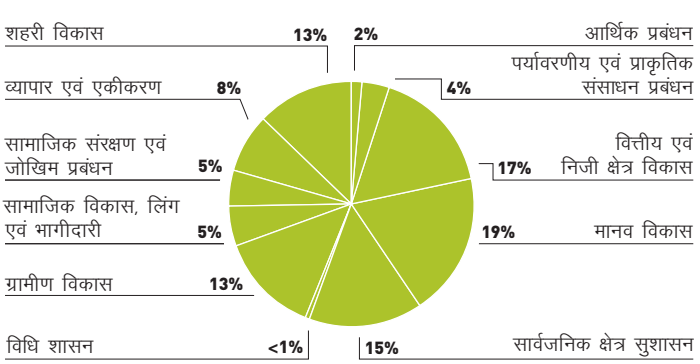

चित्र 2.2

अफ्रीका

आईबीआरडी और आईडीए द्वारा ऋणदान, सेक्टर के अनुसार। वित्तीय 2007

5.8 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

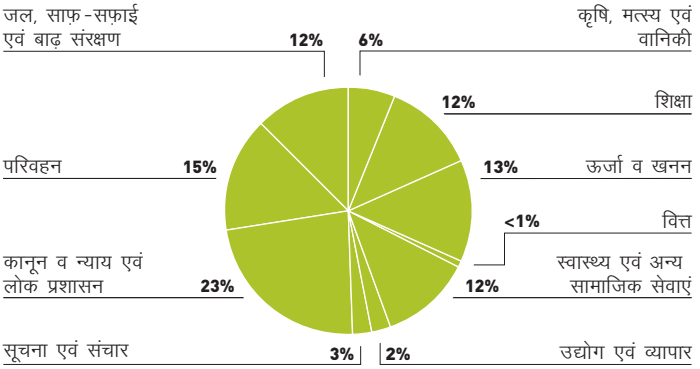

अफ्रीका के लिए संभावनाएं

विश्व बैंक की देशीय नीति तथा संस्थागत आकलन रेटिंग के अनुसार पिछले दशक के दौरान अफ्रीका में नीतियों और संस्थागत व्यवस्थाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, विशेषकर वृहतआर्थिक प्रबंधन और व्यापार नीति में। अफ्रीका के लिए अब जरूरी है कि नीतिगत परिवेश में सुधार जारी रखकर, विशेषकर वृहतआर्थिक स्थिरता एवं बाजार कुशलता में सुधार सुनिश्चित करने के द्वारा, ऐसे लाभों को बनाए रखे। ऐसा करने के लिए व्यापार को और अधिक खुला करने के साथ ही सुदृढ़ बाजार संस्थाएं निर्मित करनी होंगी। सीमा के अंदर वाली बाधाओं को दूर करने और एक प्रतिस्पर्द्धा में सहायक घरेलू व्यावसायिक परिवेश स्थापित करने से अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्द्धी क्षमता बढ़ेगी तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था के बदलते तकाजों को पूरा करने की घरेलू क्षमता में वृद्धि होगी। (बॉक्स 2.2)

अफ्रीकी देशों को मार्च 2005 की पेरिस घोषणा के तहत मिली सहायता की प्रभावकारिता से लाभान्वित होते रहना चाहिए। यह घोषणा सभी विकास साझेदारों को यह सुनिश्चित करने के लिए आह्वान करती है कि दाताओं के बीच सहायता का समन्वय रहे, कि दाता एजेंसियां लेन-देन की लागतों को न्यूनतम करने के लिए अपनी आवश्यकताओं में समरूपता लाएं, और यह कि सहायता प्रत्येक देश की विकास संबंधी आवश्यकताओं के अनुरूप हो। देशों ने इस घोषणा पर अमल करने के लिए विकास साझेदारों के साथ आधाररेखाओं तथा कार्ययोजनाओं को विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभाई है।

अफ्रीका ने यह दिखाया है कि यह साझा आर्थिक वृद्धि को कायम रख सकता है। अफ्रीकी सरकारों और जनता को समर्थन देने के द्वारा, विश्व बैंक अफ्रीका को सहायता का प्रवाह बढ़ाने तथा अफ्रीकी मालों के लिए विश्व बाजारों तक पहुंच बढ़ाने की हिमायत करने में एक केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। बैंक समूह के विश्लेषणात्मक कौशलों और प्रचालन एवं देश संबंधी ज्ञान का प्रयोग कर बैंक ऐसे क्षेत्रों को चिह्नित करेगा जहां क्रमिक और पूर्वानुमेय वित्तपोषण के प्रवेश से परिणाम-केंद्रित राष्ट्रीय कार्यक्रमों को मदद मिल सकती है, और इस प्रकार आईडीए से होने वाले लाभ को और बढ़ाएगा। (देखें **www.worldbank.org/afr**.)

बॉक्स 2.2 व्यापार और निवेश के नए दक्षिण-दक्षिण मार्गों का लाभ उठाना

अफ्रीका और एशिया के बीच व्यापार और निवेश का प्रवाह-दक्षिण-दक्षिण वाणिज्य–में 2000 के बाद से जबर्दस्त बढ़ोत्तरी हुई है। विश्व बैंक द्वारा वर्ष 2007 में प्रकाशित *Africa's Silk Road* (*अफ्रीकी रेशम मार्ग*) के अनुसार, आज अफ्रीका से एशिया को होने वाला निर्यात संयुक्त राज्य और यूरोपीय संघ के साथ अफ्रीका के पारंपरिक वाणिज्य के लगभग बराबर हो चुका है। अफ्रीका को एशिया का निर्यात–जो लगभग 18 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से बढ़ रहा है–में किसी भी अन्य क्षेत्र के निर्यात की तुलना में ज्यादा तेजी से वृद्धि हो रही है। अफ्रीका में एशियाई प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी आसमान छू रहा है।

विश्व व्यापार और निवेश के इस सबसे नए चरण में, अफ्रीकावासी पीछे छूट जाने की गलती नहीं कर सकते, खासकर अगर परंपरागत साझेदारों के साथ व्यापार और निवेश के मौके सीमित रह जाते हैं। अफ्रीका और एशिया के दो बड़े देशों, चीन और भारत, के बीच व्यापार एक विराट अवसर प्रस्तुत करता है क्योंकि यह व्यापार प्राकृतिक संसाधनों से कहीं बढ़कर है और यह अफ्रीका के लिए इन देशों के वास्ते मालों और सेवाओं का प्रतिस्पर्द्धी प्रसंस्करणकर्ता बनने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। लेकिन अगर अफ्रीका को विकासशील विश्व के भीतर इन अवसरों का सक्रियता से लाभ उठाना है, तो यह अत्यावश्यक है कि ये देश न केवल अपनी सीमाओं पर सुधारों को जोर-शोर से लागू करें, बल्कि ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि "अपनी सीमाओं के भीतर" भी ऐसा ही करें। खासकर, उन्हें ऐसे सुधारों को अपनाना चाहिए जो घरेलू सुशासन को सुदृढ़ करें, घरेलू व्यवसायों के बीच प्रतिस्पर्द्धा को बढ़ावा दें, और लचीले श्रम एवं पूंजी बाजार सृजित करें।

तालिका 2.1

विश्व बैंक द्वारा अफ़्रीकी ऋणकर्ताओं को ऋणदान, विषय तथा सेक्टर के अनुसार वित्तीय वर्ष 2002–2007

मिलियन डॉलर में

विषय	2002	2003	2004	2005	2006	2007
आर्थिक प्रबंधन	138.7	37.8	68.0	46.5	31.4	94.6
पर्यावरणीय एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	159.9	227.0	195.2	217.2	250.6	212.0
वित्तीय एवं निजी क्षेत्र विकास	780.7	383.6	810.9	768.2	979.1	962.7
मानव विकास	739.0	811.4	618.2	620.2	673.3	1,104.5
सार्वजनिक क्षेत्र सुशासन	851.9	432.4	818.4	708.0	964.7	859.2
विधि शासन	22.5	34.5	28.3	30.9	179.7	13.1
ग्रामीण विकास	329.2	384.1	360.7	537.2	528.6	780.0
सामाजिक विकास, लिंग एवं भागीदारी	347.4	420.0	374.3	221.8	198.5	314.3
सामाजिक संरक्षण एवं जोखिम प्रबंधन	98.3	543.7	209.2	294.3	262.7	272.3
व्यापार एवं एकीकरण	46.4	37.2	371.5	232.0	413.1	449.7
शहरी विकास	279.6	425.5	261.1	211.4	304.9	734.5
विषय जोड़	**3,793.5**	**3,737.2**	**4,115.9**	**3,887.5**	**4,786.6**	**5,796.9**
सेक्टर						
कृषि, मत्स्य एवं वानिकी	210.4	303.4	268.5	215.3	585.5	369.7
शिक्षा	472.6	423.6	362.9	369.0	339.3	706.6
ऊर्जा व खनन	490.3	324.4	365.8	509.5	524.5	773.0
वित्त	192.8	67.2	165.7	68.6	142.3	26.3
स्वास्थ्य एवं अन्य सामाजिक सेवाएं	616.6	775.9	723.1	590.3	614.0	687.3
उद्योग एवं व्यापार	266.7	92.7	95.4	253.8	348.4	144.2
सूचना एवं संचार	33.8	41.4	52.9	20.0	5.0	146.0
कानून व न्याय एवं लोक प्रशासन	906.9	721.8	1,004.2	1,077.5	1,263.0	1,352.5
परिवहन	491.1	690.5	716.6	507.2	602.7	870.8
जल, साफ़-सफ़ाई एवं बाढ़ संरक्षण	112.2	296.3	360.8	276.2	361.9	720.5
सेक्टर जोड़	**3,793.5**	**3,737.2**	**4,115.9**	**3,887.5**	**4,786.6**	**5,796.9**
आईबीआरडी का हिस्सा	41.8	15.0	0.0	0.0	40.0	37.5
आईडीए का हिस्सा	3,751.6	3,722.2	4,115.9	3,887.5	4,746.6	5,759.4

टिप्पणी: वित्तीय वर्ष 2005 से प्रभावी, ऋणदान में गारंटी तथा गारंटी सुविधाएं शामिल हैं।

पूर्वी एशिया और प्रशांत

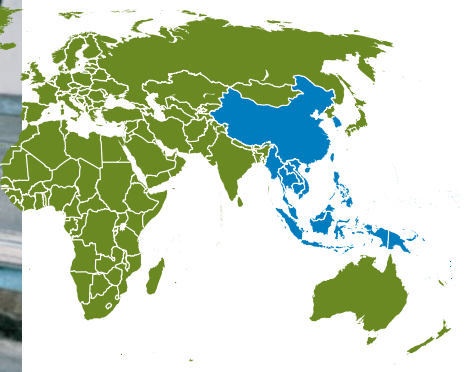

पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र में विश्व बैंक के सक्रिय ग्राहक देशों की वृद्धि 2005 के 9 प्रतिशत से बढ़कर 2006 में 9.5 प्रतिशत हो गई। इस क्षेत्र में सबसे तेज गति से वृद्धि कर रहा देश चीन है, जिसने वर्ष 2006 में 10.7 प्रतिशत की वृद्धि की—यह लगातार चौथा वर्ष है जबकि इसने 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की है। कंबोडिया, लाओ जन लोकतांत्रिक गणराज्य, मंगोलिया और वियतनाम ने भी तेजी से वृद्धि की, और उनके उत्पादन में 7.5–10.5 प्रतिशत तक वृद्धि हुई। इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलिपीन्स और थाइलैंड ने अपेक्षाकृत अधिक सामान्य, किंतु फिर भी 5–6 प्रतिशत की स्वस्थ वार्षिक दर से वृद्धि की। मालों की ज्यादा बढ़ी कीमतों के परिणामस्वरूप, पापुआ न्यू गिनी और प्रशांत क्षेत्र के कुछ द्वीपों में भी वृद्धि तेज हुई। राजनीतिक या सामाजिक अशांति ने तिमोर-लेस्ते और तोंगा में भविष्य की संभावना को नुकसान पहुंचाया।

इस क्षेत्र में निर्धनता में गिरावट जारी रही, 2 डॉलर प्रतिदिन से कम पर जीवन-यापन करने वाले लोगों की संख्या वर्ष 2006 में गिरकर, 55 करोड़, या इस क्षेत्र की आबादी के 30 प्रतिशत से कम रह गई। वर्ष 2001 से अब तक, प्रतिदिन 2 डॉलर से कम की रेखा पर जीवन-यापन करने वाले लोगों की संख्या में करीब 22.5 करोड़ की कमी आई है, जो कि वर्ष 1991–1996 के पिछले "उत्कर्ष काल" के दौरान आई गिरावट से भी अधिक है।

इस क्षेत्र के लिए बैंक की रणनीति व्यापक आधार वाली आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने, व्यापार और एकीकरण को प्रोत्साहित करने, सुशासन के लिए माहौल को बेहतर बनाने, सामाजिक स्थिरता को बढ़ाने, और एमडीजी प्राप्त करने में देशों की सहायता करने की है। इन लक्ष्यों की पूर्ति के लिए, बैंक ने वित्तीय वर्ष 2007 में क्षेत्र के लिए 4 अरब डॉलर की स्वीकृति दी, जिनमें 2.8 अरब के आईबीआरडी ऋण और 1.2 अरब डॉलर के आईडीए ऋण और अनुदान शामिल हैं। 2007 में कार्बन फाइनेंस ने 2.9 करोड़ डॉलर के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए।

सुशासन और निवेश के माहौल में सुधार

सुशासन और भ्रष्टाचार पर पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र में नए मार्ग प्रशस्त करने वाला काम जारी है, जिसमें देश की क्षमता निर्मित करने और सार्वजनिक संस्थानों के सुदृढ़ीकरण पर बल दिया गया है। इंडोनेशिया को दिया गया 60 करोड़ डॉलर का विकास नीति ऋण वहां की सरकार को जिन चार प्रमुख क्षेत्रों में और अधिक सुधार करने का अवसर दे रहा है, वे हैं: वृहत-आर्थिक स्थिरता और ऋण लेने के लिए सुयोग्य पात्रता, सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन और सुशासन, निवेश का माहौल और निर्धन लोगों के लिए सेवाएं। यह प्रचालन विश्व बैंक, जापान सरकार और

पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र—एक नज़र में

कुल जनसंख्या:	1.9 अरब
जनसंख्या की वृद्धि दर:	0.8%
जन्म पर आयु संभाविता:	71 वर्ष
प्रति 1000 जन्मों पर बाल मृत्यु संख्या:	26
लड़कियों की साक्षरता:	98%
2006 में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय:	$1,863
एचआईवी/एड्स के साथ जी रहे लोगों की संख्या:	24 लाख

टिप्पणी: जन्म पर आयु संभाविता, प्रति 1000 जीवित जन्मों पर बाल मृत्यु दर, तथा लड़कियों की साक्षरता 2005 के आंकड़े हैं; एचआईवी/एड्स के आंकड़े मई 2006 में यूएनएआईडीएस द्वारा प्रकाशित *वैश्विक एड्स महामारी की रिपोर्ट* पर आधारित हैं; अन्य संकेतकों को 2006 के विश्व विकास संकेतकों के डाटाबेस से लिया गया है।

कुल वित्तीय 2007

नई वचनबद्धताएं

आईबीआरडी 280.7 करोड़ डॉलर

आईडीए 123.7 करोड़ डॉलर

कुल वित्तीय 2007

संवितरण

आईबीआरडी 235.8 करोड़ डॉलर

आईडीए 85.3 करोड़ डॉलर

30 जून 2007 तक अमल में लाई जा रही परियोजनाओं का पोर्टफ़ोलियो: $18.9 अरब

विश्व बैंक के ऋण अर्ह देशों की सूची

कंबोडिया	किरिबाटी	मलेशिया	मंगोलिया	फ़िलिपीन्स	तिमोर-लेस्ते
चीन	कोरिया गणराज्य	मार्शल द्वीप	म्यांमार	समोआ	टौंगा
फ़ीजी	लाओ लोकतांत्रिक गणराज्य	माइक्रोनीशिया संघ राज्य	पलाउ	सोलोमन द्वीप	वानुआटू
इंडोनेशिया			पापुआ न्यू गिनी	थाईलैण्ड	वियतनाम

एशियाई विकास बैंक को एक साझा नीतिगत फ्रेमवर्क के इर्द-गिर्द एकत्र करता है।

फिलिपीन्स में, 25 करोड़ डॉलर का एक विकास नीति ऋण, प्रशासन को सुदृढ़ बनाने, बजट के क्रियान्वयन और न्यासी प्रदर्शन को सुधारने, तथा ऊर्जा क्षेत्र के वित्त का सुदृढ़ीकरण करने के द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के घाटे तथा देनदारी को कम करने में देश की उल्लेखनीय उपलब्धियों और आगे की कार्रवाई को समर्थन दे रहा है। फिलिपीन्स के लिए आठ वर्षों में यह पहला नीतिगत-विकास प्रचालन है।

इंडोनेशिया में, क्षेत्रीय और परियोजना स्तर पर भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए उपायों का अगला चरण विकसित किया जा रहा है। रणनीतिक सड़क सुधार परियोजना के तहत, न्यासी सुरक्षा उपायों का सुदृढ़ीकरण करने; सरकारी एजेंसियों, जिनमें उच्चतम लेखा-परीक्षा और राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसियां शामिल हैं, के साथ ताल-मेल बढ़ाने; और नागरिक समाज के समूहों द्वारा निगरानी करने के लिए बैंक सरकारों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है।

चीन के 120 शहरों में हुए निवेश के वातावरण के एक आकलन से पता चला कि उनमें स्थानीय सुशासन, निवेश के वातावरण और एक "सामंजस्यतापूर्ण समाज"—जो कि चीन की 11वीं राष्ट्रीय पंचवर्षीय योजना का उद्देश्य है—का लक्ष्य अर्जित करने की दिशा में हुई प्रगति में बहुत ज्यादा भिन्नता है। रिपोर्ट का निष्कर्ष था कि अपनी स्थानीय सरकारों को अधिक कुशल, पारदर्शी और निवेश-हितैषी बनाने से निवेश के लिए सबसे कमजोर वातावरण वाले शहरों को सबसे अधिक लाभ होगा।

स्वास्थ्य और मानव विकास में निवेश

वर्ष 2003 में दक्षिण-पूर्व एशिया में उभरे एवियन फ्लू ने इस क्षेत्र को रोग का वैश्विक प्रत्युत्तर देने की अगली कतारों में ला खड़ा कर दिया। वियतनाम, जहां बैंक ने पहली एवियन इंफ्लूएंजा आपात-स्थिति प्रत्युत्तर परियोजना को विकसित करने में सहायता दी थी, एक दूसरे प्रचालन, एवियन तथा मानव इंफ्लूएंजा नियंत्रण एवं तैयारी संबंधी परियोजना, के जरिए वैश्विक व्यवहारों को सूचित कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2007 में, चीन और इंडोनेशिया के लिए एवियन तथा मानव इंफ्लूएंजा सुविधा के जरिए बर्ड फ्लू संबंधी परियोजनाएं पूरी की गईं। कंबोडिया और मंगोलिया के लिए भी इससे मिलती-जुलती परियोजनाएं प्रस्तावित की गई हैं।

यह क्षेत्र बुनियादी शिक्षा की उपलब्धता को बढ़ाने की चुनौती से निपटने की दिशा में अच्छी प्रगति कर रहा है। अधिक तेजी से उन्नति कर रही वियतनाम जैसी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में, तृतीयक शिक्षा का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्द्धी क्षमता को बढ़ा सकती है।

वहनीय विकास को प्रोत्साहन

नए वहनीय विकास उपाध्यक्ष कार्यालय का सृजन आधारभूत संरचना, ग्रामीण और सामाजिक विकास परियोजनाओं के समर्थन में अधिक एकीकृत

चित्र 2.3

पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र

आईबीआरडी और आईडीए द्वारा ऋणदान, विषय के अनुसार। वित्तीय 2007

4 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

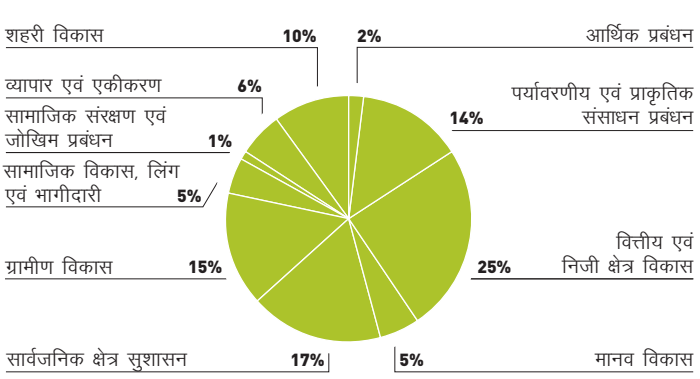

चित्र 2.4

पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र

आईबीआरडी और आईडीए द्वारा ऋणदान, सेक्टर के अनुसार। वित्तीय 2007

4 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

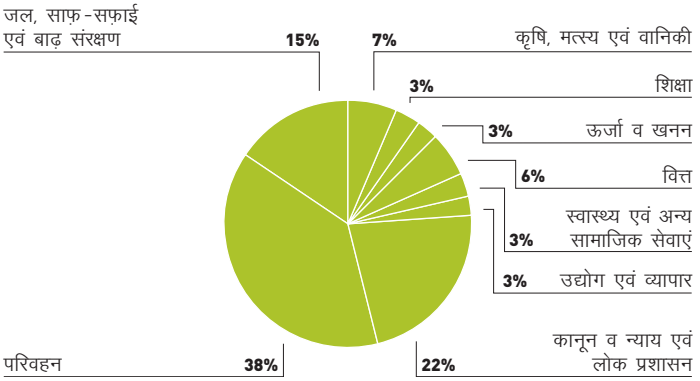

समर्थन देने की ग्राहक की मांग का प्रत्युत्तर देने की बैंक की वचनबद्धता को रेखांकित करता है।

प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन में, चीन में ग्वांगज़ी एकीकृत वानिकी परियोजना का लक्ष्य एक ऐसे देश में वनों का वहनीय प्रबंधन आरंभ करना है जिसने वनों के क्षेत्र को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया है लेकिन फिर भी इमारती लकड़ी की बढ़ती मांग के संकट से जूझ रहा है। ग्रामीण उपलब्धता के लिए अक्षय ऊर्जा परियोजना मंगोलिया में ग्रिड से दूर बसे ग्रामीण चरवाहों को नियमित और कम-खर्चीली बिजली उपलब्ध कराने में सहायता करेगी।

जलवायु परिवर्तन पर, कार्बन फाइनेंस पोर्टफोलियो, जो कि पिछले दो वर्षों में चीन की भागीदारी के परिणामस्वरूप तेजी से बढ़ा है, पूरे क्षेत्र में शोध और नीतिगत कार्य को समर्थन दे रहा है। पोर्टफोलियो की परियोजनाओं में से एक परियोजना किरिबाती–प्रशान्त महासागर के एक कम ऊंचाई वाले द्वीप राज्य–में स्थित है जहां बैंक बार-बार आने वाले तूफान और समुद्र के जलस्तर में बढ़ोत्तरी के खतरों से निपटने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। ज्यादा बड़े पैमाने पर, चीनी अर्थव्यवस्था के निरंतर बढ़ते जाने और ऊर्जा की मांग में वृद्धि होने के साथ, *Sustainable Energy in China: The Closing Window of Opportunity* (*चीन में वहनीय ऊर्जा: अवसर की बंद होती खिड़की*) शीर्षक अध्ययन समग्र ऊर्जा नीति की दिशा में एक मार्ग प्रस्तावित करता है।

साझेदारियों का निर्माण

अन्य क्षेत्रीय प्रदाताओं के साथ बैंक के मजबूत संबंध हैं, जिनमें एशियाई विकास बैंक, अंतर्राष्ट्रीय विकास हेतु आस्ट्रेलियाई एजेंसी, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग हेतु जापान बैंक, नीदरलैंड सरकार और यू.के. अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2007 में 2.6 अरब डॉलर के पोर्टफोलियो के साथ, पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र विश्व बैंक में न्यासी निधियों का सबसे बड़ा क्षेत्रीय उपयोगकर्ता है।

वर्ष 2004 में आई सुनामी के बाद अचेह में पुनर्निर्माण के कार्यों को समर्थन देने, बर्ड फ्लू का फैलाव रोकने के लिए कदम उठाने, और योग्याकार्ता में वर्ष 2006 में आए भूकंप के बाद आपातकालीन राहत और पुनर्निर्माण के कार्यों में सहायता प्रदान करने में बहुदाता न्यासी निधियों का सफलतापूर्वक प्रयोग किया गया।

विकास में भागीदारी को बढ़ावा

अगस्त 2006 में जारी किए गए एक नवोन्मेषी अध्ययन में, विश्व बैंक ने प्रशांत क्षेत्रीय द्वीपों के अकुशल श्रमिकों का मौसमी रोजगार के लिए पड़ोस की विकसित अर्थव्यवस्थाओं में आवागमन अधिक आसान बनाने की स्वीकृति दिए जाने की आवश्यकता को रेखांकित किया। यह रिपोर्ट लघु अर्थव्यवस्थाओं, सुदूर स्थितियों, बढ़ती युवा आबादी और नौकरियों में कम बढ़ोत्तरी की चुनौतियों से उबरने में सहायता के लिए प्रशांत क्षेत्रीय द्वीपों में श्रमिकों की गतिशीलता बढ़ाने की हिमायत करती है। रिपोर्ट के प्रकाशित होने के बाद, न्यूजीलैंड सरकार ने कई प्रशांत क्षेत्रीय द्वीप देशों के साथ श्रमिक गतिशीलता की एक अस्थाई पायलट योजना शुरू करने की घोषणा की।

विकास के एजेंडा में युवाओं को और बेहतर ढंग से भागीदार बनाने के लिए, बैंक और 30 से अधिक विकास साझेदारों –जिनमें यूनिसेफ, स्थानीय नागरिक समाज संगठन और संबंधित सरकारी मंत्रालय शामिल थे–ने समूचे क्षेत्र में यूथ ओपन स्पेस नामक संवाद सत्र आयोजित किए। लाओ जन लोकतांत्रिक गणराज्य, मंगोलिया, पापुआ न्यू गिनी, सिंगापुर, थाईलैंड और तिमोर-लेस्ते में विभिन्न मंचों ने युवा लोगों, जिनमें से अनेक हाशियाकृत समूहों से थे, को अपनी चिंताओं को प्रस्तुत करने तथा विकास के ऐसे दृष्टिकोण सुझाने का अवसर दिया जिन्हें वे प्रासंगिक तथा व्यावहारिक मानते हैं। (देखें **www.worldbank.org/eap**.)

तालिका 2.2

विश्व बैंक द्वारा पूर्व एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र के ऋणकर्ताओं को ऋणदान, विषय तथा सेक्टर के अनुसार वित्तीय वर्ष 2002–2007

मिलियन डॉलर में

विषय	2002	2003	2004	2005	2006	2007
आर्थिक प्रबंधन	4.8	29.7	0.0	87.0	78.7	82.5
पर्यावरणीय एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	102.3	232.3	432.2	446.9	396.4	565.0
वित्तीय एवं निजी क्षेत्र विकास	512.8	458.8	553.9	340.6	720.7	999.1
मानव विकास	226.4	152.7	164.6	184.6	543.7	213.4
सार्वजनिक क्षेत्र सुशासन	127.4	341.5	299.0	344.5	385.9	705.4
विधि शासन	20.3	7.3	67.3	45.8	13.4	0.0
ग्रामीण विकास	360.9	411.7	400.9	484.1	465.7	608.2
सामाजिक विकास, लिंग एवं भागीदारी	173.0	143.7	167.2	241.1	83.3	189.9
सामाजिक संरक्षण एवं जोखिम प्रबंधन	138.7	161.5	5.5	88.7	144.9	43.8
व्यापार एवं एकीकरण	43.3	138.0	82.9	126.5	112.1	233.0
शहरी विकास	63.6	233.6	399.2	493.5	456.9	403.7
विषय जोड़	**1,773.6**	**2,310.8**	**2,572.7**	**2,883.3**	**3,401.6**	**4,043.9**
सेक्टर						
कृषि, मत्स्य एवं वानिकी	151.2	106.7	290.4	207.9	373.3	268.6
शिक्षा	134.6	225.7	118.6	228.0	287.9	125.3
ऊर्जा व खनन	314.5	254.3	67.2	359.1	425.2	118.5
वित्त	219.2	22.7	49.0	213.1	197.6	230.1
स्वास्थ्य एवं अन्य सामाजिक सेवाएं	243.8	184.1	84.3	204.3	160.6	132.7
उद्योग एवं व्यापार	9.4	32.5	78.7	159.1	29.3	102.0
सूचना एवं संचार	11.1	6.6	0.0	5.0	5.3	0.0
कानून व न्याय एवं लोक प्रशासन	115.2	385.1	257.5	436.6	693.6	887.7
परिवहन	540.2	684.3	1,209.9	306.7	652.3	1,554.7
जल, साफ़-सफ़ाई एवं बाढ़ संरक्षण	34.4	408.7	417.1	763.7	576.5	624.3
सेक्टर जोड़	**1,773.6**	**2,310.8**	**2,572.7**	**2,883.3**	**3,401.6**	**4,043.9**
आईबीआरडी का हिस्सा	982.4	1,767.1	1,665.5	1,809.8	2,344.3	2,806.6
आईडीए का हिस्सा	791.2	543.7	907.2	1,073.6	1,057.2	1,237.4

टिप्पणी: वित्तीय वर्ष 2005 से प्रभावी, ऋणदान में गारंटी तथा गारंटी सुविधाएं शामिल हैं।

दक्षिण एशिया

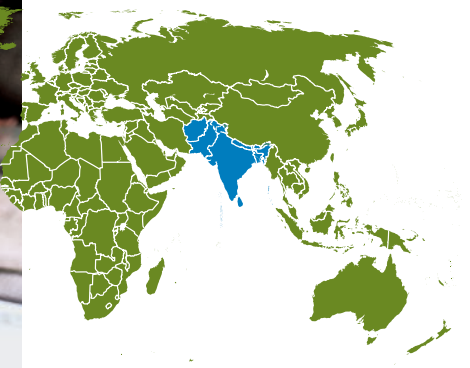

तीव्र आर्थिक वृद्धि और मानव विकास में प्रगति ने इस बात की संभावना बढ़ाई है कि निर्धन लोगों की अधिकतम संख्या वाला यह क्षेत्र एक पीढ़ी के भीतर व्यापक निर्धनता को समाप्त कर सकता है। घरेलू सुधारों और बाहरी सहायता के बाद, दक्षिण एशिया में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में पिछले दशक के दौरान औसतन लगभग 6 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि हुई है। दो सबसे बड़े देशों, भारत और पाकिस्तान, में वृद्धि पिछले दो वर्षों में 7 प्रतिशत तक पहुंच गई। अनुमान है कि वर्ष 2006 में, दक्षिण एशिया में जीडीपी में 8.2 प्रतिशत की अत्यंत तीव्र गति से बढ़ोत्तरी हुई।

वृद्धि के साथ ही निर्धनता में प्रभावशाली कमी आई है। 1990 के दशक में, निर्धनता की दर में भारत में 7 प्रतिशत, बंगलादेश में 9 प्रतिशत और नेपाल में 11 प्रतिशत की कमी आई। पाकिस्तान की निर्धनता दर में इस दशक के पहले अर्द्धांश के दौरान 5 प्रतिशत की कमी आई। लेकिन एक पीढ़ी के दौरान, निर्धनता समाप्त करने के लिए, दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाओं को 8–10 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर बनाए रखनी होगी।

दक्षिण एशिया में अब भी विश्व में सबसे अधिक मानवीय वंचना है। भारत में बाल कुपोषण का स्तर अफ्रीका के मुकाबले लगभग दोगुना है। पाकिस्तान में, दस में से एक बच्चे की पांच वर्ष की आयु से पहले ही मृत्यु हो जाती है और तीन में से केवल एक ही प्राथमिक स्कूल की पढ़ाई पूरी कर पाता है। दक्षिण एशिया में पांच में से लगभग एक व्यक्ति को जल सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं, और करीब दो-तिहाई साफ-सफाई के सुविधाओं से वंचित हैं।

लेकिन शायद सर्वाधिक मूलभूत चुनौती सुशासन में सुधार की आवश्यकता है। अनेक दक्षिण एशियाई देश भ्रष्टाचार की महामारी से ग्रस्त हैं, और बंगलादेश तो पिछले छहः दशक से 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' के भ्रष्टाचार बोध सूचकांक (सीपीआई) के सबसे निचले पायदानों पर आ रहा है। कमजोर शासन और भ्रष्टाचार–जो, उदाहरण के लिए, बड़ी संख्या में शिक्षकों के अनुपस्थित रहने या ऊर्जा संयंत्रों में खरीद की सर्वव्याप्त समस्याओं के रूप में परिलक्षित होते हैं–मानव विकास और वृद्धि की राह में प्रमुख रोड़े हैं। बंगलादेश, श्रीलंका और कुछ भारतीय राज्य टकरावपूर्ण और अक्सर व्यक्तित्व-आधारित राजनीति से ग्रस्त हैं, जो कभी-कभी तो राजनीतिक हिंसा के बिंदु तक पहुंच जाती है। अफगानिस्तान, नेपाल और पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में राज्य और गैर-राज्य कर्ताओं के बीच संघर्ष नियमित रूप से चलता रहता है।

विश्व बैंक साझा देशों की प्रमुख सुशासन प्रक्रियाओं और संस्थाओं को देश स्तर पर सुदृढ़ करने के साथ ही सेक्टर स्तर पर सुशासन और भ्रष्टाचार निवारण को मजबूत बनाने के लिए उनके साथ घनिष्ठतापूर्वक काम कर रहा है; यह बैंक द्वारा वित्तपोषित प्रचालनों में जोखिम कम करने

दक्षिण एशिया–एक नज़र में

कुल जनसंख्याः	1.5 अरब
जनसंख्या की वृद्धि दरः	1.5%
जन्म पर आयु संभाविताः	63 वर्ष
प्रति 1000 जन्मों पर बाल मृत्यु संख्याः	62
लड़कियों की साक्षरताः	63%
2006 में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आयः	$766
एचआईवी/एड्स के साथ जी रहे लोगों की संख्याः	60.2 लाख

कुल वित्तीय 2007

नई वचनबद्धताएं

आईबीआरडी 160 करोड़ डॉलर
आईडीए 403.2 करोड़ डॉलर

कुल वित्तीय 2007

संवितरण

आईबीआरडी 120.6 करोड़ डॉलर
आईडीए 304.3 करोड़ डॉलर

30 जून 2007 तक अमल में लाई जा रही परियोजनाओं का पोर्टफ़ोलियोः $20.7 अरब

टिप्पणीः जन्म पर आयु संभावित, प्रति 1000 जीवित जन्मों पर बाल मृत्यु दर, तथा लड़कियों की साक्षरता 2005 के आंकड़े हैं; एचआईवी/एड्स के आंकड़े मई 2006 में यूएनएआईडीएस द्वारा प्रकाशित *वैश्विक एड्स महामारी की रिपोर्ट* पर आधारित हैं; अन्य संकेतकों को 2006 के विश्व विकास संकेतकों के डाटाबेस से लिया गया है।

विश्व बैंक के ऋण अर्ह देशों की सूची

अफ़ग़ानिस्तान	बंगलादेश	भूटान	भारत	मालदीव	नेपाल	पाकिस्तान	श्रीलंका

को भी बल प्रदान कर रहा है। वैसे तो क्षेत्र में सभी देशीय रणनीतियों में सुशासन और भ्रष्टाचार निवारण अलग-अलग स्तर पर शामिल हैं, लेकिन बंगलादेश की रणनीति एक विशिष्ट स्थान रखती है, क्योंकि इसने सुशासन को एक प्रमुख अंतरव्याप्त विषयवस्तु बना दिया है जो उस देश में बैंक के समस्त कार्यों में एकीकृत है।

हालांकि दक्षिण एशिया के समक्ष मौजूद चुनौतियां भयावह लग सकती हैं, लेकिन वृद्धि करने और निर्धनता में कमी लाने की क्षेत्र की क्षमता यह बताती है कि उन्हें दूर किया जा सकता है, और विश्व बैंक इस प्रयास को समर्थन देने के लिए भलीभांति सज्जित है (देखें बॉक्स 2.3)।

विश्व बैंक सहायता

बैंक ने वित्तीय वर्ष 2007 में दक्षिण एशिया के लिए लगभग 5.6 अरब डॉलर स्वीकृत किए, जिसमें आईबीआरडी की ओर से 1.6 अरब डॉलर के ऋण, और आईडीए वचनबद्धताओं के 4 अरब डॉलर सहित 44.5 करोड़ डॉलर के अनुदान शामिल थे।

बैंक के कार्यकारी निदेशकों ने वित्तीय वर्ष 2007 में नेपाल के लिए एक नई अंतरिम रणनीति नोट पर चर्चा की। यह रणनीति शांति में संक्रमण के दौरान ऐतिहासिक अवसरों का लाभ उठाने में नेपाली लोगों की मदद करने में लचीलेपन पर जोर देती है।

वित्तीय वर्ष 2007 के दौरान, बैंक ने ग्रामीण विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य को समर्थन जारी रखा। नेपाल में लड़कियां, भूतपूर्व निम्न-जाति समूह, और जातीय अल्पसंख्यक द्वितीय उच्चतर शिक्षा परियोजना के लिए 6 करोड़ डॉलर के अनुदान से लाभान्वित होंगे। बैंक ने प्रजनन संबंधी और बाल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने, क्षय रोग से मृत्यु तथा रुग्णता कम करने, और कर्नाटक में अत्यावश्यक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रयोग में वृद्धि करने के लिए भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र को 67.2 करोड़ डॉलर का समर्थन भी दिया। इसने तृतीय राष्ट्रीय एचआईवी/एड्स नियंत्रण परियोजना के लिए 25 करोड़ डॉलर के ऋण द्वारा एचआईवी/एड्स का फैलाव रोकने के भारत के प्रयासों को समर्थन भी जारी रखा। यह परियोजना राष्ट्र भर में रोकथाम, देखभाल और उपचार के लिए हस्तक्षेप करने में सरकार की सहायता करेगी।

संघर्ष का सामना कर रहे श्रीलंका में, एक नई परियोजना शरणार्थी शिविरों में रह रहे 60,000 आंतरिक विस्थापित लोगों के लिए आवास संबंधी जरूरतें पूरी करेगी, सुरक्षित पेयजल और साफ-सफाई उपलब्ध कराएगी, जल-मल निकास सुविधाओं में सुधर करेगी, और भूमि स्वामित्व को नियमित करेगी। पाकिस्तान में, हाल ही में स्वीकृत बैंक की परियोजना का लक्ष्य जमीन के पट्टों की सुरक्षा में सुधार करना है, जो कि खासकर निर्धन लोगों के लिए भूमि और ऋण तक पहुंच बढ़ाएंगे, क्योंकि इनके अधिकार ज्यादातर अरक्षित ही हैं।

ऋणदान के अलावा, बैंक की रणनीति का एक प्रमुख अवयव इसका विश्लेषणात्मक और परामर्शदाता कार्य है। अफगानिस्तान की अफीम अर्थव्यवस्था पर हाल की एक रिपोर्ट का निष्कर्ष था कि नशीले पदार्थों के तस्करों के खिलाफ कार्रवाई भ्रष्टाचार से ग्रस्त रही है और नशीले पदार्थों के उद्योग को पहले से कम, अधिक शक्तिशाली, और राजनीतिक संबंध रखने वाले लोगों के इर्द-गिर्द सुदृढ़ होने से रोकने में असफल रही है। बैंक ने एक क्षेत्रीय एचआईवी/एड्स अध्ययन, बंगलादेश में एमडीजी की ओर प्रगति पर रिपोर्ट, और नेपाल में वित्त की उपलब्धता पर एक अध्ययन भी पूरा किया।

निवेश के लिए माहौल निर्मित करना

Doing Business in South Asia (*दक्षिण एशिया में व्यवसाय करना*) के 2006 के संस्करण में क्षेत्र के सभी आठ देशों के साथ ही बंगलादेश, भारत और पाकिस्तान के प्रमुख शहरों को भी शामिल किया गया। हालांकि क्षेत्र के दो सबसे बड़े देशों–भारत और पाकिस्तान–में व्यवसाय करना पहले से आसान हो गया, लेकिन 2005–06 में किसी भी अन्य दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्था ने व्यावसायिक नियम-विधानों में सुधार नहीं किया, जिसके कारण यह क्षेत्र वैश्विक सुधारों की गति की दृष्टि से अंतिम स्थान पर रहा।

विश्व बैंक क्षेत्र में निवेश के माहौल में मौजूद कमियों, जैसे कमजोर आधारभूत संरचना, अत्यधिक नियम-विधान, और भ्रष्टाचार पर ध्यान देने के लिए काम कर रहा है। अफगानिस्तान में, बैंक ने निवेश के माहौल और बिजली, पानी और दूरसंचार जैसे प्रमुख क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं में सुधार लाने के लिए 2.5 करोड़ डॉलर का अनुदान दिया। बंगलादेश में, बैंक ने बंगलादेश रेलवे को एक सुप्रबंधित, ग्राहक केंद्रित संगठन में रूपान्तरित करने की सरकारी योजना को समर्थन देने के लिए 4 करोड़ डॉलर का ऋण दिया।

दक्षिण एशिया में आधारभूत संरचना संबंधी नीतियों में सुधार जारी है। भारत सार्वजनिक-निजी साझेदारियों में 8 अरब डॉलर का प्रयोग करते हुए अपनी बंदरगाह एवं सड़क प्रणालियों का सुधार कर रहा है। बैंक ने पंजाब राज्य में सड़क नेटवर्क की बहाली और विस्तार के लिए 25 करोड़ डॉलर के ऋण से इस एजेंडा को समर्थन दिया।

विकास में भागीदारी को बढ़ावा देना

दक्षिण एशिया में भागीदारी के प्रति विश्व बैंक का रवैया यह है कि विकास संबंधी निर्णय लेने, संसाधनों को निर्देशित करने और उन्हें प्रभावित करने वाली परियोजनाओं में भूमिका निभाने के लिए सामुदायिक समूहों को अधिकार संपन्न बनाया जाए। इसका जोर समानता और विकास

चित्र 2.5

दक्षिण एशिया

आईबीआरडी और आईडीए द्वारा ऋणदान, विषय के अनुसार। वित्तीय 2007

5.6 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

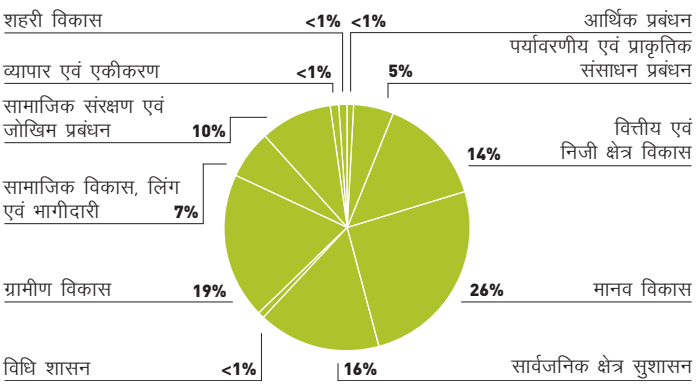

चित्र 2.6

दक्षिण एशिया

आईबीआरडी और आईडीए द्वारा ऋणदान, सेक्टर के अनुसार। वित्तीय 2007

5.6 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

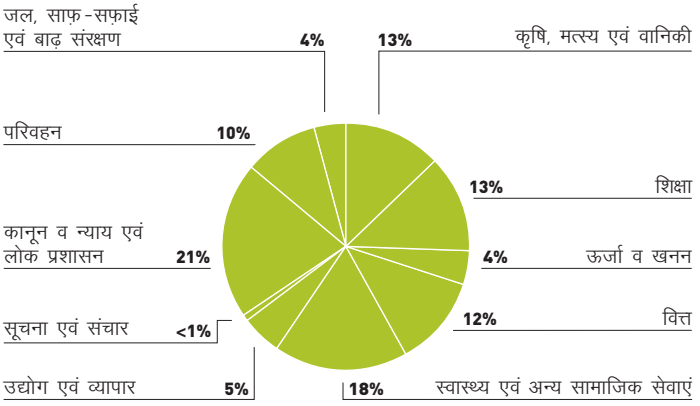

परियोजनाओं में निर्धनतर क्षेत्रों, समुदायों तथा परिवारों को शामिल करने पर है।

पाकिस्तान निर्धनता न्यूनीकरण निधि के अंतर्गत, करीब 10,000 सामुदायिक आधारभूत संरचना संबंधी परियोजनाएं पूरी की गई हैं, जो करीब 5,000 गांवों में 25 लाख से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित करती हैं। इनमें से आधी से अधिक परियोजनाएं सुरक्षित पेयजल या स्वच्छता उपलब्ध कराती हैं। वित्तीय वर्ष 2007 में, इस निधि को 8 अक्टूबर, 2005 को आए भूकंप से तबाह हुए इलाकों में घरों के पुनर्निर्माण के लिए 13.8 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त वित्तपोषण प्राप्त हुआ।

अफगानिस्तान में, बैंक ने समुदाय के नेतृत्व में चलने वाली पुनर्निर्माण एवं ग्रामीण आधारभूत संरचना संबंधी योजना, यानि द्वितीय राष्ट्रीय एकता कार्यक्रम, जो कि 2002 में अपनी स्थापना से अब तक करीब 1 करोड़ 40 लाख ग्रामीण लोगों –अफगानिस्तान की ग्रामीण जनसंख्या का 74 प्रतिशत–तक पहुंच चुका है, के लिए 12 करोड़ डॉलर का अनुदान स्वीकृत किया। गांव स्तर पर जल आपूर्ति और स्वच्छता, सिंचाई, ग्रामीण ऊर्जा, आजीविकाओं, और यातायात संबंधी आधारभूत ढांचे के क्षेत्रों में 17,000 परियोजनाओं के लिए 9,000 सामुदायिक विकास समितियों को एकमुश्त अनुदान मिले हैं।

भारत और पाकिस्तान में, बैंक ऐसे आजीविका कार्यक्रमों को समर्थन दे रहा है जो दसियों लाख निर्धन महिलाओं को सूक्ष्म ऋण और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करते हैं। आंध्र प्रदेश, भारत में बैंक द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं ने करीब 80 लाख महिलाओं को आय बढ़ाने, जीवन स्तर में सुधार करने, और यहां तक कि लगभग 630,000 स्व-सहायता समूहों में एकजुट होने के द्वारा राजनीतिक प्रभाव अर्जित करने में भी मदद की है। वित्तीय वर्ष 2007 में, इसी प्रकार के एक प्रचालन–6.3 करोड़ डॉलर की बिहार ग्रामीण आजीविका परियोजना–को स्वीकृति दी है। यह परियोजना राज्य में ग्रामीण निर्धन व्यक्तियों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण को समर्थन देने के लिए तैयार की गई है, और करीब 29 लाख लोगों के सीधे लाभान्वित होने की आशा है। (देखें **www.worldbank.org/sar.**)

बॉक्स 2.3 क्षेत्रीय एकीकरण की आशा

दक्षिण एशिया के पास वृद्धि का एक समृद्ध संभावित स्रोतः क्षेत्रीय एकीकरण मौजूद है। विश्व के सबसे कम एकीकृत क्षेत्र के भीतर एकीकरण बढ़ाने से इसके लोगों को जबर्दस्त लाभ प्राप्त हो सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच वार्षिक व्यापार, जो फिलहाल 1 अरब डॉलर होने का अनुमान है, 9 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। दुर्भाग्यवश, दक्षिण एशिया के भीतर व्यापार एकीकरण की दिशा में प्रगति धीमी रही है। हालांकि यह उपमहाद्वीप के भीतर मालों और सेवाओं के व्यापार को और खुला करने की हिमायत कर रहा है, खासकर राष्ट्रीय वाणिज्य एवं उद्योग चेंबरों के महासंघों जैसे निजी क्षेत्र के निकायों के साथ, लेकिन साथ ही विश्व बैंक ऊर्जा और पानी में क्षेत्रीय सहयोग पर भी ध्यान दे रहा है, जहां सभी पक्षों को होने वाले लाभों की संभावना और भी अधिक है।

विश्व भर में बैंक के राष्ट्रीय कार्यक्रमों की स्वतंत्र मूल्यांकन समूह द्वारा की गई समीक्षा में पाया गया कि वे विकास संबंधी बड़े परिणाम देने की संभावना से संपन्न हैं, लेकिन फिर भी ये कुल ऋणदान के 1 प्रतिशत से भी कम हैं और देशीय कार्यक्रमों से निकटता से नहीं जुड़े हैं। आईईजी ने इंगित किया कि बैंक क्षेत्रीय कार्यक्रमों में देशों की रुचि बढ़ाने और संसाधन जुटाने में प्रभावी रहा है, लेकिन आपस में टकराने वाले हितों का समाधान करने तथा बाहरी समर्थन समाप्त होने के बाद कार्यक्रमों की वहनीयता के लिए नियोजन करने में देशों की मदद करने के मामले में कम प्रभावी सिद्ध हुआ है। अधिक रणनीतिक रवैया देशों को अधिकतम संभावना वाले क्षेत्रीय दृष्टिकोण चिह्नित करने में मदद करेगा तथा बहुदेशीय प्रयासों के समर्थन में अंतर्राष्ट्रीय सहायता के ताने-बाने को मजबूत बनाएगा। इन कार्यक्रमों के लिए अधिक सहायता, तथा अनुभव से मिले सबकों पर अमल, का विकास पर अच्छा प्रभाव पड़ सकता है।

तालिका 2.3

विश्व बैंक द्वारा दक्षिण एशिया के ऋणकर्ताओं को ऋणदान, विषय तथा सेक्टर के अनुसार वित्तीय वर्ष 2002–2007

मिलियन डॉलर में

विषय	2002	2003	2004	2005	2006	2007
आर्थिक प्रबंधन	232.5	123.5	7.7	87.5	56.6	11.2
पर्यावरणीय एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	295.2	94.2	94.8	433.9	93.0	309.7
वित्तीय एवं निजी क्षेत्र विकास	381.6	689.1	689.9	923.0	550.4	809.9
मानव विकास	30.2	546.9	760.6	1,041.6	391.7	1,476.3
सार्वजनिक क्षेत्र सुशासन	678.0	467.3	669.8	639.5	597.9	916.6
विधि शासन	59.3	12.5	2.9	10.5	7.2	50.4
ग्रामीण विकास	417.2	403.7	314.1	1,132.5	568.6	1,095.5
सामाजिक विकास, लिंग एवं भागीदारी	414.2	197.3	642.8	265.3	366.9	372.5
सामाजिक संरक्षण एवं जोखिम प्रबंधन	164.0	184.4	98.6	337.0	472.3	550.5
व्यापार एवं एकीकरण	70.0	197.3	52.7	63.7	138.8	31.3
शहरी विकास	766.2	2.6	87.8	59.0	553.7	7.7
विषय जोड़	**3,508.4**	**2,918.7**	**3,421.6**	**4,993.3**	**3,797.2**	**5,631.6**
सेक्टर						
कृषि, मत्स्य एवं वानिकी	328.1	212.6	251.9	940.8	368.9	733.6
शिक्षा	95.9	364.6	665.8	286.4	377.2	724.7
ऊर्जा व खनन	504.8	150.6	130.8	83.6	483.0	243.7
वित्त	310.0	185.8	331.4	461.8	73.0	678.1
स्वास्थ्य एवं अन्य सामाजिक सेवाएं	278.7	369.0	334.6	493.2	195.9	1,006.2
उद्योग एवं व्यापार	443.1	144.9	46.1	485.2	306.5	292.9
सूचना एवं संचार	12.4	11.5	16.9	91.9	50.0	2.8
कानून व न्याय एवं लोक प्रशासन	632.5	372.3	925.5	885.7	1,101.4	1,165.8
परिवहन	758.1	1,067.6	444.8	1,181.0	520,1	559.9
जल, साफ़-सफ़ाई एवं बाढ़ संरक्षण	144.9	40.0	273.7	83.7	321.3	223.9
सेक्टर जोड़	**3,508.4**	**2,918.7**	**3,421.6**	**4,993.3**	**3,797.2**	**5,631.6**
आईबीआरडी का हिस्सा	893.0	836.0	439.5	2,095.9	1,231.0	1,599.5
आईडीए का हिस्सा	2,615.4	2,082.7	2,982.1	2,897.4	2,566.2	4,032.1

टिप्पणी: वित्तीय वर्ष 2005 से प्रभावी, ऋणदान में गारंटी तथा गारंटी सुविधाएं शामिल हैं।

यूरोप और मध्य एशिया

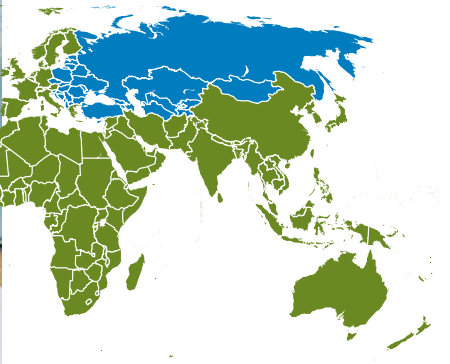

यूरोप और मध्य एशिया क्षेत्र संक्रमण की आरंभिक चुनौतियों से उबरने में मुख्यतः सफल रहा है। वर्ष 2006 में, अधिकांश देशों में ठोस आर्थिक वृद्धि हुई, और कुल मिलाकर क्षेत्र ने 7.3 प्रतिशत की दर से मजबूत वृद्धि की। तेल से प्राप्त राजस्व अज़रबैजान (34.5 प्रतिशत) और कज़ाकिस्तान (10.6 प्रतिशत) में वृद्धि के प्रमुख कारक थे, जबकि आर्मीनिया ने सुधार के एक महत्वाकांक्षी एजेंडा के क्रियान्वयन के चलते 13.4 प्रतिशत की दर से वृद्धि की।

अधिकांश देशों में ढांचागत सुधारों ने क्षेत्र की निरंतर सफलता को आगे बढ़ाया है। वर्ष 2007 के *Doing Business* (*व्यवसाय करना*) सर्वेक्षण के अनुसार, यूरोप और मध्य एशिया लगातार तीसरे वर्ष सुधार करने वाला दुनिया का सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र था, और इसके तीन देश—क्रोएशिया, जॉर्जिया और रोमानिया—सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले शीर्ष के 10 देशों में थे (बॉक्स 2.4)। क्षेत्र के अनेक देशों में यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ उनका एकीकरण ही सुधार प्रक्रिया की कुंजी रहा है। बल्गारिया और रोमानिया जनवरी 2007 में ईयू में शामिल हुए जिससे इसके सदस्य देशों की संख्या 27 हो गई। स्लोवेनिया इस ब्लॉक के 13वें सदस्य राज्य के रूप में यूरो क्षेत्र में शामिल हुआ, और एकीकरण से प्रेरित सुधारों के कारण एस्तोनिया, हंगरी, लातविया और लिथुआनिया वित्तीय वर्ष 2007 में आईबीआरडी स्तर के ऊपर उठ गए, जिसका अर्थ यह है कि ये देश अंतर्राष्ट्रीय सहायता से लाभान्वित होने वालों से बढ़कर विकास सहयोग में सक्रिय साझेदार बन गए हैं।

मजबूत वृद्धि के बावजूद क्षेत्र के सामने कठिन चुनौतियां बनी हुई हैं, जिनमें देशों के भीतर आय की भारी असमानताएं; तेजी से वृद्ध होती और घटती जनसंख्या; युवाओं की बेरोजगारी में कमी न आना; वैज्ञानिक और तकनीकी नवोन्मेष का अभाव; और कमजोर सार्वजनिक तथा कॉर्पोरेट सुशासन शामिल हैं, खासकर कम आय वाले देशों में। तीव्र वृद्धि वृहतआर्थिक असंतुलनों के प्रति अरक्षित होने की स्थितियों को बढ़ा रही है। अनेक देशों में बढ़ती निजी मांग और उधारी के विस्तार, तेल की ऊंची कीमतों और बढ़ते पूंजी प्रवाहों से अलग-अलग हद तक चालित, चालू खाते के घाटे के कारण ये देश बाजार में अचानक गिरावट आने की स्थिति में अधिक अरक्षित हो गए हैं। बड़ी मात्रा में विदेशी धन की आवक (जिसमें धनप्रेषण शामिल है) और बैंकिंग प्रणाली के तहत लिए गए ऋणों के परिणामस्वरूप कई क्षेत्रीय मुद्राओं का मूल्य बढ़ा है। यदि इस मूल्य वृद्धि के साथ-साथ उत्पादकता में वृद्धि नहीं होती है, तो इससे प्रतिस्पर्द्धी क्षमता में कमी आएगी। देशों को एचआईवी/एड्स, नशीले पदार्थों की लत, मानव तस्करी, प्राकृतिक आपदाओं, और पर्यावरणीय क्षरण के कारण उपस्थित खतरों को कम करने के लिए भी काम करना होगा।

यूरोप और मध्य एशिया—एक नज़र में

कुल जनसंख्या:	0.5 अरब
जनसंख्या की वृद्धि दर:	0%
जन्म पर आयु संभाविता:	69 वर्ष
प्रति 1000 जन्मों पर बाल मृत्यु संख्या:	27
लड़कियों की साक्षरता:	99%
2006 में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय:	$4,796
एचआईवी/एड्स के साथ जी रहे लोगों की संख्या:	15 लाख

कुल वित्तीय 2007

नई वचनबद्धताएं

आईबीआरडी 334 करोड़ डॉलर

आईडीए 42.2 करोड़ डॉलर

कुल वित्तीय 2007

संवितरण

आईबीआरडी 245.7 करोड़ डॉलर

आईडीए 48 करोड़ डॉलर

30 जून 2007 तक अमल में लाई जा रही परियोजनाओं का पोर्टफ़ोलियो: $16.7 अरब

टिप्पणी: जन्म पर आयु संभाविता, प्रति 1000 जीवित जन्मों पर बाल मृत्यु दर, तथा लड़कियों की साक्षरता 2005 के आंकड़े हैं; एचआईवी/एड्स के आंकड़े मई 2006 में यूएनएआईडीएस द्वारा प्रकाशित *वैश्विक एड्स महामारी की रिपोर्ट* पर आधारित हैं; अन्य संकेतकों को 2006 के विश्व विकास संकेतकों के डाटाबेस से लिया गया है।

विश्व बैंक के ऋण अर्ह देशों की सूची इस भाग में कोसोवो की जानकारियां भी रिपोर्ट की गई हैं।

अल्बेनिया
आर्मीनिया
आज़रबैजान
बेलारूस
बॉस्निया और हरज़ेगोविना
बुल्गारिया
क्रोएशिया
एस्टोनिया
जॉर्जिया
हंगरी*
कज़ाकिस्तान
किर्गीज़ गणराज्य
लात्विया*
लिथुआनिया**
मैसिडोनिया, पूर्व नाम मैसिडोनिया युगोस्लाव गणराज्य
मॉल्डोवा
मॉन्टीनीग्रो
पोलैण्ड
रोमानिया
रूस परिसंघ
सर्बिया
स्लोवाक गणराज्य
ताजिकिस्तान
तुर्की
तुर्कमेनिस्तान
यूक्रेन
उज़्बेकिस्तान

* वसंत 2007 की बैठकों में हंगरी और लात्विया ऋणग्राही स्तर से ऊपर उठ गए।

** सितंबर 2007 में लिथुआनिया ऋणग्राही स्तर से ऊपर उठ गया।

विश्व बैंक सहायता

विश्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2007 में, 3.8 अरब डॉलर का ऋणदान प्रदान किया (आईबीआरडी से 3.3 अरब डॉलर और आईडीए से 42.2 करोड़ डॉलर)। ऋणदान अनेक देशों में राजनीतिक अनिश्चितता के कारण वित्तीय वर्ष 2006 के स्तर से कुछ कम रहा। इसके अतिरिक्त, उल्लेखनीय संख्या में परामर्शदाता और विश्लेषणात्मक उत्पाद प्रदान किए गए: 100 आर्थिक एवं सेक्टर रिपोर्टें एवं नीति संबंधी टिप्पणियां तथा 84 तकनीकी सहायता गतिविधियां।

विश्व बैंक सहायता की अच्छी-खासी मात्रा नीति-आधारित ऋणदान, तकनीकी सहायता और प्रवजन एवं धनप्रेषण, जनांकिकी, श्रम गतिशीलता, सुशासन, और नवोन्मेष तथा प्रौद्योगिकी के अपनाए जाने जैसे क्षेत्रीय प्रमुख मुद्दों पर सेक्टर कार्यक्रमों के माध्यम से दी जाती है। विश्व बैंक रूसी परिसंघ और ईयू के नए सदस्यों जैसे देशों के विश्व बैंक की सहायता प्राप्त करने वालों से दाता देश बनने में संक्रमण को भी समर्थन दे रहा है।

देशों के इस विविधतापूर्ण समुच्चय के साथ काम करने के लिए, बैंक पारंपरिक और नवोन्मेषी दोनों प्रकार के उत्पाद प्रस्तुत करता है। आईडीए देशों में, बैंक अब भी विकास का एक महत्वपूर्ण साझेदार बना हुआ है। वर्ष 1991 के बाद से इसने आर्मीनिया को जो 101.25 करोड़ डॉलर प्रदान किए हैं, वे सोवियत शासन के बाद के गंभीर आर्थिक पक्षाघात से उबरने में इस देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण थे। असाधारण रूप से तीव्र वृद्धि—पिछले दशक के दौरान लगभग 10 प्रतिशत वार्षिक—ने संक्रमण के आरंभ के समय निर्धन लोगों की संख्या 55 प्रतिशत से घटाकर आज लगभग 30 प्रतिशत तक ले आने में आर्मीनिया की सहायता की है। बोस्निया और हर्जेगोविना में, आईडीए ने युद्ध से तबाह इस देश के लिए अभूतपूर्व सहायता जुटाने में यूरोपीय आयोग और अन्य दाताओं के साथ मिलकर काम किया है। आईडीए ने लगभग 1 अरब डॉलर के निवेश से देश के पुनर्निर्माण में सहयोग किया। इसने उत्प्रेरक और सुविधा प्रदाता के रूप में भी काम करते हुए, संयुक्त परियोजनाओं और प्रयासों के लिए विभिन्न स्थानीय पक्षों को साथ लाने में मदद की। इस प्रकार, आईडीए ने न केवल विशिष्ट परियोजनाओं के क्रियान्वयन में, बल्कि आम तौर पर, देश के भीतर सामाजिक मेल-मिलाप में भी योगदान किया है।

मध्य आय वाले देशों में, बैंक समूह ग्राहकों की मांग पर आधारित एकीकृत उत्पाद प्रदान कर रहा है, क्योंकि इनमें से अनेक देश उत्तरोत्तर ऋण लेने वालों से दाता देश के दर्जे में और ज्ञान प्राप्तकर्ता से ज्ञान प्रदाता की स्थिति में प्रवेश कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, कजाकिस्तान के साथ एक संयुक्त आर्थिक शोध कार्यक्रम को विस्तारित कर इसमें साझा लागत आधार पर परियोजना तैयार करने में सहायता को भी शामिल किया गया है। रूस में, विश्व बैंक ने एक सार्वजनिक-निजी साझेदारी को सेवा हेतु शुल्क आधार पर तकनीकी सहायता प्रदान की, जिसने सेंट पीटर्सबर्ग में एक सशुल्क मोटरवे परियोजना के लिए मिलकर काम किया। इस बीच, अपने वित्तीय मामलों के प्रबंधन में क्षेत्रीय एवं म्युनिस्पल कर्ताओं की क्षमता सुदृढ़ करने तथा निजी क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए देश में उपसंप्रभु ऋणदान में बैंक की भागीदारी को संघीय और क्षेत्रीय अधिकारियों से मजबूत समर्थन मिला है।

प्रमुख मुद्दों पर काम करना

रोजगार, व्यापार, क्षेत्रीय श्रम प्रवजन, और भ्रष्टाचार जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन अध्ययनों तथा परामर्शदात्री गतिविधियों के जरिए बैंक का विश्लेषणात्मक कार्य उच्च प्राथमिकता वाले विकास संबंधी विषयों पर ज्ञान में वृद्धि कर रहा है और नई बहसों की शुरूआत कर रहा है। हाल की नवीनतम फ्लैगशिप रिपोर्ट, *Migration and Remittances: Eastern Europe and the Former Soviet Union* (*प्रवजन एवं धनप्रेषण: पूर्वी यूरोप और पूर्व सोवियत संघ*) यह दर्शाती है कि यूरोप और मध्य एशिया की संक्रमणशील अर्थव्यवस्थाओं के भीतर और वहां से होने वाला प्रवजन उल्लेखनीय रहा है और इसमें वृद्धि जारी रहने की संभावना है। चक्रीय प्रवजन ढर्रों पर केंद्रित यह रिपोर्ट, क्षेत्र में प्रवजन नीतियों पर भी दृष्टिपात करती है और उनमें सुधार हेतु संस्तुतियां करती है।

सुशासन और भ्रष्टाचार अब भी क्षेत्र में सबसे बड़ी चिंताएं बनी हुई हैं। इन समस्याओं को संबोधित करने में नीति-निर्माताओं की मदद के लिए, विश्व बैंक के विशेषज्ञ भ्रष्टाचार के बोध को मापने के उद्देश्य से उद्यम सर्वेक्षण करते हैं। उनके निष्कर्ष उत्साहवर्द्धक हैं। *Anticorruption in Transition 3: Who is Succeeding . . . and Why* (*संक्रमणकाल में भ्रष्टाचार निवारण 3: कौन सफल हो रहा है . . . और क्यों*) शीर्षक रिपोर्ट यह बताती है कि अनेक देशों में व्यापक सुधार भ्रष्टाचार के अवसरों को कम कर रहे हैं और वास्तविक परिणाम दर्शा रहे हैं, क्योंकि फर्मों ने रिश्वत की मात्रा और रिश्वतखोरी की बारंबारता दोनों में कमी की जानकारी दी है। फिर भी, सभी देशों में या सभी सेक्टरों में भ्रष्टाचार कम नहीं हो रहा है, और सफलतम सुधारकर्ताओं के यहां भी पश्चिमी यूरोप की तुलना में अधिक भ्रष्टाचार मौजूद है। बैंक अपनी सुशासन एवं भ्रष्टाचार निवारण रणनीति के फ्रेमवर्क के भीतर सुधार प्रक्रिया को बल प्रदान करने और तेज करने में क्षेत्रीय सरकारों का समर्थन करता है।

बैंक का वार्षिक ज्ञान अर्थव्यवस्था फोरम अधिकाधिक ज्ञान-आधारित बनने में यूरोप और मध्य एशिया के देशों के संक्रमण में उनकी सहायता कर रहा है। यदि क्षेत्र को पश्चिमी यूरोप, संयुक्त राज्य अमेरिका और दक्षिण

चित्र 2.7

यूरोप और मध्य एशिया

आईबीआरडी और आईडीए द्वारा ऋणदान, विषय के अनुसार। वित्तीय 2007

3.8 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

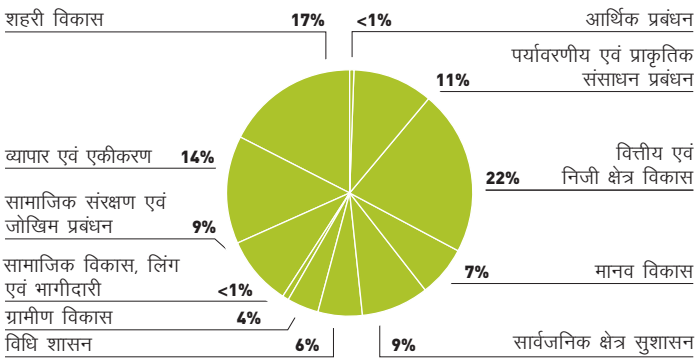

चित्र 2.8

यूरोप और मध्य एशिया

आईबीआरडी और आईडीए द्वारा ऋणदान, सेक्टर के अनुसार। वित्तीय 2007

3.8 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

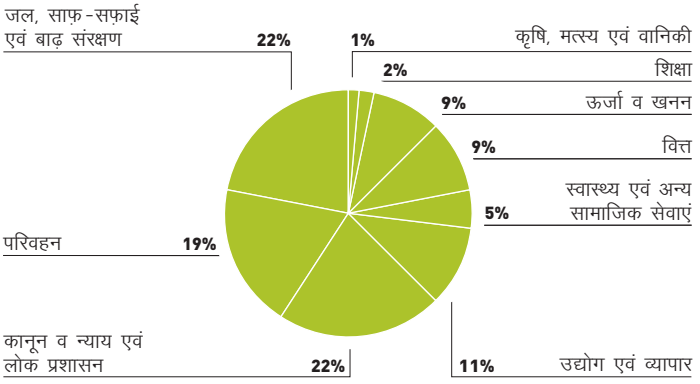

तथा पूर्वी एशिया के मुकाबले प्रतिस्पर्द्धी क्षमता में अंतर को कम करना है तो ज्ञान, नवोन्मेष और प्रौद्योगिकी को अपनाए जाने में सुधार अतिमहत्वपूर्ण है। हालांकि इस क्षेत्र को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की एक मजबूत परंपरा प्राप्त है, जिसे एक प्रमुख तुलनात्मक लाभ प्रदान करना चाहिए, परंतु यह क्षमता नवोन्मेष में रूपांतरित नहीं हो रही है। अधिकांश क्षेत्र में शोध एवं विकास पर औसत व्यय जीडीपी के 1 प्रतिशत से कम है—यूरोपीय संघ के 3 प्रतिशत के लक्ष्य से काफी नीचे—और नवोन्मेष का मौजूदा आधारभूत ढांचा अकुशल है तथा इसका कम उपयोग होता है और यह निजी क्षेत्र की आवश्यकताओं पर लक्षित नहीं है।

आगे की राह

क्षेत्र के देशों के सामने अब भी चुनौतीपूर्ण विकास के एजेंडे मौजूद हैं, और विश्व बैंक भविष्य में अनेक क्षेत्रों में सहायता प्रदान करेगा। ईयू के नए और उम्मीदवार देशों को बैंक का समर्थन जनांकिकी परिवर्तनों (बढ़ती वृद्धावस्था, युवाओं की बेरोजगारी, और प्रवजन) की पृष्ठभूमि में सम्मिलन के एजेंडा के साथ ही, उत्पादकता में वृद्धि और वित्तीय वहनीयता से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित रहने का अनुमान है। शेष क्षेत्र में, बैंक मोटे तौर पर निर्धनतर देशों को मध्य आय के दर्जे तक आगे बढ़ने में मदद करने और ऐसे देशों का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करेगा जो अब आईडीए वित्तपोषण की पात्रता नहीं रखते लेकिन गैर-रियायती शर्तों पर ऋण लेने के लिए आवश्यक ऋण योग्यता से वंचित हैं (अंतर वाले देश)। यह देशों को संसाधन समृद्धि की अनूठी चुनौतियों (जैसे कि "डच डिजीज़") का सामना करने में भी मदद करेगा। क्षेत्रीय स्तर पर, बैंक वित्तीय प्रणालियों, जलवायु परिवर्तन, और संचारी रोगों पर ध्यान केंद्रित करेगा, और यह वैश्वीकरण का लाभ उठाने में समाजों की सहायता करेगा। (देखें **www.worldbank.org/eca.**)

बॉक्स 2.4 जॉर्जिया और रोमानिया में व्यवसाय करना अधिक आसान हुआ

Doing Business 2007: How to Reform (*व्यवसाय करना 2007: सुधार कैसे करें*) के अनुसार, 2006 में विश्व में सुधार करने वालों में जॉर्जिया का प्रथम स्थान था। इसने नया व्यवसाय आरंभ करने के लिए आवश्यक न्यूनतम पूंजी को लगभग 850 डॉलर से घटाकर लगभग 85 डॉलर कर दिया, इसने व्यावसायिक पंजीकरणों को 20 प्रतिशत बढ़ा दिया, इसने सीमावर्ती प्रक्रियाओं को सरलीकृत किया, और इसने निर्यात हेतु समस्त प्रशासनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आवश्यक दिनों की संख्या को 2004 के 54 दिनों से घटाकर 2006 में 13 कर दिया। दूसरे स्थान पर रहे रोमानिया ने भवन निर्माण के परमिट प्राप्त करने की प्रक्रियाओं को सरल बनाया, आवेदनों को प्रसंस्कृत करने के लिए एक एकल कार्यालय स्थापित किया, निर्माण संबंधी दस्तावेज प्राप्त करने के लिए आवश्यक समय में 49 दिनों की कमी की, आवधिक अनुबंधों को छह वर्ष तक बढ़ाने वाले नए श्रम विधान लागू किए, और सीमाओं के आर-पार व्यापार को आसान बनाया।

तालिका 2.4

विश्व बैंक द्वारा यूरोप तथा मध्य एशिया के ऋणकर्ताओं को ऋणदान, विषय तथा सेक्टर के अनुसार वित्तीय वर्ष 2002–2007

मिलियन डॉलर में

विषय	2002	2003	2004	2005	2006	2007
आर्थिक प्रबंधन	636.1	19.5	242.0	17.4	4.6	5.7
पर्यावरणीय एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	157.5	122.7	309.4	394.4	148.8	397.6
वित्तीय एवं निजी क्षेत्र विकास	2,210.8	483.3	950.2	933.9	1,461.1	823.6
मानव विकास	138.3	550.4	297.1	539.4	360.3	258.3
सार्वजनिक क्षेत्र सुशासन	1,313.7	317.7	895.1	272.3	589.1	328.8
विधि शासन	106.6	289.8	132.3	66.8	401.6	230.4
ग्रामीण विकास	309.9	194.9	117.4	161.5	238.5	150.1
सामाजिक विकास, लिंग एवं भागीदारी	188.8	55.9	33.9	246.6	95.1	23.2
सामाजिक संरक्षण एवं जोखिम प्रबंधन	363.9	288.5	305.3	668.8	335.9	346.7
व्यापार एवं एकीकरण	32.5	130.6	182.6	424.4	226.6	539.5
शहरी विकास	65.4	216.7	93.6	368.0	183.0	658.2
विषय जोड़	**5,523.6**	**2,670.0**	**3,559.1**	**4,093.5**	**4,044.6**	**3,762.2**
सेक्टर						
कृषि, मत्स्य एवं वानिकी	470.4	335.4	168.6	107.0	117.9	53.4
शिक्षा	83.2	395.0	164.0	263.8	126.7	81.9
ऊर्जा व खनन	218.0	262.9	352.2	657.9	1,108.3	337.6
वित्त	1,284.9	195.8	836.9	259.1	374.5	353.5
स्वास्थ्य एवं अन्य सामाजिक सेवाएं	524.7	415.3	244.3	484.9	339.9	192.9
उद्योग एवं व्यापार	552.1	269.0	126.3	253.5	274.8	395.5
सूचना एवं संचार	9.6	1.0	7.0	10.9	0.0	0.0
कानून व न्याय एवं लोक प्रशासन	2,181.9	698.9	1,176.8	1,160.6	1,271.7	812.6
परिवहन	67.1	30.6	321.2	557.9	416.7	712.3
जल, साफ़-सफ़ाई एवं बाढ़ संरक्षण	131.7	66.3	162.0	337.9	14.2	822.4
सेक्टर जोड़	**5,523.6**	**2,670.0**	**3,559.1**	**4,093.5**	**4,044.6**	**3,762.2**
आईबीआरडी का हिस्सा	4,894.7	2,089.2	3,012.9	3,588.6	3,531.9	3,340.1
आईडीए का हिस्सा	628.9	580.8	546.2	504.9	512.8	422.1

टिप्पणी: वित्तीय वर्ष 2005 से प्रभावी, ऋणदान में गारंटी तथा गारंटी सुविधाएं शामिल हैं।

लातिनी अमेरिका और कैरिब्बियन

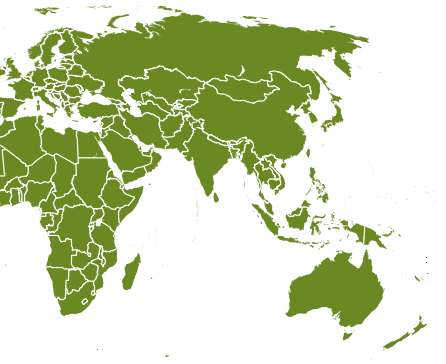

लातिनी अमेरिका और कैरिब्बियन देशों में 2006 में 5.4 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई और पिछले तीन वर्षों का रुझान जारी रहा, जिस दौरान वृद्धि दरें 1970 के दशक के उत्तरार्द्ध के बाद से सबसे ऊंची रही हैं। वृद्धि की राह पर इस वापसी के साथ काफी रोजगार सृजन किया गया है, और अधिकांश देश इस अच्छे समय का लाभ उठाकर वृहतआर्थिक कमजोरियों को कम कर रहे हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था के धीमा पड़ने के अनुमान और कुछ मालों के मूल्य में गिरावट की संभावना के परिणामस्वरूप वर्ष 2007 में वृद्धि दर 4.7 प्रतिशत रहने की आशा है। वृद्धि की अधिक दीर्घकालिक संभावनाओं को लेकर सावधानीपूर्ण आशावाद बना हुआ है।

यह क्षेत्र अब भी यह सुनिश्चित करने की चुनौती से जूझ रहा है कि वृद्धि तेज हो और साथ ही इसके लाभ निर्धनतम नागरिकों तक पहुंचें। इस मुख्यतः मध्य आय वाले क्षेत्र में असमानता विश्व में सर्वाधिक असमानताओं में से एक है, और जनसंख्या के सबसे धनी 10 प्रतिशत हिस्सों के पास कुल आय का 41 प्रतिशत है जबकि निर्धनतम 10 प्रतिशत के पास केवल 1 प्रतिशत है। निर्धनता में कमी लाने में ठहराव आ गया है, और क्षेत्र के 4.7 करोड़ लोग—जनसंख्या के 8 प्रतिशत से अधिक—अब भी अत्यधिक निर्धनता में जी रहे हैं।

लातिनी अमेरिका और कैरिब्बियन देशों के लिए विश्व बैंक का वित्तपोषण वित्तीय वर्ष 2007 में 4.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इसमें आईबीआरडी ऋणदान के रूप में 4.4 अरब डॉलर, आईडीए उधार के रूप में 13.2 करोड़ डॉलर, और आईडीए अनुदान के रूप में 6.8 करोड़ डॉलर शामिल है। अर्जेंटीना, ब्राज़ील, कोलंबिया और पेरू सबसे अधिक ऋण लेने वाले देश थे, जिन्हें सार्वजनिक स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना, शिक्षा और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में 26 परियोजनाओं के लिए बैंक से 3.6 अरब डॉलर ऋणदान प्राप्त हुआ। हैती वित्तीय वर्ष 2007 में अभिवर्द्धित अत्यंत कर्जदार निर्धन देश (एचआईपीसी) पहलकदमी के निर्णय बिंदु तक पहुंच गया, और इस प्रकार लगभग 21.29 करोड़ डॉलर की ऋण राहत प्राप्त करने के योग्य हो गया (देखें "ऋण राहत", अध्याय 3)।

क्षेत्र की विविध आवश्यकताओं के अनुरूप सहायता प्रदान करना

विश्व बैंक ने अपनी क्षेत्रीय रणनीति को लातिनी अमेरिका और कैरिब्बियन में अपने साझेदार देशों की उत्तरोत्तर अधिक विविधतापूर्ण और परिष्कृत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बदला है। मध्य आय वाले देशों के लिए, बैंक विश्लेषण एवं परामर्श, देशीय संवाद, वित्तपोषण और क्रियान्वयन समर्थन सहित सेवाओं का एक एकीकृत पैकेज प्रस्तुत करता है। आईडीए देशों के लिए बैंक रियायती वित्तपोषण, दाताओं के बीच समन्वय और भंगुर राज्यों के लिए विशेषीकृत समर्थन प्रदान करता है।

लातिनी अमेरिका और कैरिब्बियन—एक नज़र में

कुल जनसंख्याः	0.6 अरब
जनसंख्या की वृद्धि दरः	1.3%
जन्म पर आयु संभावितः	72 वर्ष
प्रति 1000 जन्मों पर बाल मृत्यु संख्याः	26
लड़कियों की साक्षरताः	96%
2006 में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आयः	$4,767
एचआईवी/एड्स के साथ जी रहे लोगों की संख्याः	19 लाख

कुल वित्तीय 2007

नई वचनबद्धताएं

आईबीआरडी 435.5 करोड़ डॉलर
आईडीए 20 करोड़ डॉलर

कुल वित्तीय 2007

संवितरण

आईबीआरडी 352.5 करोड़ डॉलर
आईडीए 15.8 करोड़ डॉलर

30 जून 2007 तक अमल में लाई जा रही परियोजनाओं का पोर्टफ़ोलियोः $16.8 अरब

टिप्पणीः जन्म पर आयु संभावित, प्रति 1000 जीवित जन्मों पर बाल मृत्यु दर, तथा लड़कियों की साक्षरता 2005 के आंकड़े हैं; एचआईवी/एड्स के आंकड़े मई 2006 में यूएनएआईडीएस द्वारा प्रकाशित *वैश्विक एड्स महामारी की रिपोर्ट* पर आधारित हैं; अन्य संकेतकों को 2006 के विश्व विकास संकेतकों के डाटाबेस से लिया गया है।

विश्व बैंक के ऋण अर्ह देशों की सूची

ऐंटिहुआ एवं बार्बूडा	कोलंबिया	ग्रेनाडा	मेक्सिको	सेंट लूशिया	वेनेजुएला, रेपुब्लिका बोलिवारियाना दे
अर्जेन्टीना	कोस्ता रीका	ग्वाटेमाला	निकरागुआ	सेंट विंसेन्ट एवं ग्रेनाडीन्स	
बेलीज़	डोमिनिका	गियाना	पनामा	सुरिनाम	
बोलीविया	डोमिनिकन गणराज्य	हैती	पैराग्वे	ट्रिनिडैड एवं टोबेगा	
ब्राज़ील	इक्वाडोर	होंडुरास	पेरू	उरूग्वे	
चिले	अल साल्वाडोर	जमायका	सेंट किट्स एवं नेविस		

मेक्सिको में, मांग में बदलाव के प्रत्युत्तर में, बैंक ने अपनी साझेदारी रणनीति को समायोजित कर पारंपरिक ऋणदान सेवाएं प्रदान करने के बजाय गैर-ऋणदान उत्पाद जैसे नीतिगत विश्लेषण और पर्यावरणीय परियोजनाओं हेतु अनुदान प्रदान करना शामिल किया। इसने उपराष्ट्रीय सरकारों को समर्थन देने के नए तरीके भी खोजे। विशिष्ट चुनौतियों का सामना कर रहे बोलीविया, हैती, और होंडुरास जैसे कम आय वाले देशों में बैंक की नई रणनीतियां आर्थिक सुशासन को मजबूत बनाने, निर्धनों के लिए रोजगार सृजित करने और बुनियादी सेवाओं में सुधार करने के कार्यक्रमों को समर्थन देंगी।

वृद्धि और रोजगार सृजन को तेज करना

उच्च और वहनीय वृद्धि प्राप्त करने और रोजगार सृजित करने के लिए, क्षेत्र के लिए आवश्यक है कि वह निवेश को प्रोत्साहित करे तथा वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्द्धी बना रहे। इसलिए बैंक समर्थन की प्राथमिकताओं में व्यावसायिक माहौल में सुधार करना, वित्तीय प्रणालियों को गहरा बनाना, निर्यात के ढांचों को विविधीकृत करना और नवोन्मेष को प्रोत्साहित करना शामिल है।

वित्तीय वर्ष 2007 में नए ऋणदान में व्यावसायिक उत्पादकता और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए कोलंबिया को 30 करोड़ डॉलर का ऋण, मध्यम और बड़े शहरों में परिवहन व्यवस्थाएं सुधारने के लिए कोलंबिया को 20.7 करोड़ डॉलर का ऋण, बेरोजगार और निर्धन मजदूरों को रोजगार पाने के लिए आवश्यक कौशल हासिल करने में सहायता हेतु अर्जेंटीना को 20 करोड़ डॉलर का ऋण, और वित्तीय प्रबंधन सुधारने में मदद के लिए पेरू को 20 करोड़ डॉलर का ऋण शामिल है। ब्राजील में, बैंक ने मिनास गेराएस प्रांत को अपनी वित्तीय स्थिति सुधारने में बड़ी सफलता हासिल करने में मदद की, यह एक ऐसा अनुभव था जिसका ब्राजील के अन्य प्रांतों द्वारा अध्ययन किया जा रहा है और अपनाया जा रहा है।

क्षेत्र की प्रतिस्पर्द्धी क्षमता के लिए आधारभूत संरचना में सुधार अत्यंत महत्वपूर्ण है, यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें बैंक ने वित्तीय वर्ष 2007 में 1.7 अरब डॉलर प्रदान किए। अर्जेंटीना के साथ विस्तारित निवेश साझेदारी के एक भाग के रूप में, बैंक ने देश भर में सड़कों के ढांचे में सुधार के लिए लगभग 0.7 अरब डॉलर के ऋण स्वीकृत किए।

वित्तीय वर्ष 2007 में अनुसंधान ने क्षेत्र के नागरिकों की प्रमुख चिंताओं, जैसे रोजगार सुरक्षा, निर्धनता और अपराध एवं हिंसा, को संबोधित किया। लातिनी अमेरिका में अनौपचारिकता पर एक रिपोर्ट ने अनौपचारिक क्षेत्र की प्रकृति और कामगारों, फर्मों तथा नीति-निर्माताओं के लिए इसके परिणामों का परीक्षण किया। धनप्रेषण पर एक अध्ययन ने पाया कि जीडीपी के भाग के रूप में धनप्रेषण में प्रत्येक 1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ, निर्धनता में जी रही जनसंख्या में 0.4 प्रतिशत की मामूली कमी आती है। चीन और भारत की वृद्धि को क्षेत्र के प्रत्युत्तर पर एक रिपोर्ट में पाया गया कि कुछ देशों और उद्योगों पर विपरीत प्रभाव के बावजूद एशिया से प्रतिस्पर्द्धा का कुल मिलाकर क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। एक और रिपोर्ट में कैरिब्बियन देशों में अपराध और हिंसा के आर्थिक प्रभावों को चिह्नित किया गया तथा नीतिगत प्रत्युत्तर सुझाए गए। मेक्सिको में प्रतिस्पर्द्धी क्षमता पर अनुसंधान ने हावर्ड विश्वविद्यालय द्वारा सह-प्रायोजित सम्मेलन "मेक्सिको में उच्च वृद्धि के लिए समानता और प्रतिस्पर्द्धा" पर बहस में योगदान किया।

निर्धनता और असमानता को कम करना

लातिनी अमेरिका और कैरिब्बियन में निर्धनता में तीव्रता से कमी करने के लिए सभी नागरिकों के लिए समान अवसर सृजित करना बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए, विश्व बैंक पूरे क्षेत्र के देशों के साथ मिलकर सार्वभौमिक और कम खर्चीली सामाजिक सुरक्षा विकसित करने के लिए; प्रत्यक्षतः निर्धनता कम करने वाले कार्यक्रमों को समर्थन देने के लिए; और शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सार्वजनिक आधारभूत ढांचे की उपलब्धता बढ़ाने के लिए काम कर रहा हैं।

वित्तीय वर्ष 2007 में प्रमुख नए ऋणदान में सरकार के स्वास्थ्य कार्यक्रम के विस्तार के लिए अर्जेंटीना को 30 करोड़ डॉलर का ऋण शामिल है। प्लान नेसर नाम का यह कार्यक्रम बीमारहित मांओं और बच्चों के लिए बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में मदद कर रहा है। कोलंबिया को 20 करोड़ डॉलर का ऋण 1.37 करोड़ निर्धन लोगों को स्वास्थ्य बीमा कवरेज के दायरे में लाने तथा 400,000 बच्चों को पोषण कार्यक्रम उपलब्ध कराने में मदद कर रहा है। पेरू में 15 करोड़ डॉलर का विकास नीति ऋण प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण में मानक निर्धारित करने तथा लक्ष्य तय करने में मदद करेगाा ताकि परिवार अपने बच्चों की प्रगति को बेहतर ढंग से माप सकें। यह कार्यक्रम बैंक की RECURSO (रिकर्सो) रिपोर्ट की सिफ़ारिशों पर आधारित है, जिसने पेरू के राष्ट्रपति चुनावों के लिए प्रचार के दौरान सामाजिक क्षेत्रों में अधिक जवाबदेही की आवश्यकता को लेकर एक जीवंत बहस छेड़ दी थी।

विश्व बैंक स्थानीय स्तर पर समान अवसरों को भी समर्थन दे रहा है। उदाहरणार्थ, मध्य अमेरिका में बाल कुपोषण पर बैंक द्वारा प्रायोजित एक कार्यशाला ने समुदाय-आधारित बाल पोषण कार्यक्रमों के परिणामों में सुधार लाने पर बहस को प्रेरित किया। सबसे प्रभावशाली लाभ अटलांटिक क्षेत्र में प्राप्त किए गए, जो कि मूलनिवासियों की एक बड़ी आबादी वाला निर्धन क्षेत्र है।

चित्र 2.9

लातिनी अमेरिका और कैरिब्बियन

आईबीआरडी और आईडीए द्वारा ऋणदान, विषय के अनुसार। वित्तीय 2007

4.6 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

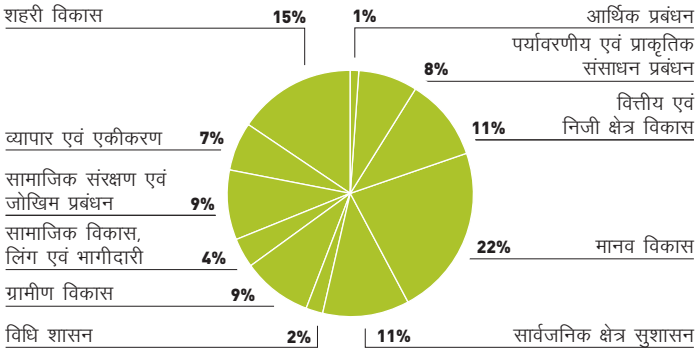

चित्र 2.10

लातिनी अमेरिका और कैरिब्बियन

आईबीआरडी और आईडीए द्वारा ऋणदान, सेक्टर के अनुसार। वित्तीय 2007

4.6 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

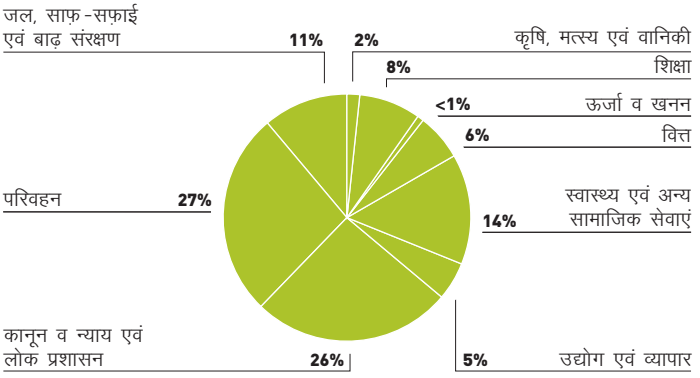

सुशासन को सुदृढ़ करना

देशों की प्रणालियों को सुदृढ़ करने, सेवा प्रदाय की जवाबदेही को सुधारने, और परिणामों की निगरानी तथा मूल्यांकन के लिए समर्थन के जरिए विश्व बैंक लातिनी अमेरिका के देशों को सुशासन को बढ़ावा देने और भ्रष्टाचार कम करने के प्रभावी एवं वहनीय रास्ते विकसित करने में मदद कर रहा है। ग्वाटेमाला में, बैंक 10 करोड़ डॉलर के विकास नीति ऋण के द्वारा सार्वजनिक वसूली और वित्तीय प्रबंधन को अधिक पारदर्शी तथा कुशल बनाने के सरकार के प्रयासों को समर्थन दे रहा है। होंडुरास में, बैंक विकेंद्रीकृत क्लीनिकों और प्रदर्शन-आधारित अनुबंधों के जरिए स्वास्थ्य सेवा प्रदाय की जवाबदेही सुधारने में मदद कर रहा है।

वैश्विक मुद्दों पर कार्य

लातिनी अमेरिका और कैरिब्बियन के देश जलवायु परिवर्तन, अक्षय ऊर्जा और स्वास्थ्य के लिए वैश्विक खतरों जैसे मुद्दों को संबोधित करने के प्रयासों में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2007 में, इस क्षेत्र में विश्व बैंक की सहायता विभिन्न रूपों में प्रदान की गई। एचआईवी/एड्स की रोकथाम और उपचार के देशों के प्रयासों को समर्थन देने के सक्रिय पोर्टफोलियो में कुल मिलाकर 13 परियोजनाओं में 15.01 करोड़ डॉलर दिए गए। बैंक ने ब्राजील के लिए जैव ईंधनों पर एक रिपोर्ट तैयार की और संभावित बर्ड फ्लू महामारी की तैयारी के लिए अन्य अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय किया। इसने स्थानीय साझेदारों के साथ मिलकर कैरिब्बियन में विश्व के पहले बहुदेशीय आपदा बीमा पूल, कैरिब्बियन कैटेस्ट्रॉफी रिस्क इंश्योरेंस फैसिलिटी, का सृजन किया, जो कि भागीदार देशों को तूफानों और भूकंपों से जल्दी उबरने में सहायता करेगा। और इसने निर्धनतर कैरिब्बियन राज्यों को इस सुविधा में भाग लेने में मदद के लिए 2.32 करोड़ का आईडीए वित्तपोषण प्रदान किया।

क्षेत्र में पर्यावरणीय वहनीयता की चुनौती को संबोधित करने के लिए, बैंक देश-विशिष्ट परियोजनाओं और अंतराष्ट्रीय पहलकदमियों, दोनों का समर्थन कर रहा है। कोलंबिया में, बैंक ने आम तौर पर शहरी गरीबों तथा खास तौर पर पांच वर्ष से कम के बच्चों को प्रभावित करने वाले पर्यावरणीय मुद्दों पर ध्यान देने में मदद के लिए 20 करोड़ डॉलर का ऋण प्रदान किया। मेक्सिको और मध्य अमेरिका में मेसोअमेरिकन बॉयोलॉजिकल कॉरिडोर क्षेत्र की विशिष्ट जैव-विविधता को संरक्षित रखने के साथ ही स्थानीय समुदायों, जिनमें से अनेक मूलनिवासी हैं, की आय का स्तर बढ़ाने में मदद कर रहा है। (देखें **www.worldbank.org/lac**.)

तालिका 2.5

विश्व बैंक द्वारा लातिनी अमेरिका और कैरिब्बियन क्षेत्र के ऋणकर्ताओं को ऋणदान, विषय तथा सेक्टर के अनुसार वित्तीय वर्ष 2002–2007

मिलियन डॉलर में

विषय	2002	2003	2004	2005	2006	2007
आर्थिक प्रबंधन	391.0	567.2	111.2	310.4	42.5	54.3
पर्यावरणीय एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	187.4	240.3	159.1	841.2	454.0	353.0
वित्तीय एवं निजी क्षेत्र विकास	965.4	819.8	912.4	729.6	1,518.7	498.9
मानव विकास	560.4	1,171.7	1,046.7	469.8	502.6	1,022.5
सार्वजनिक क्षेत्र सुशासन	1,182.8	798.6	672.0	506.2	1,054.2	519.9
विधि शासन	15.5	138.8	270.9	147.9	108.8	97.5
ग्रामीण विकास	168.3	415.9	249.6	331.7	236.5	415.4
सामाजिक विकास, लिंग एवं भागीदारी	248.9	123.1	268.9	187.9	282.6	175.4
सामाजिक संरक्षण एवं जोखिम प्रबंधन	310.4	1,050.3	926.9	950.4	606.2	419.0
व्यापार एवं एकीकरण	83.9	59.6	364.6	233.4	720.3	300.5
शहरी विकास	251.9	435.2	337.6	457.1	384.1	696.9
विषय जोड़	**4,365.8**	**5,820.5**	**5,319.8**	**5,165.7**	**5,910.5**	**4,553.3**
सेक्टर						
कृषि, मत्स्य एवं वानिकी	85.0	58.4	379.6	233.4	291.0	83.4
शिक्षा	560.4	785.5	218.3	680.0	712.7	369.1
ऊर्जा व खनन	445.6	96.2	50.5	212.6	172.8	19.5
वित्त	593.5	973.0	405.1	530.0	907.3	286.4
स्वास्थ्य एवं अन्य सामाजिक सेवाएं	660.5	1,574.1	1,558.9	443.4	821.8	649.1
उद्योग एवं व्यापार	51.4	183.4	428.0	199.9	569.2	236.3
सूचना एवं संचार	16.5	52.4	14.0	44.7	20.8	0.0
कानून व न्याय एवं लोक प्रशासन	1,440.0	1,564.9	1,521.3	1,776.0	1,278.8	1,187.8
परिवहन	463.1	146.4	675.7	556.4	785.4	1,223.9
जल, साफ़-सफ़ाई एवं बाढ़ संरक्षण	49.8	386.2	68.4	489.5	350.7	497.8
सेक्टर जोड़	**4,365.8**	**5,820.5**	**5,319.8**	**5,165.7**	**5,910.5**	**4,553.3**
आईबीआरडी का हिस्सा	4,188.1	5,667.8	4,981.6	4,904.4	5,654.1	4,353.3
आईडीए का हिस्सा	177.8	152.7	338.2	261.3	256.4	200.0

टिप्पणी: वित्तीय वर्ष 2005 से प्रभावी, ऋणदान में गारंटी तथा गारंटी सुविधाएं शामिल हैं।

मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका

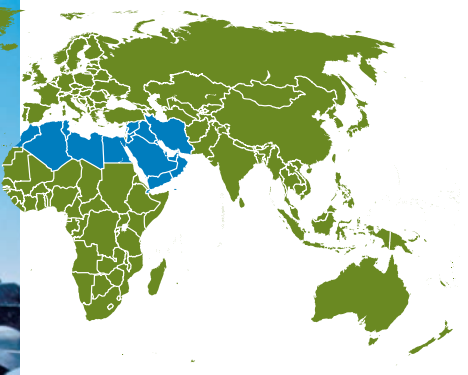

मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में 2006 में अच्छी वृद्धि हुई, तथा वास्तविक जीडीपी 6.3 प्रतिशत बढ़ गया। यह असाधारण वृद्धि—जो कि पिछले 10 वर्षों में सर्वाधिक हैं—अनेक देशों, खासकर इराक, लेबनान, और पश्चिमी तट तथा गाज़ा के संघर्ष—प्रभावित क्षेत्रों को प्रभावित करने वाली कठिन परिस्थितियों के बावजूद संभव हुई है। तेल से मिलने वाले प्रचुर राजस्व और यूरोप की आर्थिक स्थिति में जारी सुधार ने वृद्धि के लिए संवेग प्रदान किया, जिससे जनसंख्या में बड़ी वृद्धि के बावजूद प्रति व्यक्ति जीडीपी में 4.2 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हो सकी। वर्तमान दरों पर वृद्धि को बनाए रखना मुख्यतः ढांचागत सुधारों के एजेंडा पर आगे बढ़ने और निर्धनता के प्रति अत्यधिक अरक्षित होने की स्थिति में कमी लाने के लिए संसाधनों के और अधिक समानतापूर्ण वितरण पर निर्भर करेगा।

मिस्र अरब गणराज्य, जॉर्डन और मोरक्को सहित अनेक देशों में किए गए सुधारों के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2007 के दौरान क्षेत्र में व्यवसाय के लिए समग्र माहौल में सुधार हुआ। हालांकि लोक प्रशासन और नागरिक सेवा में सुधारों की दिशा में कुछ आरंभिक कदम उठाए गए, सुशासन अब भी एक चुनौती बना हुआ है, और संसद सदस्यों सहित, नागरिक समाज की भागीदारी कमजोर है।

निजी क्षेत्र में रोजगार सृजन बढ़ रहा है, लेकिन पूरे क्षेत्र में बड़ी भिन्नताएं मौजूद हैं, और जहां कुछ देशों में बेरोजगारी कम हो रही है वहीं कुछ में बढ़ रही है। बेरोजगारों में अब भी महिलाओं और युवाओं की संख्या अनुपात से अधिक है। महिलाओं और युवाओं के रोजगार की दरें औसतन करीब 47 प्रतिशत हैं, जो कि विश्व में सबसे कम है (बॉक्स 2.5)।

विश्व बैंक सहायता

विश्व बैंक ने क्षेत्र के लिए आईबीआरडी ऋणों के रूप में लगभग 69.2 करोड़ डॉलर और आईडीए वचनबद्धताओं के रूप में 21.6 करोड़ डॉलर स्वीकृत किए। इसके अलावा, बैंक ने लेबनॉन और पश्चिमी तट तथा गाज़ा को विशेष वित्तपोषण के रूप में 8.5 करोड़ डॉलर प्रदान किए। इराक को इराक न्यास निधि से अनुदान के रूप में 10.05 करोड़ डॉलर प्राप्त हुए। ज्ञान आधारित सेवाएं और नीतिगत परामर्श क्षेत्र के लिए बैंक के समर्थन का एक उल्लेखनीय हिस्सा बने हुए हैं। विश्व बैंक समूह के भीतर सहमेल तथा नागरिक समाज, निजी क्षेत्र और विकास के अन्य साझेदारों के साथ साझेदारियां बैंक की प्रभावकारिता में अब भी एक मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

बैंक की क्षेत्रीय रणनीति पांच मुख्य क्षेत्रों: सुशासन, निजी क्षेत्र के विकास, जल, शिक्षा तथा समावेशन को संबोधित करती है।

मध्य पूर्व और उत्तरी अफ़्रीका—एक नज़र में

कुल जनसंख्या:	0.3 अरब
जनसंख्या की वृद्धि दर:	1.7%
जन्म पर आयु संभाविता:	70 वर्ष
प्रति 1000 जन्मों पर बाल मृत्यु संख्या:	43
लड़कियों की साक्षरता:	84%
2006 में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय:	$2,481
एचआईवी/एड्स के साथ जी रहे लोगों की संख्या:	4 लाख

कुल वित्तीय 2007

नई वचनबद्धताएं
आईबीआरडी 69.2 करोड़ डॉलर
आईडीए 21.6 करोड़ डॉलर

कुल वित्तीय 2007

संवितरण
आईबीआरडी 147.7 करोड़ डॉलर
आईडीए 19.4 करोड़ डॉलर

30 जून 2007 तक अमल में लाई जा रही परियोजनाओं का पोर्टफ़ोलियो: $6.1 अरब

टिप्पणी: जन्म पर आयु संभाविता, प्रति 1000 जीवित जन्मों पर बाल मृत्यु दर, तथा लड़कियों की साक्षरता 2005 के आंकड़े हैं; एचआईवी/एड्स के आंकड़े मई 2006 में यूएनएआईडीएस द्वारा प्रकाशित *वैश्विक एड्स महामारी की रिपोर्ट* पर आधारित हैं; अन्य संकेतकों को 2006 के विश्व विकास संकेतकों के डाटाबेस से लिया गया है।

विश्व बैंक के ऋण अर्ह देशों की सूची इस भाग में पश्चिमी तट और गाज़ा की भी जानकारियां रिपोर्ट की गई हैं।

अल्जीरिया	मिस्र अरब गणराज्य	इराक	लेबनॉन	सीरिया अरब गणराज्य	यमन गणराज्य
जिबूती	ईरान इस्लामी गणराज्य	जॉर्डन	मोरक्को	ट्यूनीशिया	

सुशासन में सुधार

वित्तीय वर्ष 2007 में सुशासन और भ्रष्टाचार निवारण कार्यक्रमों को विश्व बैंक के समर्थन में 5.98 करोड़ डॉलर प्राप्त हुए। ऋणदान के अलावा, अल्ज़ीरिया, जॉर्डन, मोरक्को, ट्यूनीशिया, पश्चिमी तट व गाज़ा, तथा यमन गणराज्य में सार्वजनिक क्षेत्र प्रबंधन और न्यासी प्रणालियों को सुदृढ़ करने के लिए आदाता-क्रियान्वित न्यास निधियों तथा प्रतिपूर्ति योग्य तकनीकी सहायता के जरिए सुशासन को समर्थन देने; अल्ज़ीरिया और जॉर्डन में परिणामों की निगरानी में सुधार लाने; और जिबूती, ट्यूनीशिया तथा पश्चिमी तट एवं गाज़ा में वसूली की क्षमता के निर्माण पर काम जारी है।

निजी क्षेत्र का विकास

पूरे क्षेत्र में, विश्व बैंक ने निवेश के माहौल को सुधारने और व्यापारिक प्रतिस्पर्द्धा क्षमता बढ़ाने के प्रयास जारी रखे। मिस्र में, व्यवसायिक माहौल के बैंक-समर्थित सुधार के परिणामस्वरूप जनरल अथॉरिटी फॉर इन्वेस्टमेंट में एक "वन-स्टॉप शॉप" सृजित की गई। 20 सरकारी निकायों को एक ही छत के नीचे लाने से, निवेश परियोजनाओं के लिए लाइसेंस प्राप्त करने का समय और खर्च कम होकर अंतर्राष्ट्रीय श्रेष्ठ व्यवहारों की बराबरी पर आ गया है और इससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा। बैंक मिस्र में बैंकों के निजीकरण का भी समर्थन कर रहा है। मोरक्को में, बैंक वित्तीय क्षेत्र में सुधारों को समर्थन दे रहा है। यमन गणराज्य में, जहां बैंक के समर्थन ने एक्सट्रैक्टिव इंडस्ट्रीज़ ट्रांसपेरेंसी इनिशिएटिव (दोहक उद्योगों के लिए पारदर्शिता पहल) के दिशा-निर्देशों को अपनाने और एक श्रेष्ठ व्यवहार वसूली कानून लागू करने को प्रोत्साहित किया, बैंक भ्रष्टाचार के विरुद्ध नियामक फ्रेमवर्क को मजबूत बनाने के लिए तकनीकी सहायता भी प्रदान कर रहा है।

निजी क्षेत्र, खास तौर पर ऊर्जा क्षेत्र में विकास लाने के लिए, बैंक अत्यावश्यक आधारभूत संरचना को भी समर्थन दे रहा है। मोरक्को में ऊर्जा क्षेत्र में सुधार को 10 करोड़ डॉलर के एक ऊर्जा विकास नीति ऋण

बॉक्स 2.5 युवाओं के एजेंडा पर चुनौतियों और अवसरों पर ध्यान

मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में लगभग 60 प्रतिशत आबादी 24 वर्ष से कम आयु की है। उर्वरता दरों में गिरावट के बावजूद, क्षेत्र में युवाओं की जनसंख्या का प्रतिशत विश्व में सर्वाधिक में से एक बना रहेगा।

इन जनांकिकीयों द्वारा उपस्थित चुनौतियों और अवसरों पर बैंक अनेक तरीकों से ध्यान दे रहा है। वित्तीय वर्ष 2007 में, इसने "Voices of Youth" (युवाओं के स्वर) शीर्षक रिपोर्ट पूरी की, जिसमें मिस्र, मोरक्को, पश्चिमी तट एवं गाज़ा, और यमन गणराज्य में युवा लोगों से बातचीत की गई है। युवा लोगों ने शिक्षा और प्रशिक्षण की गुणवत्ता तथा नियोक्ताओं की जरूरतों के लिए उनकी प्रासंगिकता के बारे में अपनी चिंताएं व्यक्त कीं। उन्होंने सार्थक राजनीतिक और सामाजिक भागीदारी की अपनी इच्छा का भी संकेत दिया।

बैंक ने बहुक्षेत्रीय ढंग से युवाओं की आवश्यकताओं पर ध्यान देने के अपने प्रयासों को और सघन किया। वित्तीय वर्ष 2007 में, इसके ऋणदान कार्यक्रम ने मिस्र, जॉर्डन और ट्यूनिशिया में ऐसी परियोजनाओं को वित्तपोषण दिया जो उद्यमशीलता, प्रशिक्षण, रोजगार और उच्च शिक्षा पर केंद्रित थीं। बैंक क्षेत्र के लिए एक युवा नीति नोट भी तैयार कर रहा है जो वर्तमान कमियों को चिह्नित करेगा, प्राथमिकताएं तय करेगा और सभी सेक्टरों में युवा एजेंडे को मुख्य धारा में लाने के लिए नीतिगत सिफारिशें करेगा।

चित्र 2.11

मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका

आईबीआरडी और आईडीए द्वारा ऋणदान, विषय के अनुसार। वित्तीय 2007

0.9 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

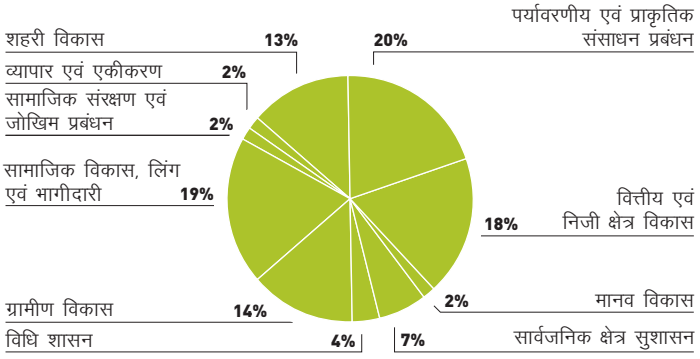

चित्र 2.12

मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका

आईबीआरडी और आईडीए द्वारा ऋणदान, सेक्टर के अनुसार। वित्तीय 2007

0.9 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

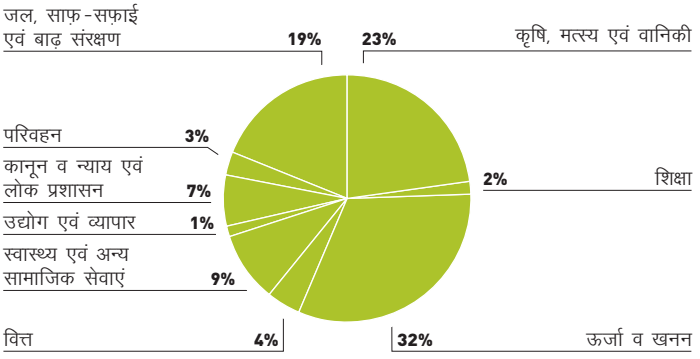

से समर्थन मिला। इराक में बिजली के भीषण अभाव को 12.4 करोड़ डॉलर की दक्षिण में एक परियोजना और कुर्दी क्षेत्र में 4 करोड़ डॉलर की एक जलविद्युत परियोजना द्वारा संबोधित किया गया।

जल प्रबंधन को सुदृढ़ करना

इस सेक्टर में विश्व बैंक समूह की सहायता में जिन बातों पर मुख्य रूप से जोर दिया जा रहा है उनमें से एक निजी क्षेत्र की भागीदारी है। मिस्र में, 14.5 करोड़ डॉलर की पश्चिमी डेल्टा परियोजना, निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी के एक विकल्प का समर्थन कर रही है ताकि कम होते जल संसाधनों का और कुशल प्रबंधन किया जा सके। बैंक नील नदी घाटी पहलकदमी, अरब जल परिषद, और अरब जल प्रबंधन संस्थान को समर्थन करने के जरिए सीमा-पार सहयोग का भी समर्थन कर रहा है। फरवरी 2007 में, बैंक ने *Making the Most of Scarcity* (*कम संसाधनों का अधिकतम उपयोग*) शीर्षक अध्ययन जारी किया, जिसमें जल प्रबंधन और सेवाओं में सुधार के विकल्पों पर बल दिया गया है। (देखें **www.worldbank.org/mna**.)

शिक्षा और सहभागिता

मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में बैंक का रवैया विकास, खासकर महिलाओं के आर्थिक अधिकारों और अवसरों को समर्थन देने में अधिक कारगर भूमिका निभाने के लिए, समुदायों के सशक्तीकरण पर केंद्रित है। बैंक अनेक समुदाय-चालित परियोजनाओं को वित्तपोषण दे रहा है, जिनमें लेबनान में म्यूनिस्पल आधारभूत संरचना परियोजना और पश्चिमी तट एवं गाज़ा में तीन परियोजनाएं शामिल हैं जो म्युनिस्पल सेवाओं की बहाली, गैर-सरकारी संगठनों की क्षमता बढ़ाने (बॉक्स 2.6), और सेवा प्रदाय की वहनीयता को समर्थन देने के लिए समुदाय-आधारित नेटवर्कों को सशक्त बनाने पर केंद्रित हैं।

बैंक मिस्र, ईरान इस्लामी गणराज्य, जॉर्डन, सीरिया अरब गणराज्य और यमन गणराज्य में सामाजिक सुरक्षा जालों को मजबूत बनाने तथा उनको लक्षित करने में सुधार करने के लिए नीतिगत परामर्श प्रदान कर रहा है। ट्यूनिशिया में, बैंक 7.6 करोड़ डॉलर के ऋण से उच्च शिक्षा में सुधार को समर्थन दे रहा है। जॉर्डन में, बैंक ने उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, प्रासंगिकता और कुशलता में सुधार के लिए 3.4 करोड़ डॉलर की उच्च शिक्षा विकास परियोजना पूरी की है। मोरक्को में, बैंक ने मानव विकास समर्थन के लिए राष्ट्रीय पहलकदमी परियोजना के वित्तपोषण हेतु 10 करोड़ डॉलर का आईबीआरडी ऋण स्वीकृत किया है, जो सामाजिक और आर्थिक सेवाओं तक अरक्षित समूहों की पहुंच, और स्थानीय निर्णयकारी एवं क्रियान्वयन प्रक्रियाओं की पारदर्शिता को समर्थन देती है।

मिस्र, जॉर्डन और मोरक्को में, बैंक व्यावसायिक नेटवर्किंग तथा प्रशिक्षण के जरिए महिलाओं के आर्थिक अवसरों के विस्तार के लिए आईएफसी के साथ सहयोग कर रहा है। इराक में, बैंक सूक्ष्मवित्त पहलकदमियों के क्रियान्वयन की व्यावहारिकता का आकलन कर रहा है जो ऐसे परिवारों को लाभान्वित तथा उनकी जरूरतों को पूरा करेंगी जिनकी मुखिया महिलाएं, खासकर कम आय वाली महिलाएं, हैं।

बॉक्स 2.6 पश्चिमी तट और गाज़ा में स्थानीय एनजीओ को मजबूत बनाना

पश्चिमी तट और गाज़ा में सामाजिक स्थितियां बिगड़ने के साथ ही, अत्यावश्यक सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता उल्लेखनीय रूप से प्रभावित हुई, और बुनियादी जरूरतें पूरी करने के लिए एनजीओ (गैर-सरकारी संगठन) सामने आए। दिसंबर 2006 में, कार्यकारी निदेशकों ने फिलिस्तीनी गैर-सरकारी संगठनों के साथ बैंक की एक दशक लंबी रणनीतिक साझेदारी को जारी रखते हुए तृतीय फिलिस्तीनी एनजीओ परियोजना को स्वीकृति दे दी। इस परियोजना का लक्ष्य सुशासन, जवाबदेही और पारदर्शिता के मुद्दों पर ध्यान देकर, तथा समुदाय-आधारित संस्थाओं को सशक्त बनाने एवं उनका मार्गदर्शन करने में मदद देकर, फिलिस्तीनी एनजीओ की क्षमता बढ़ाना है, ताकि ये संस्थाएं वहनीय आधार पर अरक्षित समूहों की जरूरतों पर बेहतर ढंग से प्रत्युत्तर दे सकें और अन्य दाताओं से मिली धनराशि का उपयोग करने में विश्वसनीय मंच बन सकें। परियोजना की एक अतिमहत्वपूर्ण विशेषता के रूप में एक सहभागी निगरानी एवं मूल्यांकन प्रणाली स्थापित की जा रही है। यह प्रणाली धनराशियों के प्रवाह और उपयोग, उपयोग की कुशलता तथा प्रभाविता, प्राथमिकता वाली आवश्यकताओं की प्रत्युत्तरशीलता, और प्राप्तकर्ताओं पर इसके प्रभाव पर नजर रखेगा तथा उन्हें दर्ज करेगा।

तालिका 2.6

विश्व बैंक द्वारा मध्य पूर्व और उत्तरी अफ़्रीका के ऋणकर्ताओं को ऋणदान, विषय तथा सेक्टर के अनुसार वित्तीय वर्ष 2002-2007

मिलियन डॉलर में

विषय	2002	2003	2004	2005	2006	2007
आर्थिक प्रबंधन	5.0	0.0	0.0	45.8	0.0	0.0
पर्यावरणीय एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	21.7	186.0	113.8	160.2	44.5	179.7
वित्तीय एवं निजी क्षेत्र विकास	204.1	48.3	259.3	166.6	907.8	166.7
मानव विकास	61.9	140.9	192.1	95.4	128.5	14.3
सार्वजनिक क्षेत्र सुशासन	93.3	106.6	19.6	166.0	229.0	59.8
विधि शासन	49.1	48.0	1.7	1.8	46.9	33.0
ग्रामीण विकास	14.5	100.6	65.1	155.3	177.9	126.6
सामाजिक विकास, लिंग, एवं भागीदारी	13.4	63.1	70.7	123.0	67.8	174.9
सामाजिक संरक्षण एवं जोखिम प्रबंधन	11.0	96.1	31.6	98.5	69.7	15.4
व्यापार एवं एकीकरण	24.8	3.6	158.3	0.0	0.0	16.0
शहरी विकास	55.8	262.7	178.7	271.1	28.5	121.6
विषय जोड़	**554.5**	**1,056.0**	**1,091.0**	**1,283.6**	**1,700.6**	**907.9**
सेक्टर						
कृषि, मत्स्य एवं वानिकी	2.9	196.7	27.2	229.2	15.3	208.5
शिक्षा	38.0	154.3	154.9	124.0	146.8	14.3
ऊर्जा व खनन	1.3	0.0	0.0	0.0	316.5	291.6
वित्त	110.5	1.9	20.8	142.5	625.0	39.2
स्वास्थ्य एवं अन्य सामाजिक सेवाएं	41.7	124.2	52.0	0.3	0.0	84.3
उद्योग एवं व्यापार	71.7	74.3	23.4	277.9	14.0	10.3
सूचना एवं संचार	69.9	2.3	0.0	18.5	0.0	0.0
कानून व न्याय एवं लोक प्रशासन	74.7	213.6	93.6	232.9	249.2	61.9
परिवहन	70.9	107.9	409.6	29.0	237.6	27.4
जल, साफ़-सफ़ाई एवं बाढ़ संरक्षण	73.1	180.9	309.5	229.3	96.4	170.5
सेक्टर जोड़	**554.5**	**1,056.0**	**1,091.0**	**1,283.6**	**1,700.6**	**907.9**
आईबीआरडी का हिस्सा	451.8	855.6	946.0	1,212.1	1,333.6	691.9
आईडीए का हिस्सा	102.7	200.4	145.0	71.5	367.0	216.0

टिप्पणी: वित्तीय वर्ष 2005 से प्रभावी, ऋणदान में गारंटी तथा गारंटी सुविधा, शामिल हैं।

3 वित्तीय वर्ष की गतिविधियों का सार-संक्षेप

विश्व बैंक ऋणदान

विश्व बैंक अंतर्राष्ट्रीय पूंजी बाजारों से उधार लेकर सदस्य शेयरधारक अंशपूंजी से (आईबीआरडी के लिए) तथा ज्यादा धनी सदस्य देशों के आर्थिक सहयोग (आईडीए के लिए) का प्रयोग कर अनुदान और ऋण आवंटित करने के जरिए वित्तपोषण जुटाता है। यह इन संसाधनों को ऋणग्राही सदस्य देशों में निर्धन लोगों के लाभ हेतु वितरित करता है।

ऋणदान अलग-अलग देशों की आवश्यकताओं के अनुसार होती है और इसमें ऐसे ऋणदान उपकरणों का प्रयोग किया जाता है जो अधिकाधिक लचीले होते जा रहे हैं। चित्र 3.1–3.3 और तालिका 3.1 वित्तीय वर्ष 2007 मे आईबीआरडी-आईडीए संयुक्त ऋणदानों का सारांश प्रस्तुत करते हैं।

निम्न आय वाले देश

आईडीए की भूमिका

आईडीए विश्व के निर्धनतम देशों के लिए रियायती वित्तीय सहायता का सबसे बड़ा स्रोत है। वित्तीय वर्ष 2007 में, 1,025 डॉलर तक की प्रति व्यक्ति वार्षिक आय वाले देश आईडीए सहायता प्राप्त करने के लिए अर्हता प्राप्त थे। आईडीए कुछ ऐसे देशों, जिनमें अनेक छोटी द्वीपीय अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं, को भी समर्थन देता है, जो आय की ऊपरी सीमा से ऊपर हैं लेकिन जिनमें आईबीआरडी से ऋण लेने के लिए पर्याप्त साख-पात्रता नहीं है। अपने आरंभ से ही, आईडीए ने बेहद रियायती ऋणों के रूप में सहायता प्रदान की है। वित्तीय वर्ष 2003 से, इसने अनुदानों के अपने उपयोग को विस्तारित किया है, जिनका प्रयोग कर्ज लेने के लिए सर्वाधिक अरक्षित देशों में परियोजनाओं को वित्तपोषित करने के लिए किया जाता है।

आईडीए सहायता प्राप्तकर्ता देशों को जटिल चुनौतियों का सामना करने में मदद देती है। इसकी प्राथमिकताओं में वृद्धि को प्रोत्साहित तथा निर्धनता को कम करना; सार्वजनिक क्षेत्र के सुशासन एवं पारदर्शिता को उन्नत बनाना; संघर्ष से उबरने में देशों की मदद करना; आधारभूत संरचना विकसित करना; बुनियादी शिक्षा की गुणवत्ता तथा निर्धन लोगों की इस तक पहुंच में सुधार करना; एचआईवी/एड्स, एवियन फ़्लू, और अन्य संचारी रोगों के विरुद्ध लड़ाई को मजबूत करना; निजी क्षेत्र के निवेश की पूर्वशर्त के तौर पर निवेश का स्वस्थ माहौल निर्मित करना शामिल है। आईडीए चिह्नित किए गए विशिष्ट सेक्टरों या विषयों के लिए वित्तपोषण नहीं करता है: यह प्राप्तकर्ता देशों द्वारा स्वयं चिह्नित की गई प्राथमिकताओं और जरूरतों के लिए प्रत्युत्तर देता है। किसी देश द्वारा आईडीए संसाधनों से प्राप्त की गई धनराशि मुख्यतः प्रदर्शन के विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है जिनका आकलन वार्षिक तौर पर किया जाता है।

निर्धनता न्यूनीकरण रणनीति (पीआरएस) दृष्टिकोण निम्न आय वाले देशों को बैंक के समर्थन का मुख्य अवयव है। पीआरएस देश-विशेष हेतु लिखित, परिणामोन्मुख, संपूर्ण मानचित्र होते हैं जो किसी देश की विकास प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हैं, और फिर उन्हें संबोधित करने के लिए आवश्यक चरण निर्धारित करते हैं। पीआरएस दृष्टिकोण सरकारों को स्वयं अपनी प्राथमिकताएं निर्धारित करने हेतु अधिकार संपन्न बनाता है (और उन्हें परिणामों के लिए जवाबदेह बनाता है) और यह दाताओं को पूर्वानुमेय तथा

चित्र 3.1

आईबीआरडी–आईडीए का कुल ऋणदान, क्षेत्र के अनुसार | वित्तीय 2007

24.7 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

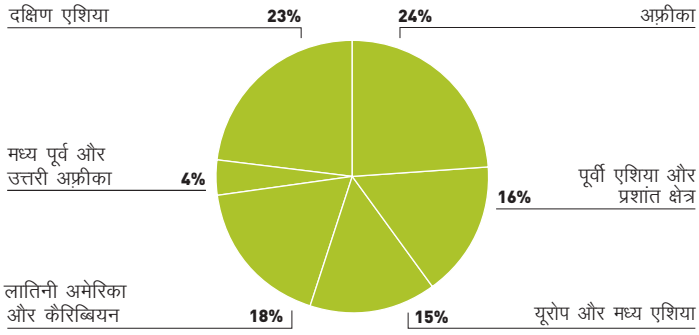

चित्र 3.2

आईबीआरडी–आईडीए का कुल ऋणदान, विषय के अनुसार | वित्तीय 2007

24.7 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

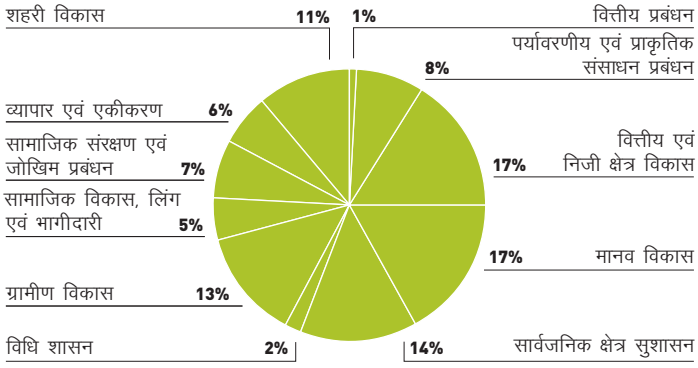

चित्र 3.3

आईबीआरडी–आईडीए का कुल ऋणदान, सेक्टर के अनुसार | वित्तीय 2007

24.7 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

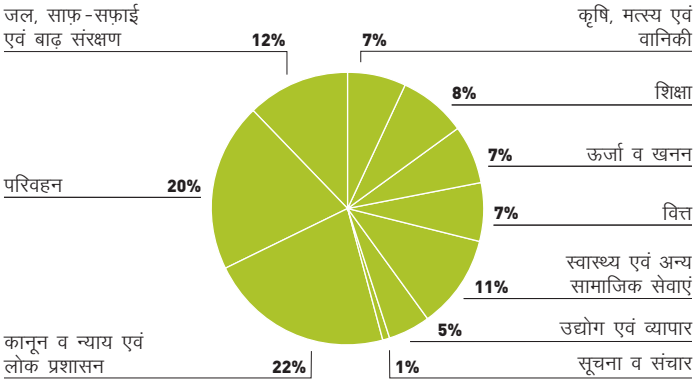

चित्र 3.4

आईडीए की कुल वचनबद्धताएं, क्षेत्र के अनुसार | वित्तीय 2007

11.9 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

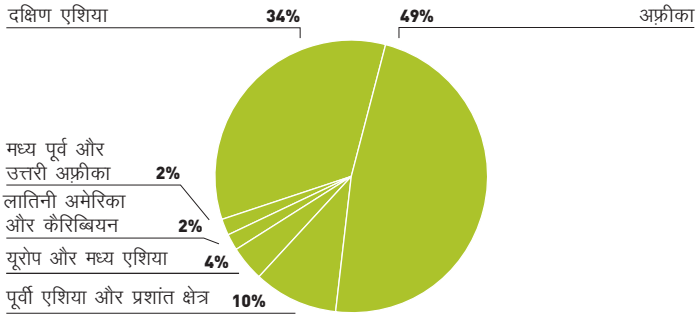

चित्र 3.5

अफ़्रीका के प्रति आईडीए की वचनबद्धताएं | वित्तीय वर्ष 1998-2007

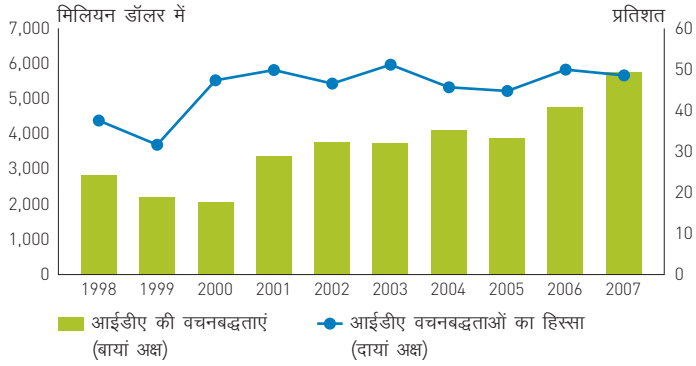

टिप्पणी: प्रभावी वित्तीय 2005, ऋणदान में गारंटी व गारंटी सुविधाएं शामिल हैं।

इन प्राथमिकताओं के साथ संरेखित, समन्वित सहायता प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करता है। चौवन देशों ने राष्ट्रीय पीआरएस तैयार किए हैं, और उनमें से 41 ने कम से कम एक वार्षिक प्रगति रिपोर्ट भी निकाली है। बारह देशों (बुर्किना फासो, घाना, किर्गीज़ गणराज्य, मैडागास्कर, मलावी, मॉरितानिया, मोज़ाम्बिक, निकारागुआ, सेनेगल, तंजानिया, उगांडा और वियतनाम) ने अपनी-अपनी दूसरी पूरी पीआरएस तैयार की हैं; अन्य बहुत-से देश ऐसा करने की प्रक्रिया में हैं।

आईडीए वचनबद्धताएं

वित्तीय वर्ष 2007 में आईडीए की वचनबद्धताएं 11.9 अरब डॉलर तक पहुंच गईं। इस वित्तपोषण, जिसमें ऋणों के रूप में 9.6 अरब डॉलर, अनुदान के रूप में 2.2 अरब डॉलर, और प्रतिभूतियों के रूप में 0.1 अरब डॉलर शामिल हैं, ने 189 प्रचालनों को समर्थन दिया। आईडीए वचनबद्धताओं की मात्रा वित्तीय वर्ष 2006 के मुकाबले 25 प्रतिशत ऊँची थी और आईडीए इतिहास की सर्वश्रेष्ठ संख्या भी। चित्र 3.4–3.8 में आईडीए ऋणदान का सारांश दर्शाया गया है।

आईडीए के संसाधनों का सबसे बड़ा हिस्सा अफ्रीका को वचनबद्ध किया गया, जिसने 5.8 अरब डॉलर की रिकॉर्ड प्राप्ति, या कुल आईडीए वचनबद्धताओं का 49 प्रतिशत प्राप्त किया। दक्षिण एशिया (4 अरब डॉलर) और पूर्वी एशिया व प्रशांत क्षेत्र (1.2 अरब डॉलर) ने भी कुल वित्तपोषण के बड़े हिस्से प्राप्त किए। भारत (2.3 अरब डॉलर), पाकिस्तान (0.9 अरब डॉलर), और नाईजीरिया (0.8 अरब डॉलर) वित्तपोषण के सबसे बड़े एकल प्राप्तकर्ता थे।

सेक्टरों में, वचनबद्धताओं का सबसे बड़ा हिस्सा कानून व न्याय एवं लोक प्रशासन को दिया गया, जिसने वित्तपोषण में 2.7 अरब डॉलर (कुल का 23 प्रतिशत) प्राप्त किए। आधारभूत संरचना (देखें चित्र 3.8) एक ऐसा क्षेत्र जिसका अत्यधिक जरूरत के बावजूद भी हाल के वर्षों में कुल आधिकारिक विकास सहायता प्रवाह में हिस्सा कम हुआ है, को वित्तपोषित करने का एक प्रमुख स्रोत आईडीए बन गया है। स्वास्थ्य तथा अन्य सामाजिक सेवाएं (1.9 अरब डॉलर) और शिक्षा (1.6 अरब डॉलर) क्षेत्रों को उल्लेखनीय समर्थन प्रदान किया गया था।

चित्र 3.6

आईडीए की कुल वचनबद्धताएं, विषय के अनुसार | वित्तीय 2007

11.9 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

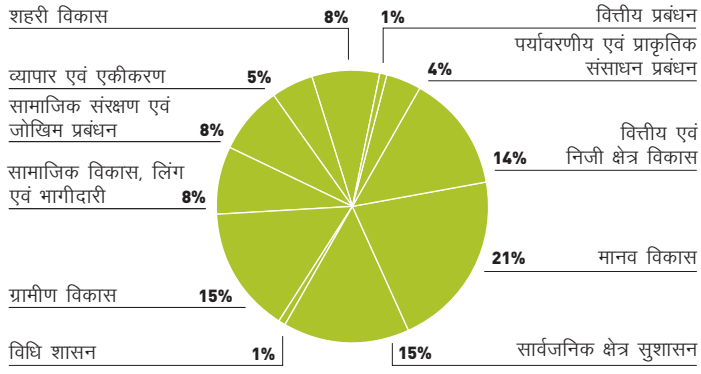

चित्र 3.7

आईडीए का कुल ऋणदान, सेक्टर के अनुसार | वित्तीय 2007

11.9 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

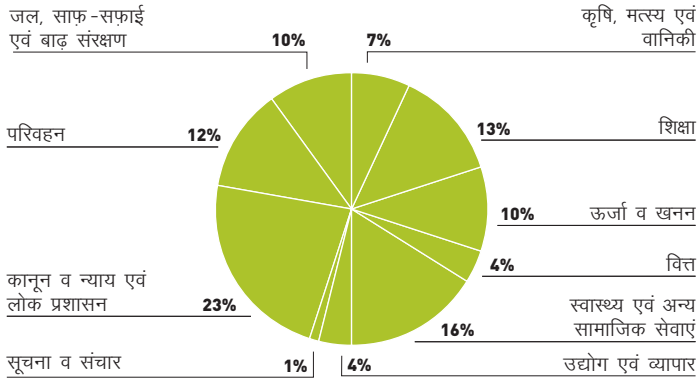

तालिका 3.1

विश्व बैंक का ऋणदान, विषय तथा सेक्टर के अनुसार वित्तीय वर्ष 2002–2007

मिलियन डॉलर में

विषय	2002	2003	2004	2005	2006	2007
आर्थिक प्रबंधन	1,408.0	777.7	428.8	594.6	213.8	248.3
पर्यावरणीय एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	924.0	1,102.6	1,304.6	2,493.8	1,387.3	2,017.0
वित्तीय एवं निजी क्षेत्र विकास	5,055.4	2,882.9	4,176.6	3,862.0	6,137.8	4,260.8
मानव विकास	1,756.1	3,374.0	3,079.5	2,951.0	2,600.1	4,089.4
सार्वजनिक क्षेत्र सुशासन	4,247.2	2,464.1	3,373.9	2,636.4	3,820.9	3,389.7
विधि शासन	273.2	530.9	503.4	303.8	757.6	424.5
ग्रामीण विकास	1,600.0	1,910.9	1,507.8	2,802.2	2,215.8	3,175.7
सामाजिक विकास, लिंग एवं भागीदारी	1,385.7	1,003.1	1,557.8	1,285.8	1,094.1	1,250.3
सामाजिक संरक्षण एवं जोखिम प्रबंधन	1,086.4	2,324.5	1,577.0	2,437.6	1,891.7	1,647.6
व्यापार एवं एकीकरण	300.9	566.3	1,212.7	1,079.9	1,610.9	1,569.9
शहरी विकास	1,482.4	1,576.3	1,358.1	1,860.0	1,911.2	2,622.7
विषय जोड़	**19,519.4**	**18,513.2**	**20,080.1**	**22,307.0**	**23,641.2**	**24,695.8**
सेक्टर						
कृषि, मत्स्य एवं वानिकी	1,247.9	1,213.2	1,386.1	1,933.6	1,751.9	1,717.4
शिक्षा	1,384.6	2,348.7	1,684.5	1,951.1	1,990.6	2,021.8
ऊर्जा व खनन	1,974.6	1,088.4	966.5	1,822.7	3,030.3	1,784.0
वित्त	2,710.8	1,446.3	1,808.9	1,675.1	2,319.7	1,613.6
स्वास्थ्य एवं अन्य सामाजिक सेवाएं	2,366.1	3,442.6	2,997.1	2,216.4	2,132.3	2,752.5
उद्योग एवं व्यापार	1,394.5	796.7	797.9	1,629.4	1,542.2	1,181.3
सूचना एवं संचार	153.2	115.3	90.9	190.9	81.0	148.8
कानून व न्याय एवं लोक प्रशासन	5,351.2	3,956.5	4,978.8	5,569.3	5,857.6	5,468.2
परिवहन	2,390.5	2,727.3	3,777.8	3,138.2	3,214.6	4949.0
जल, साफ़-सफ़ाई एवं बाढ़ संरक्षण	546.0	1,378.3	1,591.6	2,180.3	1,721.0	3,059.4
सेक्टर जोड़	**19,519.4**	**18,513.2**	**20,080.1**	**22,307.0**	**23,641.2**	**24,695.8**
आईबीआरडी का हिस्सा	11,451.8	11,230.7	11,045.4	13,610.8	14,135.0	12,828.8
आईडीए का हिस्सा	8,067.6	7,282.5	9,034.6	8,696.2	9,506.2	11,866.9

टिप्पणी: प्रभावी वित्तीय वर्ष 2005, ऋणदान में गारंटी तथा गारंटी सुविधाएं शामिल हैं।

चित्र 3.8

आधारभूत संरचना के प्रति आईडीए की अडिग वचनबद्धता
। वित्तीय वर्ष 1998-2007

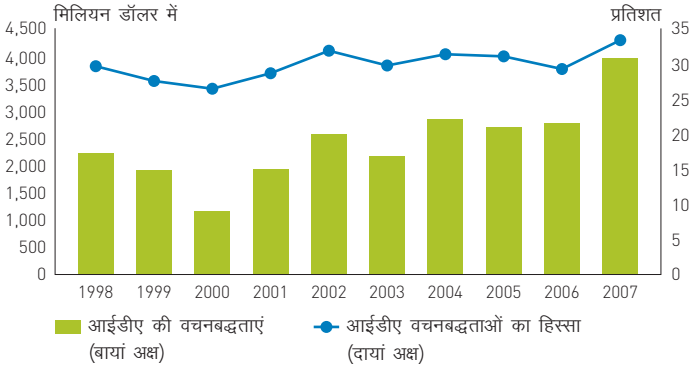

टिप्पणी: प्रभावी वित्तीय 2005, ऋणदान में गारंटी व गारंटी सुविधाएं शामिल हैं।

चित्र 3.9

आईडीए वित्तपोषण के स्रोत। अरब डॉलर में

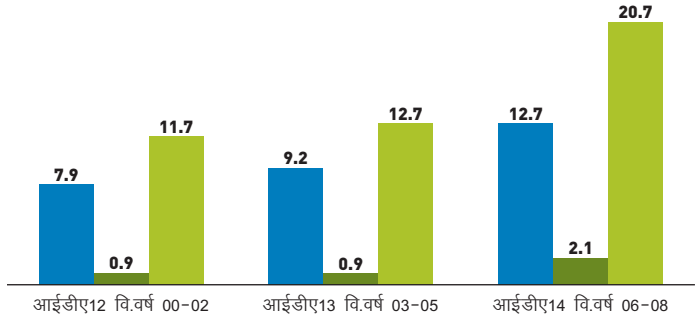

क. आईडीए के आंतरिक संसाधनों में मूलधन की वापसी, प्रभार शेष प्रशासनिक व्यय, और निवेश आय शामिल हैं। आईडीए14 के लिए, इस राशि में मूलधन के वे भुगतान शामिल हैं जो 1 जुलाई 2006 को आईडीए द्वारा एमडीआरआई के क्रियान्वयन की वजह से अब उपलब्ध नहीं हैं। ये चूके पुनर्प्रवाह एमडीआरआई के आपूरण के अंतर्गत, अतिरिक्त दाता योगदानों के जरिए पूरे कर दिए जाएंगे।

ख. इसमें वित्तपोषण के ढांचागत अंतर शामिल हैं।

सर्वाधिक वित्तपोषण प्राप्त करने वाले विषय मानव विकास (2.6 अरब डॉलर) और सार्वजनिक क्षेत्र सुशासन (1.8 अरब डॉलर) थे। ग्रामीण विकास (1.7 अरब डॉलर); वित्तीय तथा निजी क्षेत्र विकास (1.7 अरब डॉलर), शहरी विकास (98 करोड़ डॉलर); सामाजिक विकास, लिंग व भागीदारी (91.9 करोड़ डॉलर); और सामाजिक संरक्षण व जोखिम प्रबंधन (89.6 करोड़ डॉलर) पर भी काफी ध्यान दिया गया।

आईडीए के संसाधन

आईडीए स्वयं अपने संसाधनों से तथा दाता सरकारों द्वारा वित्तपोषित होता है (चित्र 3.9)। साथ ही यह आईबीआरडी की शुद्ध आय से वार्षिक हस्तांतरण भी प्राप्त करता है और, वित्तीय वर्ष 2007 में पहली बार, आईडीए देशों में निजी क्षेत्र के विकास को समर्थन देने के लिए इसने आईएफसी से एक अनुदान प्राप्त किया।

प्रत्येक तीन वर्ष पर, आईडीए की दाता सरकारों और ऋणग्राही देशों के प्रतिनिधि आईडीए की नीतियों पर विचार-विमर्श करने और अगले तीन वर्ष के लिए आईडीए के ऋणदान कार्यक्रम हेतु आवश्यक नए संसाधनों की मात्रा पर सहमति बनाने के लिए बैठक करते हैं। ऐतिहासिक रूप से, प्रमुख औद्योगिक राष्ट्र आईडीए में सबसे बड़े योगदानकर्ता रहे हैं। लेकिन दाता राष्ट्रों में विकासशील देश तथा संक्रमणशील अर्थव्यवस्थाएं भी शामिल हैं– इनमें से कुछ वर्तमान आईबीआरडी ऋणग्राही और पूर्व आईडीए ऋणग्राही देश रहे हैं।

आईडीए का 14वां आपूरण (आईडीए14) वित्तीय वर्ष 2006 से 2008 तक की वचनबद्धताओं के लिए धन प्रदान करेगा। इस अवधि के दौरान, आईडीए अर्हता प्राप्त देशों को 22.2 अरब स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) (लगभग 32.5 अरब डॉलर के बराबर) की रियायती वित्तीय वचनबद्धता प्रदान करने की आशा करता है। वित्तीय वर्ष 2007 के दौरान, इस धनराशि में आईबीआरडी की अतिरिक्त निधि से आईडीए को एसडीआर 0.2 अरब (लगभग 0.3 अरब डॉलर) और आईएफसी की रक्षित आयों से एसडीआर 0.1 अरब (लगभग 0.15 अरब डॉलर) के अनुदानों के लिए निर्धारण के परिणामस्वरूप हुए अतिरिक्त हस्तांतरण मूल आईडीए14 के फ्रेमवर्क के एसडीआर 21.9 अरब (लगभग 32.1 अरब डॉलर) से बढ़ोत्तरी हो गई। वित्तीय वचनबद्धताओं के लिए कुल आईडीए14 संसाधनों में वित्तपोषण के ढांचागत अंतर को हटाकर एसडीआर 12.1 अरब (लगभग 17.7 अरब डॉलर) के नए दाता अंशदान; एसडीआर 8.7 अरब (लगभग 12.7 अरब डॉलर) के आंतरिक संसाधन, जिसमें प्राथमिक रूप से पिछले ऋणों के मूलधन का पुनर्भुगतान और निवेशों से आय निहित है; आईबीआरडी की शुद्ध आय से हस्तांतरण के रूप में एसडीआर 1.3 अरब (लगभग 1.9 अरब डॉलर), जो आईडीए के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की वार्षिक मंजूरी के अधीन है; और आईएफसी से मिले एसडीआर 0.1 अरब (लगभग 0.15 अरब डॉलर) के अनुदान शामिल हैं। बहुपक्षीय ऋण राहत पहल (एमडीआरआई) के क्रियान्वयन के साथ, कुछ आंतरिक संसाधन अब उपलब्ध नहीं हैं और एमडीआरआई आपूरण के अंतर्गत, दाता अंशदानों के जरिए पूरे किए जाएंगे। एमडीआरआई के अंतर्गत, दाताओं ने 40 वर्षों के दौरान एसडीआर 25 अरब (लगभग 37 अरब डॉलर) के अतिरिक्त संसाधन प्रदान करने का वचन दिया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ऋण के निरस्त होने के परिणामस्वरूप निर्धन देशों के लिए आईडीए का भावी वित्तीय समर्थन कम न हो।

आईडीए के 15वें आपूरण के लिए वार्ताओं की शुरुआत मार्च 2007 में पेरिस में की गई। विचार-विमर्श के मुख्य मुद्दों में वैश्विक सहायता की संरचना, आईडीए की प्रदर्शन आधारित आवंटन प्रणाली, और आईडीए की वित्तीय स्थिति शामिल थे (बॉक्स 3.1)।

ऋण राहत

अब तक, आईडीए ने अत्यधिक ऋणग्रस्त निर्धन देश (एचआईपीसी) पहल, ऐसी प्रक्रिया जिससे अत्यधिक ऋणग्रस्त निर्धन देशों को अपने ऋणों को

एचआईपीसी सीमा स्तरों तक नीचे लाने के लिए उनके बाह्य ऋणदाताओं से ऋण में राहत मिल सकती है, के अंतर्गत लगभग 4 अरब डॉलर, और एमडीआरआई, जिसे वर्ष 2006 में आरंभ किया गया था और जो एचआईपीसी पहल पर निर्मित की गई थी, के अंतर्गत ऋण माफ करने में 28 अरब डॉलर प्रदान किए हैं। कुल मिलाकर, आईडीए एचआईपीसी के अंतर्गत लगभग 18 अरब डॉलर और एमडीआरआई के अंतर्गत 36 अरब डॉलर प्रदान करेगा। ऋण वहनीयता को बनाए रखने में देशों की सहायता के लिए, आईडीए ने देशों के ऋण संकट के जोखिम के आधार पर अनुदान आवंटित करने के लिए एक तंत्र विकसित किया है। यह दृष्टिकोण, जिसे कुछ अन्य बहुपक्षीय विकास बैंकों द्वारा भी अपनाया गया है, भविष्य में ऋण तनाव के जोखिम को कम करने में सहायता करता है। आईडीए देशों के बाह्य ऋणों के प्रबंधन में उनका समर्थन करने के लिए साझेदारों के साथ मिलकर भी काम करता है।

भंगुर राज्य

यह देखा गया है कि पिछले तीन वर्षों से भंगुर राज्य जिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं उनके प्रति दाताओं की संलग्नता को सुदृढ़ करने और प्रत्युत्तर देने में अंतर्राष्ट्रीय दिलचस्पी बढ़ रही है (चित्र 3.10)। वर्ष 2002 में, तनाव अंतर्गत कम-आय वाले देशों (एलआईसीयूएस) पर बैंक के कार्य बल ने, अपनी अंतिम रिपोर्ट में, बैंक की प्रत्युत्तरशीलता को सुधारने के लिए राजनीतिक विश्लेषण, नवोन्मेषी प्रचालनात्मक दृष्टिकोणों, करीबी दाता साझेदारियों, और संस्थागत सुधारों की श्रृंखला को अधिक सुदृढ़ बनाने की सिफारिश की है। तब से, बैंक ने इन भंगुर राज्यों के सामने उपस्थित विशेष चुनौतियों के बारे में अपनी समझदारी को अधिक गहरा करने और अपने समर्थन तथा सहायता में मजबूती लाने के लिए एक विभेदीकृत दृष्टिकोण विकसित करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। हाल में, बैंक ने

चित्र 3.10

अधिकांश एमडीजी प्राप्त करने में भंगुर राज्य सबसे अधिक कठिनाई में हैं

प्रतिशत

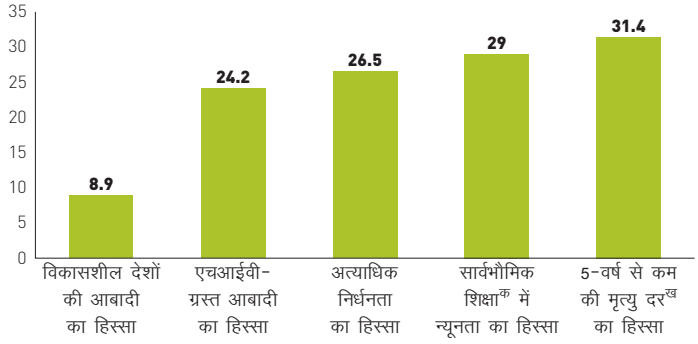

स्रोत: विश्व बैंक का अनुमान।
क. प्रासंगिक आयु के बच्चे जो 2005 में प्राथमिक शिक्षा पूरा न कर सके।
ख. 2005 में जन्मे बच्चे जिन्हें 5 वर्ष की आयु तक जीने की संभावना नहीं है।

आपदा व संकट स्थितियों में त्वरित प्रत्युत्तर प्रदान करने के लिए एक ढांचा अपनाया है (देखे पृष्ठ 15), जिसे ऐसे सांगठनिक व स्टाफ़िंग साधनों से समर्थन प्राप्त है जिनके जरिए घटनास्थल पर बैंक की बढ़ी उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी और संस्था के सबसे अनुभवी लोगों को भंगुर राज्यों के एजेंडा को उन्नत करने के लिए इस कार्य में लगाया जाएगा।

वर्ष 2006 में, बैंक ने संकटों या नए अवसरों का सामना कर रहे देशीय कार्यक्रमों को गहन रणनीतिक और प्रचालनात्मक समर्थन प्रदान किया।

बॉक्स 3.1 आईडीए का 15वां आपूरण

आईडीए एक परिक्रमणशील निधि है जिसमें दाताओं से मिले अंशदान के संपूरक के रूप में आईडीए के अत्यंत रियायती ऋणों से प्राप्त पुनर्प्रवाह जुड़ जाते हैं। आईडीए प्रति वर्ष 10 अरब डॉलर से लेकर 11 अरब डॉलर तक के ब्याज मुक्त ऋण और अनुदान प्रदान करता है। निर्धन देशों के लिए आर्थिक समर्थन के इस स्तर को बनाए रखने हेतु अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता है, खासकर तब से जबकि ऋणों में दी गई राहत ने आईडीए के उपलब्ध ऋण पुनर्प्रवाह को कम कर दिया है, और इस प्रकार आईडीए और निर्धन देशों, दोनों की भावी दाता अंशदानों पर निर्भरता बढ़ गई है।

आईडीए-प्राप्तकर्ता देशों में रहने वाले 2.5 अरब लोगों के सामने उपस्थित विराट चुनौतियों के कारण आईडीए का पर्याप्त आपूरण अत्यंत महत्वपूर्ण है। ये देश अलग-अलग प्रकार की स्थितियों का सामना कर रहे हैं: कुछ संघर्ष से उबर रहे हैं, कुछ अर्थव्यवस्था के संक्रमण से गुजर रहे हैं, कुछ संकटों के प्रति अरक्षित हैं, और कुछ त्वरित तथा वहनीय वृद्धि का अनुभव कर रहे हैं। इन देशों की जटिल और विविध जरूरतों को संबोधित करने की आईडीए की क्षमता उन्हें उनके विकास लक्ष्य हासिल करने में सहायता कर सकती है।

आईडीए के 15वें आपूरण पर चर्चा करने के लिए आईडीए के दाताओं का सम्मेलन मार्च 2007 में पेरिस, और जुलाई 2007 में मापूतो में हुआ। वार्ताओं के दौरान, उन्होंने आगे की चर्चा के लिए तीन विशेष विषयों की पहचान की। इनमें से पहला, सेक्टर-वार, देशीय, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तरों पर वैश्विक सहायता संरचना में आईडीए की भूमिका है, जिसमें ऋण वहनीयता के लिए इसका समर्थन शामिल है। दूसरा, देशीय स्तर पर आईडीए सहायता की प्रभावकारिता है, जिसमें संसाधन आवंटन तथा विकास परिणामों का विश्लेषण करना, परिणामों की प्राप्ति तथा मापन करना, और सहायता के सामंजस्यीकरण तथा संरेखण में प्रगति करना शामिल है। तीसरे के दायरे में भंगुर राज्यों का समर्थन करने में आईडीए की रणनीति, उपकरण तथा प्रचालनात्मक प्रत्युत्तर; भंगुर राज्यों के लिए इसका वित्तपोषण; और ऋण-शेषों के शोधन के प्रति एक व्यवस्थित दृष्टिकोण आते हैं। 15वें आपूरण पर चर्चा करने के लिए दो और बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिसके दौरान दाताओं द्वारा उनके अंशदानों की पुष्टि किए जाने की आशा है।

इसका मुख्य जोर अफगानिस्तान, केंद्रीय अफ्रीकी गणराज्य, और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के कार्यक्रमों में प्रचालनात्मक अंतरों को दूर करने और लाइबेरिया, सूडान और तिमोर-लेस्ते में रणनीतिक सूत्रीकरणों का समर्थन करने पर था।

आईबीआरडी की अतिरिक्त निधि से 2.5 करोड़ डॉलर के हस्तांतरण के जरिए मार्च 2004 में स्थापित, एलआईसीयूएस सर्वाधिक हाशियाकृत और अनउपार्जक स्थिति वाले भंगुर राज्यों को लक्षित करता है। बैंक ने एलआईसीयूएस न्यास निधि को वर्ष 2006 में 2.5 करोड़ डॉलर और जनवरी 2007 में और 3 करोड़ डॉलर द्वारा आपूरित किए।

भंगुर और संघर्ष-प्रभावित देशों के लिए एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता को संबोधित करने के लिए बैंक ने पुराने संबंधों को बरकरार रखा है और नए संबंध सृजित किए हैं, जिसमें संयुक्त राष्ट्र प्रणाली, नए संयुक्त राष्ट्र शांति-स्थापना आयोग, और आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन की विकास सहायता समिति (ओईसीडी-डीएसी) के साथ की गई साझेदारियां शामिल हैं। बैंक अब भी ओईसीडी-डीएसी भंगुर राज्य समूह की बैठकों की सह-अध्यक्षता करता है और उनमें सक्रिय भागीदारी करता है।

साथ ही बैंक कमजोर राज्यों के विषय में ज्ञान के बढ़ते भंडार में निवेश को भी जारी रखे हुए है। वर्ष 2006 में, इस निवेश के परिणामस्वरूप दो रिपोर्टें प्रकाशित हुई हैं, ये हैं: दिसंबर 2006 में प्रकाशित, *Aid that Works: Successful Development in Fragile States* (*कारगर सहायता: भंगुर राज्यों में सफल विकास*) और मार्च 2006 में प्रकाशित *The Economic Impact of Peacekeeping* (*शांति स्थापना के आर्थिक प्रभाव*)।

बैंक के स्वतंत्र आकलन समूह (आईईजी) ने पाया कि भंगुर राज्यों में बैंक के कार्य ने वृहतआर्थिक स्थिरता को सुधारने और उल्लेखनीय मात्रा में भौतिक आधारभूत संरचना प्रदान करने में, खासकर संघर्ष-पश्चात परिवेशों में, योगदान दिया है। अंतर्राष्ट्रीय नीति स्तर पर दाताओं के बीच समन्वय में भी महत्वपूर्ण प्रगति की गई है। फिर भी, कुछ भंगुर राज्यों में किए गए सुधार कार्यों में चयनीयता और प्राथमिकता तय करने का अभाव रहा है। आईईजी के अनुसार, हालांकि बैंक ने राज्य-निर्माण पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया है, पर इसने पर्याप्त रूप से यह नहीं दर्शाया है कि अतीत की कमजोरियों से कैसे बचा जाएगा या क्षमता के बेहतर विकास और सुशासन संबंधी परिणाम कैसे सुनिश्चित किए जाएंगे। भंगुर राज्यों हेतु सहायता के आवंटन पर बैंक को इस प्रकार काम करना बाकी है कि वह इन देशों के लिए अपने लक्ष्यों को प्रतिबिंबित करे और यह सुनिश्चित करे कि भंगुर राज्यों को जरूरत से कम या जरूरत से अधिक सहायता न प्राप्त हो।

मध्य-आय वाले देश

मध्य-आय वाले देश विकास की कठिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उन्हें निर्धनता और असमानता कम करते हुए उत्पादक रोजगार उपलब्ध कराने वाला वहनीय विकास हासिल करना आवश्यक है। उन्हें अस्थिर पूंजी प्रवाहों, आकस्मिक देनदारियों, वित्तीय बाजारों और पेंशनों से पैदा होने वाले वृहत्आर्थिक जोखिमों का भी प्रबंधन करना होगा। उन्हें एवियन फ़्लू जैसी वैश्विक बहुदेशीय महामारियों से निपटने के लिए आपदा-प्रबंधन क्षमता निर्मित करनी होगी। उन्हें अपनी प्रतिस्पर्द्धात्मक क्षमता को बढ़ाना

चित्र 3.11

आईबीआरडी का कुल ऋणदान, क्षेत्र के अनुसार | वित्तीय 2007

12.8 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

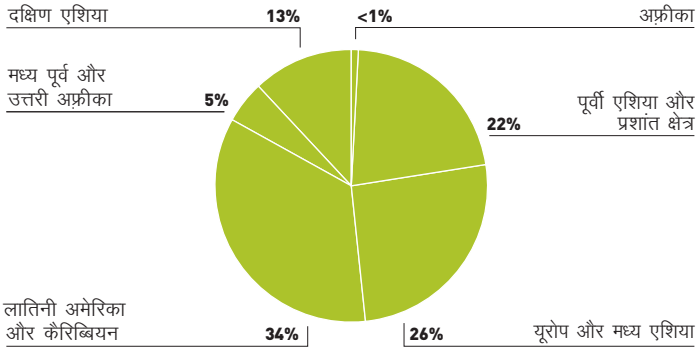

चित्र 3.12

आईबीआरडी का कुल ऋणदान, विषय के अनुसार | वित्तीय 2007

12.8 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

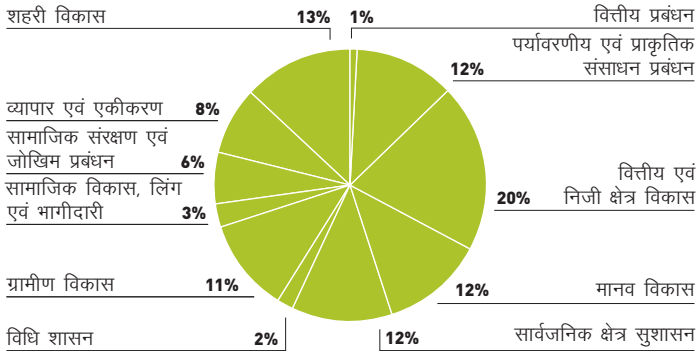

चित्र 3.13

आईबीआरडी का कुल ऋणदान, सेक्टर के अनुसार | वित्तीय 2007

12.8 अरब डॉलर के कुल ऋणदान का विभाजन

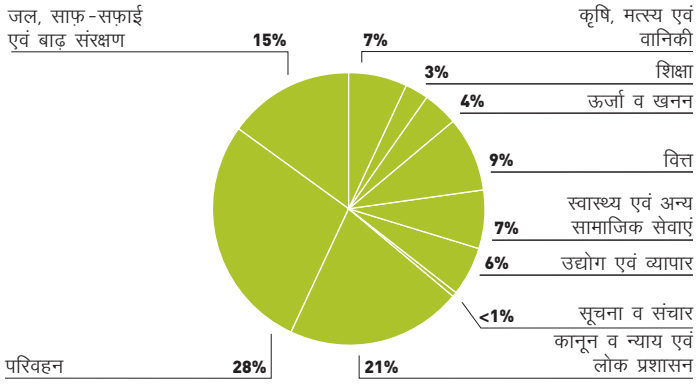

होगा, स्वच्छ ऊर्जा को अपनाना होगा, पर्यावरणीय वहनीयता को सुनिश्चित करना होगा, और व्यवहार्य बाजार-आधारित अर्थव्यवस्थाओं को सहारा देने वाले संस्थागत और सुशासन के ढांचों को सुदृढ़ करना होगा। बैंक आईबीआरडी के माध्यम से इन चुनौतियों से निपटने में मध्य-आय वाले देशों की सहायता करने के लिए विशिष्ट स्थिति में है।

आईबीआरडी की भूमिका

आईबीआरडी एक **AAA**-दर्जा प्राप्त वित्तीय संस्थान है–जिसकी कुछ असामान्य विशिष्टताएं हैं। इसके शेयरधारक संप्रभु सरकारें हैं जिनमें से हरेक के पास आईबीआरडी की नीतियां निर्धारित करने लिए मत है। इनमें से कई के पास इससे ऋण प्राप्त करने की अर्हता है। आईबीआरडी वित्तपोषण (ऋण, गारंटी, और संबंधित जोखिम प्रबंधन उपकरण) तथा विकास-संबंधी तकनीकी क्षेत्रों में विशेषज्ञता उपलब्ध कराता है। इसके अलावा, यह देशों को ज्यादा राशि के, या आसान शर्तों पर, लम्बी अवधि के, और अन्य स्रोतों की अपेक्षा ज्यादा वहनीय पूंजी और वित्तीय जोखिम प्रबंधन उपकरणों तक पहुंच हासिल करने में मदद करता है। वाणिज्यिक बैंकों से अलग, आईबीआरडी की चालक शक्ति विकास पर पड़ने वाला प्रभाव है, न कि अधिकाधिक लाभ कमाना।

आईबीआरडी ऋणदान

वित्तीय वर्ष 2007 में कुछ कम होकर, आईबीआरडी द्वारा 112 प्रचालनों के लिए 12.8 अरब डॉलर की नई ऋणदान वचनबद्धताएं की गईं। विकास नीति ऋणदान कुल ऋणदान का 28 प्रतिशत था।

लातिनी अमेरिका और कैरिब्बियन क्षेत्र ने 4.4 अरब डॉलर (आईबीआरडी की कुल वचनबद्धता का 34 प्रतिशत) का सबसे अधिक आईबीआरडी ऋणदान प्राप्त किया। इसके बाद यूरोप और मध्य एशिया ने 3.3 अरब डॉलर (26 प्रतिशत) का, और पूर्वी एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र ने 2.8 अरब डॉलर (22 प्रतिशत) का वित्तपोषण प्राप्त किया। वित्तीय वर्ष 2006 की तुलना में ऋणदान ज्यादा संकेंद्रित था। वित्तीय वर्ष 2006 में, जहां पांच सबसे बड़े ऋणग्राहियों को कुल ऋणदान का लगभग 52 प्रतिशत प्राप्त हुआ, वहीं वित्तीय वर्ष 2007 में, कुल ऋणदान के 56 प्रतिशत के बराबर संयुक्त वचनबद्धताएं सबसे बड़े ऋणग्राहियों–अर्जेन्टीना, चीन, भारत, तुर्की और कोलंबिया–को गईं।

परिवहन ने आईबीआरडी ऋणदान (3.6 अरब डॉलर) की सबसे अधिक मात्रा प्राप्त की; जिसके बाद न्याय और कानून तथा लोक प्रशासन (2.7 अरब डॉलर); और जल, साफ़-सफ़ाई, तथा बाढ़ संरक्षण (1.9 अरब डॉलर) का स्थान है। ऋणदान के विषयवार संघटन में वित्तीय तथा निजी क्षेत्र विकास (2.6 अरब डॉलर) अग्रणी रहा, जिसके बाद शहरी विकास (1.6 अरब डॉलर) का स्थान है।

चित्र 3.11–3.13 क्षेत्रवार, विषयवार और सेक्टरवार आईबीआरडी ऋणदान को दर्शाते हैं। विकास नीति ऋणदान वचनबद्धताएं संलग्न सीडी-रोम में प्रदर्शित हैं।

आईबीआरडी के संसाधन

आईबीआरडी अपना अधिकांश कोष अंतर्राष्ट्रीय पूंजी बाजार में बांड बेचकर प्राप्त करता है। वित्तीय वर्ष 2007 में इसने मध्यम से दीर्घकालिक

चित्र 3.14

आईबीआरडी ऋणग्रहण और निवेश । 30 जून, 2007 को

प्रतिशत

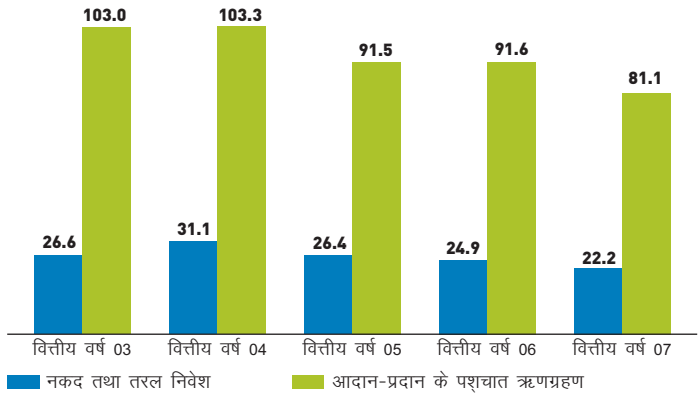

चित्र 3.15

ऋण-से-अंशपूंजी का अनुपात । 30 जून, 2007 को

प्रतिशत

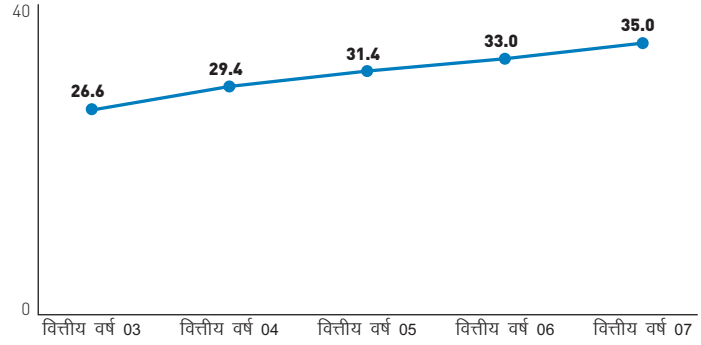

अवधि में पूरे होने वाले ऋणों पर 11 अरब डॉलर प्राप्त किये। अवधियों और ढांचों की व्यापक श्रेणी वाली ऋण प्रतिभूतियां 11 मुद्राओं में जारी की गई।

आईबीआरडी आसान शर्तों पर दीर्घकालिक अवधि में पूरे होने वाले बड़े ऋण प्राप्त करने में सक्षम है। आईबीआरडी की वित्तीय मजबूती इसकी युक्तिपूर्ण वित्तीय नीतियों और व्यवहार पर आधारित है जो इसे अपनी साख को बनाये रखने में मदद करती हैं। एक सहकारी संस्था के तौर पर आईबीआरडी की चेष्टा लाभ बढ़ाने की नहीं बल्कि पर्याप्त आय अर्जित करने की है ताकि इसकी वित्तीय मजबूती बरकरार रहे और इसकी विकास गतिविधियां वहनीय बनी रहें।

आईबीआरडी ने वित्तीय वर्ष 2007 में पर्याप्त नकदी अपने पास रखी ताकि उसकी देनदारियों को पूरा करना सुनिश्चित रहे। 30 जून, 2007 को, इसके पास नकदी परिसंपत्तियों के रूप में लगभग 22.2 अरब डॉलर थे। 30 जून, 2007 को, पूंजी बाजारों से आईबीआरडी का बकाया उधार लगभग 81.1 अरब डॉलर (आदान-प्रदान के बाद शुद्ध राशि) था (देखें चित्र 3.14)।

उधार अंशपूंजी से तीन गुना अधिक था। कुल वितरित और शेष ऋण 97.8 अरब डॉलर थे।

आईबीआरडी के विकास परमादेश की संगति में, यह जो मुख्य जोखिम लेता है, वह है देशीय साख जोखिम जो इसके ऋणों और गारंटियों के पोर्टफोलियो में अंतर्निहित है। ब्याज और विनिमय दरों से संबंधित जोखिम न्यूनीकृत हैं। बैंक के जोखिम पोर्टफोलियो का एक संक्षिप्त मापक बैलेंस शीट अंशपूंजी तथा बकाया शुद्ध ऋणों का अनुपात है, जिसे बैंक की वित्तीय तथा जोखिम प्रत्याशा के अनुरूप प्रबंधित किया जाता है। यह अनुपात, जिसमें वित्तीय वर्ष 2007 की नियतन-योग्य नई आय के आरक्षित नियतन को शामिल नहीं किया गया है, 30 जून, 2007 को 35 प्रतिशत था। (देखें चित्र 3.15)।

गैर-ऋणदान गतिविधियां

देशीय सहायता रणनीतियां

देशीय सहायता रणनीति (सीएएस) किसी ऋणग्राही सदस्य देश के भीतर बैंक समूह की गतिविधियां को मार्गदर्शन देती है। किसी देश के विकास लक्ष्यों के बारे में उसकी दृष्टि से आरंभ करते हुए सरकार, नागरिक समाज संगठनों, विकास साझेदारों, और हिताधारकों से परामर्श के आधार पर सीएएस तैयार की जाती है। यह देश की विकास की स्थिति का आकलन करती है और देश की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कार्यक्रम सुझाती है। वित्तीय वर्ष 2007 के दौरान, बैंक ने 38 सीएएस उत्पाद तैयार किए, जिनमें 10 सीएएस प्रगति रिपोर्टें और 12 अंतरिम रणनीति टिप्पणियां, जो तब तैयार की जाती हैं जब किसी देश की विशिष्ट परिस्थितियों के कारण देशीय सहायता रणनीति पूरी नहीं की जा सकती, शामिल थीं। इनमें से, 19 आईएफसी के साथ संयुक्त रूप से तैयार की गईं, और कईयों को दाताओं के सहयोग से तैयार किया गया।

रणनीति विकास

वित्तीय वर्ष 2007 में, विश्व बैंक ने दो सेक्टर रणनीति आलेख तैयार किए: *Healthy Development: The World Bank's Strategy for Health, Nutrition, and Population Results* (*स्वास्थ्यकर विकासः स्वास्थ्य, पोषण, और जनसंख्या परिणामों के लिए विश्व बैंक की रणनीति*) और *Financial Sector Strategy for the World Bank* (*विश्व बैंक के लिए वित्तीय क्षेत्र की रणनीति*)। इसके अलावा, अन्य रणनीति संबंधी आलेखों पर चर्चा की गई, जिसमें वित्तीय वर्ष 2007 में विकास समिति द्वारा आईबीआरडी साझेदार देशों के साथ विश्व बैंक की संलग्नता को सुदृढ़ करने की रणनीति के विषय में एक आलेख भी शामिल है। फरवरी 2007 में, कार्यकारी निदेशकों ने संकटों और आपात स्थितियों के प्रति विश्व बैंक के त्वरित प्रत्युत्तर को बेहतर बनाने के लिए एक नए नीतिगत फ्रेमवर्क को स्वीकृति दी, जिसके साथ भंगुर राज्यों में बैंक के संस्थागत समर्थन और दीर्घकालिक संलग्नता को सुदृढ़ीकृत करने के लिए एक नई रणनीति भी थी। बैंक ने सुशासन और भ्रष्टाचार निवारण पर एक रणनीति भी प्रस्तुत की जिसे कार्यकारी निदेशकों ने अनुमोदित किया।

विश्लेषणात्मक तथा परामर्शदात्री सेवाएं

विश्लेषणात्मक तथा परामर्शदात्री गतिविधियां बैंक की गैर-ऋणदान ग्राहक सेवाओं का एक अविभाज्य अंग हैं। उत्पादों के मुख्य समूह में आर्थिक तथा सेक्टर कार्य और तकनीकी सहायता शामिल है (गैर-ऋणदान)। आर्थिक तथा सेक्टर कार्य का लक्ष्य ग्राहक-देश की नीतियों और कार्यक्रमों को प्रभावित करना है। तकनीकी सहायता ग्राहक देशों को नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने में मदद करती है। परिणामों की दिशा बेहतर बनाने, देशीय स्वामित्व सुनिश्चित करने और एक सामंजस्यपूर्ण दाता दृष्टिकोण के भीतर काम करने के लिए, विश्लेषणात्मक और परामर्शदात्री गतिविधियों को अधिकाधिक रूप से ग्राहक देशों तथा अन्य बहुपक्षीय तथा द्विपक्षीय दाताओं के साथ घनिष्ठ सहयोग करते हुए तैयार किया जाता है।

बैंक ने वित्तीय वर्ष 2007 मे 531 आर्थिक एवं सेक्टर कार्य तथा 430 तकनीकी सहायता उत्पाद प्रदान किए।

शोध

बैंक का शोध समूह विकास संबंधी मुद्दों की एक व्यापक श्रृंखला की जांच-पड़ताल करता है। इसके अध्ययन शोधकर्ताओं, अकादमिकों और नीति-निर्माता समुदाय को सूचित तथा प्रभावित करने–और निर्धन लोगों के लिए बेहतर परिणामों की ओर ले जाने की दृष्टि से अभिकल्पित होते हैं।

वित्तीय वर्ष 2007 में, समूह ने निर्धनता, अंतर्राष्ट्रीय प्रवजन और वित्त की उपलब्धता के बारे में नए डेटा समुच्चय प्रस्तुत किए। इन डेटा समुच्चयों में जीवन स्तर मापन अध्ययन के भाग के रूप में किए गए नए गृहस्थी सर्वेक्षण; एक अंतर्क्रियात्मक उपकरण (PovcalNet) जिससे उपयोगकर्ता बैंक के वैश्विक 1 डॉलर प्रतिदिन निर्धनता मापक की पुनरावृत्ति के लिए 600 गृहस्थी सर्वेक्षणों से डेटा प्राप्त कर सकते हैं; और एक

गुणवत्ता आश्वासन समूह के निष्कर्ष

बैंक के सक्रिय ऋणदान पोर्टफोलियो की अपनी वार्षिक समीक्षा में गुणवत्ता आश्वासन समूह ने अनुमान किया है कि बैंक की पूर्ण परियोजनाओं में अच्छा प्रदर्शन करने वाली परियोजनाओं का हिस्सा वित्तीय वर्ष 2006 में 81 प्रतिशत हो गया, जो पिछले 25 वर्षों का सर्वश्रेष्ठ स्तर है। वित्तीय वर्ष 2003 से वित्तीय वर्ष 2006 तक, परिवहन सभी सेक्टरों में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला सेक्टर था, जिसमें 90 प्रतिशत परिणामों को संतोषजनक आंका गया। पूर्वी एशिया और प्रशांत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र था जिसमें 83 प्रतिशत परियोजनाओं को संतोषजनक आंका गया। और जहां 2001 में विश्व बैंक की वचनबद्धताओं में आईडीए का हिस्सा कुल का लगभग एक-तिहाई था, वहीं आज यह पोर्टफोलियो का 42 प्रतिशत हिस्सा है।

रिपोर्ट ने चेतावनी दी कि पोर्टफोलियो के जोखिमों को कम करके बताना अब भी एक गंभीर चिंता बनी हुई हैः हांलाकि बैंक कर्मचारी सक्रिय पोर्टफोलियो की 11 प्रतिशत परियोजनाओं में समस्याओं की सूचना देते हैं, लेकिन इनका वास्तविक हिस्सा 25 प्रतिशत के करीब हो सकता है। भंगुर राज्य बैंक के लिए अत्यंत गंभीर चुनौती बने हुए हैं और वित्तीय वर्ष 2003 से वित्तीय वर्ष 2006 के बीच चार वर्ष की अवधि में वहां मात्र 56 प्रतिशत संतोषजनक परिणाम सामने आए। इन देशों की परियोजनाओं में, जो पूरी तरह बैंक के नियंत्रण में हैं, आरंभ के समय गुणवत्ता तथा पर्यवेक्षण की गुणवत्ता की दृष्टि से बैंक का प्रदर्शन चिंता का विषय बना हुआ है। भंगुर राज्यों के संबंध में बैंक के सांगठनिक प्रत्युत्तर को संवर्द्धित करने के लिए बैंक प्रबंधन अनेक कदम उठा रहा है।

निर्धनता विश्लेषण टूलकिट शामिल है। वित्तीय वर्ष 2007 में विकसित अन्य उत्पादों में कुशल कामगारों के अंतर्राष्ट्रीय प्रवजन के अनुमान उपलब्ध कराने वाला एक डेटाबेस, और वित्तीय संकेतकों पर एक देश-व्यापी डेटा समुच्चय शामिल है जो यह दर्शाता है कि उद्यम और गृहस्थियां किस सीमा तक वित्तीय सेवाओं का प्रयोग करते हैं।

सितंबर 2006 में, एक स्वतंत्र पैनल ने 1998 और 2005 के बीच संचालित बैंक के शोध की अपनी समीक्षा के परिणाम जारी किए। कुल 200 से अधिक शोध परियोजनाओं और रिपोर्टों का परीक्षण करने के बाद, इसका निष्कर्ष था कि इसके नमूने का 61 प्रतिशत औसत से बेहतर या श्रेष्ठ गुणवत्ता का था, और इसने विकास डेटा के संग्राहक के रूप में बैंक की भूमिका को विशेष मूल्यवान बताया। रिपोर्ट ने बैंक में शोध कार्य को बेहतर बनाने के लिए दो मुख्य संस्तुतियां दीं: सांख्यिकीय क्षमता को पुनर्बलित करने की आवश्यकता है, और हिमायती तथा शोध कार्य के बीच की सीमा रेखा का ध्यानपूर्वक सम्मान किया जाना चाहिए। बैंक द्वारा इस पर आगे की गई चर्चा में आंकड़ों का संग्रह और प्रबंधन क्षमता के संवर्द्धन के महत्व पर बल दिया गया।

विश्व बैंक संस्थान

विश्व बैंक संस्थान (डब्ल्यूबीआई) ज्ञान और शिक्षण को साझा करने पर अपना ध्यान केन्द्रित करता है। यह देशों की क्षमता विकास संबंधी आवश्यकताओं की पहचान करता है और उन्हें प्रासंगिक सेवाएं व उत्पाद प्रदान करता है, जिसमें तकनीकी सहायता, विषयकर शिक्षण गतिविधियां, मंत्रिमंडल-स्तरीय चिंतन बैठकें, और अन्य कार्यक्रम शामिल होते हैं।

डब्ल्यूबीआई शिक्षा व ज्ञान संबंधी अति आवश्यक कार्यक्रमों को उपलब्ध कराने के अलावा, डब्ल्यूबीआई बहुवर्षीय कार्यक्रमों के जरिए 45 फ़ोकस देशों में, जिन्हें क्षमता विकास के लिए खास तौर से इंगित किया गया है और जिनपर डब्ल्यूबीआई का 70 प्रतिशत बजट समर्पित है, दीर्घकालिक क्षमता विकास कार्यक्रमों को समर्थन देता है। इनमें से चौदह देश अफ्रीका में हैं, जहां डब्ल्यूबीआई बैंक की अफ्रीका कार्य योजना में एक प्रमुख भूमिका निभाता है।

वित्तीय वर्ष 2007 में, डब्ल्यूबीआई ने लगभग 700 शिक्षण गतिविधियां प्रदान की और 75,000 से अधिक भागीदारों तक पहुंचा, जिनमें 33 प्रतिशत महिलाएं थीं और 26 प्रतिशत अफ्रीका से थे। डब्ल्यूबीआई ने सांगठनिक सुदृढ़िकरण और सुधार पर भी अधिक ध्यान दिया। बंगलादेश के केंद्रीय बैंक के साथ एक दीर्घकालिक कार्यक्रम के अंग के रूप में, इसने केंन्द्रीय बैंक के शोध विभाग में एक नीति विश्लेषण इकाई स्थापित करने में सहायता की। इस इकाई ने अपनी सर्वप्रथम वित्तीय सेक्टर समीक्षा प्रकाशित की। लाइबेरिया की नव-निर्वाचित सरकार से प्राप्त हुए एक अनुरोध के प्रत्युत्तर में, डब्ल्यूबीआई और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने कार्यकारी शाखा और विधायिका के लिए बजट की प्रक्रिया पर दो सेमिनार आयोजित किए। सूडान की संघर्ष-पश्चात संक्रमण अवधि की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डब्ल्यूबीआई सूडान सरकार के साथ एक दीर्घकालिक कार्यक्रम बनाने में संलग्न है। यह कार्य बहुदाता न्यासी कोषों द्वारा वित्तपोषित जारी तकनीकी सहायता के साथ समेकित है।

डब्ल्यूबीआई विकासशील देशों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करने, स्वच्छ ऊर्जा, एचआईवी/एड्स, सशर्त नकद हस्तांतरण और कृषि संबंधी शोध जैसे क्षेत्रों में विश्व के अग्रणी देशों की विशेषज्ञता का लाभ प्रदान करने के द्वारा मध्य आय वाले देशों के बारे में बैंक की रणनीति का समर्थन करता रहा है। साथ ही इसने यूरोपियाई आयोग (ईयू) से जुड़ने वाले देशों के बीच ज्ञान के आदन-प्रदान की सुविधा भी प्रदान की है। उदाहरण के लिए, डब्ल्यूबीआई बोस्निया एवं हर्जेगोविना और तुर्की में ईयू देशों के साथ ही गैर-ईयू देशों के नेताओं को ला रहा है ताकि वे ईयू से जुड़ने या समेकन की प्रक्रिया के लिए योजनाएं विकसित करने के अपने अनुभवों को साझा कर सकें।

डब्ल्यूबीआई के सर्वाधिक महत्वपूर्ण वैश्विक कार्यक्रम सुशासन और भ्रष्टाचार निवारण में और विकास हेतु ज्ञान (के4डी) के विषय में हैं। के4डी कार्यक्रम डब्ल्यूबीआई की ज्ञान आकलन पद्धति (केएएम) के आधार पर वैश्विक ज्ञान अर्थव्यवस्था में किसी देश या क्षेत्र की प्रतिस्पर्द्धा की तैयारी का आकलन करता है। 2007 का केएएम ऐसे सेक्टरों या विशिष्ट क्षेत्रों को चिह्नित करता है जहां नीति-निर्माताओं को अधिक ध्यान देने या निवेश बढ़ाने की आवश्यकता हो सकती है।

वैश्विक जुड़ाव

साझेदारियां

विश्व की अर्थव्यवस्थाओं के बढ़ते एकीकरण और राष्ट्रीय सीमाओं का अतिक्रमण करने वाली विकास की चुनौतियों की मौजूदगी के कारण वैश्विक साझेदारियां बढ़ रही हैं। ये साझेदारियां साझा चिंताओं के क्षेत्रों, जैसे संचारी रोगों से लड़ने, पर्यावरण का बचाने, ज्ञान प्राप्त करने और साझा करने, व्यापार का एकीकरण करने, अंतर्राष्ट्रीय प्रवजन के मुद्दे सुलझाने और आधारभूत संरचना का विकास करने में प्रयासों को बढ़ावा देती हैं। साथ ही बैंक विकास साझेदारों के साथ सहायता प्रदान करने की लागत को न्यूनतम करने और इस प्रकार सहायता की प्रभावकारिता को बढ़ाने के लिए सहकारी उपायों पर भी काम कर रहा है। बैंक लगभग 170 वैश्विक और क्षेत्रीय साझेदारियों में भागीदार है जिनके लिए इसने वित्तीय वर्ष 2007 में अपने संसाधनों से 17 करोड़ डॉलर से भी अधिक का योगदान किया।

बैंक इन पहलकदमियों में दाता कोषों का न्यासी, वित्तीय अंशदानकर्ता, और क्रियान्वयन एजेंसी सहित विभिन्न भूमिकाएं निभाता है।

वैश्विक विकास शिक्षण नेटवर्क

वर्ष 2000 में शुरू हुआ, वैश्विक विकास शिक्षण नेटवर्क (जीडीएलएन) 60 विकासशील देशों में 110 से अधिक शिक्षण केंन्द्रों (जिन्हें एफिलिएट्स कहा जाता है) की एक साझेदारी है। जीडीएलएन एफिलिएट्स आपसी सहयोग से ऐसे कार्यक्रम आयोजित करते हैं जो विभिन्न देशों और क्षेत्रों के लोगों को विकास संबंधी मुद्दों पर शिक्षण और संवाद के लिए जोड़ते हैं। अंतरक्रियापूर्ण वीडियो-कांफ्रेंसिंग और इंटरनेट जैसे दूरवर्ती-शिक्षण साधनों, और विशेषज्ञों की सुविधा और शिक्षण तकनीकों का एक संयोग प्रस्तुत करके, जीडीएलएन एफिलिएट्स विश्व में कहीं भी मौजूद व्यक्तियों, टीमों और संगठनों को समयबद्ध और लागत-प्रभावी ढंग से संचार कायम करने, ज्ञान साझा करने और एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने में सक्षम बनाते हैं।

जीडीएलएन ने वित्तीय वर्ष 2007 में लगभग 1,000 वीडियो-कांफ्रेंसें आयोजित कीं, और विश्व भर में लगभग 90,000 लोगों तक पहुंचा। इनमें से अधिकांश कांफ्रेंसों का आयोजन छोटी सरकारी एजेंसियों और गैर सरकारी संगठनों द्वारा किया गया।

तालिका 3.2

दस शीर्षस्थ न्यास निधि दाता

मिलियन डॉलर में

दाता	2006	2007
यूनाइटेड किंगडम	654	1,190
नीदरलैंड	514	766
यूनाइटेड स्टेट्स	735	747
यूरोपीय आयोग	493	652
कनाडा	217	533
जापान	392	412
विश्व बैंक समूह	421	408
जर्मनी	165	332
फ्रांस	177	288
सर्बिया	—	234
अन्य	1,446	1,772
कुल नकदी योगदान	**5,214**	**7,334**

टिप्पणी: सभी आंकड़े नकद आधार पर दर्शाए जा रहे हैं, भूतपूर्व रिपोर्टों के कुछ प्रोद्भवन आधार के आंकड़ों पर नहीं। वित्तीय वर्ष 2006 के आंकड़ों को तदानुसार परिवर्तित कर दिया

न्यास निधियां

विश्व बैंक निर्धनता न्यूनीकरण और वहनीय विकास में सहयोग के लिए करीब 50 वर्ष से रियायती स्रोतों को संगठित करता आ रहा है। इन संसाधनों का प्रमुख स्रोत आईडीए है, हालांकि हाल के वर्षों में, दोनों देशीय स्तर तथा बैंक की अंतर्राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को समर्थन देने के लिए, बैंक द्वारा प्रशासित अन्य संपूरक निधियों में खासी वृद्धि हुई है। यह विकास मुख्यतः अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय की उस चाहत को संबोधित करता है कि बैंक साझेदारियों के द्वारा व्यापक वैश्विक पहलकदमियों के प्रबंधन में सहायता करे। इन पहलकदमियों के विस्तार और जटिलता में बहुत अंतर भी होता हैं–जहां कार्बन वित्त, वैश्विक पर्यावरण सुविधा, एचआईपीसी पहल और एड्स, टीबी और मलेरिया से लड़ने के लिए वैश्विक निधि के लिए अनेक अरब डॉलरों की व्यवस्था करनी पड़ती है–वहीं अनेक निधियां छोटी और स्वतंत्र भी होती हैं। इनमें से अनेक गतिविधियों पर विश्व बैंक की न्यास निधि वार्षिक रिपोर्ट में और विस्तार से चर्चा की गई है। तालिका 3.2 में 10 शीर्षस्थ दाताओं की सूची दी गई है।

सहवित्तपोषण

सहवित्तपोषण कोई भी ऐसी व्यवस्था हैं जिसके तहत किसी विशिष्ट परियोजना या कार्यक्रम के लिए बैंक द्वारा प्रदान किया धन प्राप्तकर्ता देश के बाहर किसी स्रोत से आने वाले धन के साथ जोड़ दिया जाता है। वित्तीय वर्ष 2007 में, 130 बैंक परियोजनाओं ने सहवित्तपोषण के रूप में 6.3 अरब डॉलर उपलब्ध कराए। युनाइटेड किंगडम का अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग (1 अरब डॉलर) और अफ्रीका विकास बैंक (0.6 अरब डॉलर) प्रमुख सहवित्त प्रदाता थे। सहवित्तपोषण से सबसे अधिक लाभ प्राप्त करने वाले क्षेत्रों में अफ्रीका (3 अरब डॉलर), मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका (1.1 अरब डॉलर), और दक्षिण एशिया (1 अरब डॉलर) थे। ऊर्जा और खनन; स्वास्थ्य, पोषण, और आबादी; तथा परिवहन ने क्रमशः 1.8 अरब डॉलर, 1.1 अरब डॉलर, और 0.8 अरब डॉलर प्राप्त किए। बहुपक्षीय एजेंसियों ने सहवित्तपोषण में 2.4 अरब डॉलर का योगदान किया।

विश्व बैंक-आईएमएफ सहयोग का संवर्धन

आईएमएफ-विश्व बैंक सहयोग पर फरवरी 2007 में जारी की एक रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के बीच अच्छे सहयोग के अनेक उदाहरण मौजूद हैं, फिर भी इसमें और अधिक सुधार लाने की गुंजाइश तो बनी हुई है। दोनों संस्थानों के बीच सहयोग की संस्कृति को सुदृढ़ करना, आपदा प्रबंधन में सहयोग को प्रोत्साहित करना, वित्तीय मुद्दों पर काम के एकीकरण और सामंजस्यीकरण को सुधारना, संस्थानों द्वारा हाथ में ली गई तकनीकी सहायता का बेहतर समन्वय करना, और वित्तीय सेक्टर के विकास में सहयोग बेहतर बनाने की कोशिश जारी रखना तथा भूमिकाएं स्पष्ट करना इसकी मुख्य संस्तुतियां हैं।

विश्व बैंक समूह में परस्पर सहयोगः निवेश के माहौल को सुधारना

विदेशी निवेश परामर्श सेवा (एफआईएएस) व्यावसायिक माहौल पर बैंक समूह के काम में नेतृत्वकारी भूमिका निभाती है। फरवरी 2007 में, एमआईजीए के निदेशक मंडल द्वारा स्वीकृत एकीकरण के एक भाग के रूप में एफआईएएस ने एमआईजीए की टीम और तकनीकी सहायता कार्यक्रमों का स्वागत किया। आईएफसी, एमआईजीए, विश्व बैंक, और बाह्य दाताओं द्वारा वित्तपोषित, एफआईएएस देशों के व्यावसायिक माहौल को सुधारने में उनकी सहायता करके निवेश (घरेलू और विदेशी) को प्रोत्साहित करती है।

सिएरा लिओन में एफआईएएस के प्रयासों के कारण, व्यवसाय के पंजीकरण और औसत खर्च 1,500 डॉलर से घटकर लगभग 50 डॉलर रह गया। केन्या में, वर्ष 2006 में 110 व्यावसायिक लाइसेंसों को खत्म किया गया, और एफआईएएस की सलाह पर सरकार इसके बाद 300 से अधिक को खत्म करने के लिए वचनबद्ध है। एफआईएएस और आईएफसी के साथ सहभागिता के तीन वर्ष बाद, चीन और वियतनाम प्रत्येक ने ऐसे विधेयक पास किए जो छोटे व्यवसायों के लिए ऋण की उपलब्धता में सुधार लाएंगे।

मार्च 2007 में शुरु की गई आईएफसी और एफआईएएस की संयुक्त परियोजना, अचेह निवेशक संपर्क कार्यालय, अब तक एक दर्जन से अधिक संभावित निवेशकों की सहायता कर चुकी है। संपर्क कार्यालय विदेशी और घरेलू निवेशकों के लिए अचेह के प्रवेशद्वार का काम करता है, और कंपनियों को जानकारी, संपर्क, नियामक आवश्यकताओं के बारे में परामर्श और नीतिगत हिमायत प्रदान करता है। (देखें www.fias.net.)

विश्व बैंक समूह

अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक

स्थापित 1944 / 185 सदस्य
संचयी ऋणदानः 433 अरब डॉलर*
वित्तीय वर्ष 2007 में ऋणदानः 34 देशों में
112 नई कार्रवाइयों के लिए 12.8 अरब डॉलर

*वित्तीय 2005 से प्रभावी, गारंटियां सहित

आईबीआरडी का लक्ष्य ऋणों, गारंटियों, जोखिम प्रबंधन उत्पादों, और (गैरऋण) विश्लेषणात्मक तथा परामर्शदात्री सेवाओं के जरिए वहनीय विकास को प्रोत्साहन देकर मध्य-आय वाले और साख-पात्र गरीब देशों में निर्धनता कम करना है। पिछले वर्षों के दौरान आईबीआरडी द्वारा अर्जित आय ने इसे विकासात्मक गतिविधियों के लिए धन प्रदान करने और इसकी वित्तीय मजबूती सुनिश्चित करने में सक्षम बनाया है, जिससे यह पूंजी बाजारों से कम खर्च पर उधार ले सकता है और ग्राहकों को ऋण की अच्छी शर्तें पेश कर सकता है।

आईबीआरडी प्रमुख वित्तीय सूचकांक। वित्तीय 2003–2007

मिलियन डॉलर में

	2003	2004	2005	2006	2007
परिचालन आय[क]	3,021	1,696	1,320	1,740	1,659
बकाया ऋण	116,240	109,610	104,401	103,004	97,805
कुल परिसंपत्तियां	230,062	228,910	222,008	212,326	208,030
कुल अंशपूंजी	37,918	35,463	38,588	36,474	39,926

क. संशोधित वित्तीय लेखा मानक नं 133 के अनुकूल, आईबीआरडी के वित्तीय विवरण में बोर्ड ऑफ़ गवर्नर्स द्वारा अनुमोदित हस्तांतरण पूर्व शुद्ध आय और उचित मूल्य पर मापे गए गैरवाणिज्यिक व्युत्पन्न उपकरणों तथा उधारों पर शुद्ध अप्राप्त (घाटा) लाभ के रूप में रिपोर्ट किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय विकास संगठन

स्थापित 1960 / 166 सदस्य
संचयी वचनबद्धताएंः 181 अरब डॉलर*
वित्तीय वर्ष 2007 की वचनबद्धताएंः 64 देशों में
189 नई कार्रवाइयों के लिए 11.9 अरब डॉलर

*वित्तीय 2005 से प्रभावी, गारंटियां सहित

आईडीए विश्व के 82 निर्धनतम देशों को अत्यधिक रियायती वित्तपोषण प्रदान करता है। आईडीए के ब्याज-मुक्त ऋण और अनुदान—जो दाता देशों से आईडीए को योगदानों, आईबीआरडी की शुद्ध आय के अंतरण, और आईडीए में ऋण के पुनर्प्रवाहों द्वारा वित्तपोषित होते हैं—अत्यंत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इन देशों के पास बाजार की शर्तों पर उधार लेने की क्षमता बहुत कम या बिल्कुल नहीं होती है। आईडीए के संसाधन प्रमुख नीतिगत क्षेत्रों, जिनमें उत्पादकता बढ़ाना, जवाबदेह सुशासन प्रदान करना, निवेश का स्वस्थ माहौल निर्मित करना, और शिक्षा एवं स्वास्थ्य चर्या सहित बुनियादी सेवाओं तक पहुंच सुधारना शामिल हैं, में देशों के नेतृत्व में निर्धनता न्यूनीकरण रणनीतियों को समर्थन देने में मदद करते हैं।

आईडीए प्रमुख वित्तीय सूचकांक। वित्तीय 2003–2007

मिलियन डॉलर में

	2003	2004	2005	2006	2007
परिचालन आय (घाटा)	108	(1,684)	(986)	(2,043)	(2,075)
बकाया विकास ऋण	106,877	115,743	120,907	127,028	102,457
विकास संसाधनों के कुल स्रोत	119,454	127,930	130,378	102,871	111,330

अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम

स्थापित 1956 / 179 सदस्य
वचनबद्ध पोर्टफ़ोलियो: 25.4 अरब डॉलर (आईएफ़सी लेखा में) तथा सिन्डिकेट ऋणों में 5.5 अरब डॉलर
वित्तीय वर्ष 2007 की वचनबद्धताएं: 8.2 अरब डॉलर
वचनबद्ध और 69 देशों में 299 परियोजनाओं के लिए 3.9 अरब डॉलर का संघटन

आईएफसी, विकासशील तथा संक्रमणशील देशों में सरकारी गारंटियों को स्वीकार किए बिना वहनीय निजी उद्यमों में निवेश करता है, और इस प्रकार निर्धनता कम करने और लोगों के जीवन में सुधार लाने में सहायता प्रदान करता है। यह ग्राहकों को अंश पूंजी, दीर्घकालिक ऋण, परामर्शदात्री सेवाएं, और ढांचागत वित्त एवं जोखिम प्रबंधन उत्पाद प्रदान करता है। आईएफसी ऐसे क्षेत्रों और देशों में व्यवसायों तक पहुंचने का प्रयास करता है जिनके पास पूंजी तक सीमित पहुंच है। यह आईएफसी की भागीदारी के अभाव में वाणिज्यिक निवेशकों द्वारा अत्यंत जोखिमभरे समझे जाने वाले बाजारों में वित्तपोषण प्रदान करता है और कॉर्पोरेट सुशासन, पर्यावरण तथा सामाजिक क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञता के जरिए स्वयं द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं का मूल्य वर्धन करता है। आईएफ़सी निजी क्षेत्र पहलकदमियों पर आईबीआरडी, आईडीए और एमआईजीए के साथ साझेदारी करता है।

आईएफ़सी प्रमुख वित्तीय सूचकांक। वित्तीय 2003–2007

मिलियन डॉलर में

	2003	2004	2005	2006	2007
परिचालन आय[क]	528	982	1,953	1,409	2,611
संबद्ध व्युत्पन्न उपकरणों के अलावा तरल परिसंपत्तियां	12,952	13,055	13,325	12,730	13,269
ऋण, अंशपूंजी निवेश, और ऋण प्रतिभूतियां, शुद्ध	9,377	10,279	11,489	12,731	15,812
कुल पूंजी	6,789	7,782	9,798	11,076	14,130

क. 2005 से प्रभावी, परामर्शदात्री सेवाओं, प्रदर्शन आधारित अनुदानों, और आईडीए को दिए गए अनुदानों के व्यय के बाद, और गैरवाणिज्यिक वित्तीय उपकरणों के शुद्ध लाभ (घाटे) से पहले आय।

बहुपक्षीय निवेश गारंटी एजेंसी

स्थापित 1988 / 171 सदस्य
संचयी जारी गारंटियां: 17.4 अरब डॉलर*
वित्तीय 2007 में जारी गारंटियां: 1.4 अरब डॉलर

*राशियों में सहकारी अंडरराइटिंग कार्यक्रम के जरिए उपलब्ध कराया गया धन शामिल है।

एमआईजीए विकासशील देशों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए राजनीतिक जोखिम बीमा (गारंटियां) प्रदान करता है। एमआईजीए की गारंटियां स्वत्वहरण, मुद्रा की अपरिवर्तनीयता, अनुबंध का उल्लघंन, युद्ध, और नागरिक अशांति (आतंकवाद सहित) जैसे गैर-वाणिज्यिक जोखिमों के विरूद्ध निवेशकों को सरंक्षण प्रदान करती हैं। एमआईजीए निवेशकों और सरकारों के बीच ऐसे विवादों में मध्यस्थता करता है जिनसे एमआईजीए-समर्थित निवेशों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, और इस तरह परियोजनाओं को सही रास्ते पर बनाए रखता है। देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए वह देशों को परामर्शदात्री सेवाएं उपलब्ध कराता है, और निवेश के अवसरों, व्यापार चलाने की स्थितियों तथा राजनीतिक जोखिम बीमा के बारे में निःशुल्क जानकारी प्रदान करने के लिए, ऑनलाइन सेवाओं की एक व्यापक श्रृंखला पेश करता है। उच्च जोखिम, निम्न आय वाले देशों में निवेशों को सहायता देना, जटिल आधारभूत संरचना संबंधी परियोजनाओं का समर्थन करना और विकासशील देशों के बीच निवेश के अवसरों को बढ़ाना एमआईजीए की विशेषज्ञता है।

एमआईजीए प्रमुख वित्तीय सूचकांक। वित्तीय 2003–2007

मिलियन डॉलर में

	2003	2004	2005	2006	2007
परिचालन आय	38	26	24	17	49
परिचालन पूंजी[क]	766	811	830	863	950
शुद्ध जोखिम राशि	3,204	3,259	3,138	3,310	3,209
आईडीए-अर्ह देशों में शुद्ध जोखिम राशि	1,255	1,139	1,341	1,435	1,411

क. शेयरधारकों की अंशपूंजी तथा बीमा देनदारी और विश्वास्य आरक्षित राशि।

अंतर्राष्ट्रीय निवेश विवाद निर्धारण केन्द्र

स्थापित 1966 / 144 सदस्य
कुल पंजीकृत मामले: 236
वित्तीय वर्ष 2007 में पंजीकृत मामले: 26

आईसीएसआईडी निवेश विवादों के निपटारे और मध्यस्थता की तटस्थ अंतर्राष्ट्रीय सुविधाएं प्रदान करके विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करता है, और इस प्रकार राज्यों और विदेशी निवेशकों के बीच परस्पर भरोसे का माहौल बनाने में मदद करता है। निवेश के संबंध में अनेक अंतर्राष्ट्रीय समझौतों में आईसीएसआईडी की मध्यस्थता सुविधाएं ली जाती हैं। आईसीएसआईडी, मध्यस्थता कानून तथा विदेशी निवेश कानून के क्षेत्रों में शोध एवं प्रकाशन की गतिविधियां भी संचालित करता है।

विश्व बैंक वार्षिक रिपोर्ट 2007

प्रकाशक का कार्यालय, बाह्य मामले

टीम नेतृत्वकर्ता
रिचर्ड ए. बी. क्रैब

सहायक संपादक
जोनथन एच. टिन

संपादकीय निर्माण
सिंडी ए. फ़िशर
मेरी सी. फ़िस्क
जेनेट एच. सासेर

मुद्रण निर्माण
रांडी पार्क
डेनीस बैर्जरां

परियोजना सहायक
मारिया साबिन क्रॉफोर्ड

बार्बरा कार्नी ने संपादकीय सहायता दी है।

आईसीसी मैकमिलन ने इसे टाइपसेट किया है। डिज़ाइन पर गेन्सलर स्टूडियो 585 का पर्यवेक्षण रहा है।

युनाइटेड स्टेट्स में जार्बो प्रिंटिंग कं. द्वारा मुद्रित

संलग्न सीडी-रॉम को आईसीसी मैकमिलन ने तैयार किया है।

© 2007 अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक/विश्व बैंक

1818 एच स्ट्रीट एनडब्ल्यू
वाशिंगटन, डीसी 20433
फोनः 202-473-1000
इंटरनेटः www.worldbank.org
ईमेलः feedback@worldbank.org

सर्वाधिकार सुरक्षित
1 2 3 4 10 09 08 07

इस खंड के नक्शों में दर्शाई गई सीमाएं, रंग, नामकरण, और अन्य जानकारियां यह सूचित नहीं करतीं कि अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक/विश्व बैंक किसी क्षेत्र विशेष की कानूनी हैसियत के संबंध में कोई मंतव्य व्यक्त कर रहा है अथवा कि वह इन्हें स्वीकारता है।

अधिकार, लाईसेंस, जिसमें सब्सीडियरी अधिकार भी शामिल हैं, से संबंधित सभी प्रश्न प्रकाशक के कार्यालय, विश्व बैंक, 1818 एच स्ट्रीट एनडब्ल्यू, वाशिंगटन, डीसी 20433, यूएसए; फैक्सः 202-522-2422; ईमेलः pubrights@worldbank.org को भेजे जाने चाहिए।

ISSN: 0252-2942
ISBN: 978-0-8213-7244-9
eISBN: 978-0-8213-7245-6
DOI: 10.1596/978-0-8213-7244-9

वाशिंगटन, डीसी का **विश्व बैंक इन्फोशोप** आर्थिक विकास से जुड़ी पुस्तकों के लिए एक वन-स्टॉप शॉप है और विश्व बैंक की परियोजना गतिविधियों के बारे में जानकारी के लिए प्रमुखतम स्रोत है। वह विश्व बैंक की खुलासा नीति के आवश्यकतानुसार दस्तावेज़ों तथा विभिन्न प्रकाशकों की सामग्रियां रखता है। देश-विशिष्ट से संबंधित जानकारी विश्व भर में फैले राष्ट्रीय कार्यालयों के सार्वजनिक सूचना केंद्रों से भी प्राप्त की जी सकती है। (देखें **www.worldbank.org/infoshop**.)

701 18 स्ट्रीट एनडब्ल्यू
वाशिंगटन, डीसी 20433
सोमवार से शुक्रवार, सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक
फोनः 202-458-4500 (सुबह 9:30 बजे से शाम 3:30 बजे तक)
फैक्सः 202-522-1500
ई-बुकस्टोरः www.worldbankinfoshop.org

फोटो क्रेडिट
बारबारा क्लास/पानोस पिक्चर्स (आवरण); जोनाथन अर्न्स्ट (पृष्ठ 21); माइकल फोली (पृष्ठ 27); आर्ने होएल (पृष्ठ 11, 13, 14 [बायां], 18, 24, 28, 44, 46); खॉर्खे मार्सेलो विनुएज़ा (पृष्ठ 13, 14 [दायां])। अन्य सभी फोटोचित्र विश्व बैंक के हैं।

पारिस्थितिकीय-लेखा
विश्व बैंक प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए वचनबद्ध है। यह रिपोर्ट ग्रीन प्रेस पहल मानकों के अनुसार 15 प्रतिशत उपभोक्ता-पश्चात कचरे से बने पुनर्चक्रीय कागज पर मुद्रित की गई है। देखें www.greenpressinitiative.org.

बचतः 33 वृक्ष, कुल 23 मिलियन बीटीयू ऊर्जा, शुद्ध 3661 पौंड ग्रीनहाउस गैसें, 12,001 गैलन अवशिष्ट जल, और 1986 पौंड ठोस कचरा।

green press INITIATIVE

विश्व बैंक

1818 एच स्ट्रीट एनडब्ल्यू
वाशिंगटन डीसी 20433 यूएसए
फोनः 202-473-1000
फैक्सः 202-477-6391
इंटरनेटः www.worldbank.org
इ-मेलः wbannualreport@worldbank.org

ISBN 978-0-8213-7244-9

SKU 17244